THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 254 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.6 2080 रविवार, 3 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

तेलंगाना कांग्रेस ने रैतू बंधु फंड में हेरफेर का आरोप लगाया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि तेलंगाना सरकार ठेकेदारों को भुगतान करने के लिए रैतू बंधु फंड का इस्तेमाल कर रही है। राज्य कांग्रेस ने शनिवार को भारत के चुनाव आयोग से हस्तक्षेप करने और भुगतान रोकने का आग्रह किया है।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को संबोधित एक ज्ञापन सौंपने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज से मुलाकात की। उनका कहना है कि आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) अभी भी लागू है। उन्होंने चुनाव आयोग से हस्तक्षेप करने और राज्य सरकार को इसके उल्लंघन में कदम उठाने से रोकने का अनुरोध किया।

टीपीसीसी प्रमुख ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने रैथु बंधु के तहत संवितरण (किसी निधि से धन का भुगतान करना) की अनुमति नहीं दी, इसलिए राज्य सरकार इसे कमीशन/रिश्वत प्राप्त करने के लिए पसंदीदा ठेकेदारों को वितरित करने की योजना बना रही है। आरोप लगाया कि तेलंगाना सरकार अवैध तरीके से चयनित ठेकेदारों को 6,000 करोड़ रुपये वितरित कर रही है।

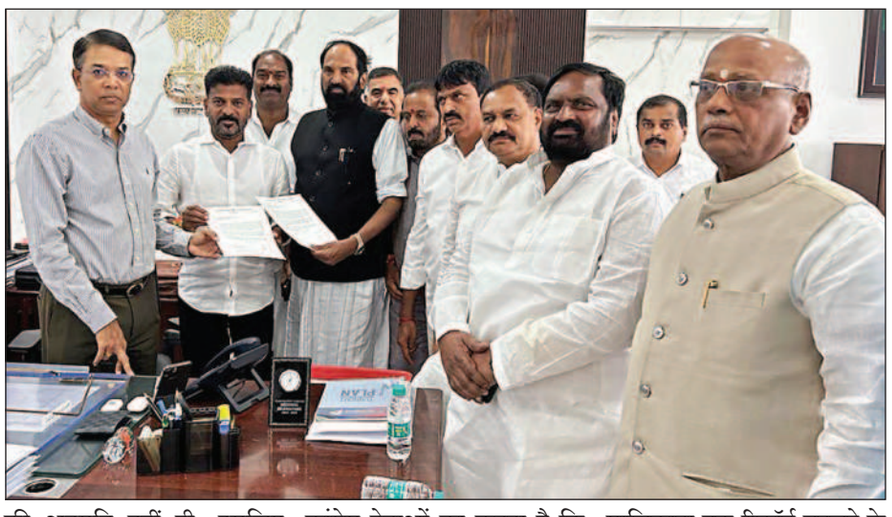

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि कुछ ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए आउट ऑफ टर्न के आधार पर भुगतान किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि हैदराबाद के आसपास के रंगारेड्डी, संगारेड्डी और मेडचल जिलों में हजारों एकड़ भूमि के संबंध में भूमि मालिकाना हक रिकॉर्ड बदलने के लिए धरणी पोर्टल का दुरूपयोग किया जा रहा है। ये जमीनें पिछले भूमि रिकॉर्ड के अनुसार आवंटित की गई थीं। इन्हें मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों की बेनामी में स्थानांतरित किया जा रहा है। टीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष उत्तम कुमार रेड्डी ने सीईओ से मुलाकात के बाद मीडियाकर्मियों से कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव को उचित प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान बीआरएस सरकार को एमसीसी के दौरान और संभवत राज्य सरकार के आखिरी 2 से 3 दिनों में अपनी शक्तियों का दुरूपयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

4 दिसंबर को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा बुलाई गई राज्य कैबिनेट की बैठक के बारे में पूछे जाने पर उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उन्होंने बैठक क्यों बुलाई। कांग्रेस नेता ने टिप्पणी की कि हो सकता है कि उन्होंने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने के लिए बैठक बुलाई हो।

राज्य विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान हुआ था और परिणाम रविवार (3 दिसंबर) को घोषित होंगे। ज्यादातर एग्जिट पोल में कांग्रेस पार्टी को बढ़त दी गई है। हालांकि, बीआरएस नेताओं का दावा है कि पार्टी अच्छे बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखेगी।

'मनी लॉन्ड्रिंग, साजिश, आरोपियों की मदद...'

दिल्ली शराब घोटाले में आप सांसद संजय सिंह के खिलाफ ईडी की चार्जशीट दायर

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने संजय सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दायर कर दी है।

ईडी की चार्जशीट में संजय सिंह को आरोपी बनाया गया है। सूत्रों का कहना है, ईडी ने आरोपपत्र में आरोप लगाया है कि संजय सिंह इस मामले में साजिश, मनी लॉन्ड्रिंग और आरोपियों की मदद करने में शामिल थे। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट 4 दिसंबर को दोपहर 2 बजे इस पर सुनवाई करेगी। आरोपपत्र 4 दिसंबर को विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा। दिल्ली की शराब नीति में घोटाले के मामले में अक्टूबर माह के दौरान ईडी ने संजय सिंह के आवास पर छापेमारी की थी। इसके बाद संजय सिंह को गिरफ्तार किया गया था। इसी मामले में जांच एजेंसियों ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार किया था। ईडी सूत्रों के मुताबिक, शराब घोटाले में आरोपी दिनेश अरोड़ा की गवाही पर संजय सिंह के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

आप सांसद पर हैं ये आरोप :

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी चार्जशीट में आरोप लगाया था कि शराब घोटाले के आरोपी व्यवसायी दिनेश अरोड़ा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से उनके आवास पर मुलाकात की थी। इस बैठक में संजय सिंह भी मौजूद थे। ईडी के सामने दिनेश अरोड़ा द्वारा दिए बयान के मुताबिक, वह सबसे पहले एक कार्यक्रम में संजय सिंह से मिला था। इसके बाद वह मनीष सिसोदिया के संपर्क में आया। सूत्रों का कहना है, यह दिल्ली चुनाव से पहले आप नेता द्वारा आयोजित एक फंड जुटाने का कार्यक्रम था। चार्जशीट के मुताबिक, संजय सिंह के कहने पर दिनेश अरोड़ा ने दिल्ली में आगामी चुनावों के लिए पार्टी फंड इकट्ठा करने के लिए कई रेस्तरां मालिकों से बात की। इतना ही नहीं उसने 32 लाख रुपये का चेक भी सिसोदिया को सौंपा।

'गंगा नदी के आस-पास न हो कोई अवैध निर्माण कार्य' सुप्रीम कोर्ट का बिहार सरकार को निर्देश

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बिहार सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि गंगा नदी के करीब, खासकर पटना और उसके आस-पास कोई निर्माण कार्य न हो।

न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राज्य सरकार को पटना में गंगा नदी के डूब क्षेत्र में बनाए गए उन अवैध ढांचों को हटाने के बारे में सूचित करते हुए हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया, जिन्हें चिह्नित किया गया है। मामला जब सुनवाई के लिए आता है तो बिहार सरकार के वकील कहते हैं कि राज्य ने पटना और उसके आसपास गंगा नदी से सटे 213 अनधिकृत निर्माणों की पहचान की है और इन अतिक्रमणों को हटाने के लिए कदम उठाए गए हैं। पीठ ने कहा, राज्य इस अदालत को एक हलफनामा दायर करके इन अवैध ढांचों को हटाने की दिशा में हुई प्रगति के बारे में रिपोर्ट देगा। इस तरह का हलफनामा बिहार के मुख्य सचिव द्वारा दायर किया जाएगा। राज्य यह भी सुनिश्चित करेगा कि गंगा नदी के आसपास, विशेष रूप से पटना शहर में और उसके आसपास कोई और निर्माण न हो। >14

सूर्य की अहम जानकारी जुटाने के लिए आदित्य एल-1 के पेलोड ने शुरू किया काम

बेंगलूरू, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सूर्य की अहम जानकारियों को जुटाने के लिए भारत की तरफ से भेजे गए आदित्य-एल1 ने अपना काम शुरू कर दिया है।

अब उपग्रह में लगे पेलोड- आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट ने काम करना शुरू कर दिया है। इसरो ने बताया कि यह पेलोड सामान्य रूप से काम कर रहा है। आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (एएसपीईएक्स) में दो अत्याधुनिक उपकरण सोलर विंड आयन स्पेक्ट्रोमीटर (एसडब्ल्यूआईएस) और सुप्राथर्मल एंड एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर (एसटीईपीएस) शामिल हैं। एसटीईपीएस उपकरण 10 सितंबर, 2023 को शुरू किया गया था। वहीं, एसडब्ल्यूआईएस उपकरण एक महीने पहले यानी दो नवंबर को शुरू हुआ और इसने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसरो के मुताबिक, उपकरण ने सौर पवन आयन, मुख्य रूप से प्रोटॉन और अल्फा कणों को सफलतापूर्वक मापा है। इसरो का कहना है कि इसके जरिए उसे सौर हवाओं के बारे में काफी जानकारी हासिल हुई है। इससे वैज्ञानिकों को सौर हवाएं चलने की वजह और पृथ्वी पर पड़ने वाले उनके असर के बारे में पता चलेगा। इससे अंतरिक्ष के मौसम को लेकर भी काफी जानकारी पता चल सकेगी। >14

'सदस्यता खत्म करना ज्यादा..'

महुआ मोइत्रा को लेकर अधीर रंजन का लोकसभा अध्यक्ष को पत्र

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन संसदीय आचार समिति अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि आचार समिति इस मामले में महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता खत्म किए जाने की मांग कर सकती है। इस बीच कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को इस मामले में एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा है कि महुआ मोइत्रा की सदस्यता छिनना ज्यादा गंभीर बात होगी। गौरतलब है कि कैश-फॉर-क्वेरी मामले में आचार समिति ने मोइत्रा से पूछताछ की थी।

मोइत्रा पर आरोप है कि उन्होंने उपहारों के बदले संसद में सवाल पूछे थे और उन्होंने अपना संसदीय लॉगिन आईडी-पासवर्ड एक व्यापारी के साथ साझा किया था। बता दें, मोइत्रा पहले ही अपने आरोपों को स्वीकार कर चुकी हैं। अधीर रंजन ने संसदीय समितियों के कामकाज पर नियमों और प्रक्रियाओं पर पुनर्विचार के साथ इनकी सही से समीक्षा करने की मांग की। चार पन्नों वाले अपनी चिट्ठी में अधीर ने कहा कि विशेषाधिकार समिति और आचार समिति के लिए भूमिकाओं में कोई स्पष्ट दायरा नहीं है, खासकर दंडात्मक शक्तियों के इस्तेमाल के मामले में। आचार समिति की रिपोर्ट पर कार्रवाई का विरोध करते हुए अधीर रंजन ने कहा कि अनैतिक आचरण की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है और इसके लिए आचार संहिता तैयार होना बाकी है। अधीर रंजन चौधरी लोक लेखा समिति के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा व्यक्त किए गए विचार उनके अपने हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है और यह काम अध्यक्ष के मार्गदर्शन में किया जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शीतकालीन सत्र के पहले दिन चार दिसंबर को विनोद कुमार सोनकर और अपराजिता सारंगी आचार समिति की पहली रिपोर्ट हिंदी और अंग्रेजी भाषा में सदन में पेश करेंगे।

आतंकवाद को सहायता देने वालों के खिलाफ अभियान तेज करेंगे : मनोज सिन्हा

जम्मू, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादियों और आतंकवाद को समर्थन देने वालों के खिलाफ अभियान तेज करेगी।

उपराज्यपाल ने शनिवार को राजौरी में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान शहीद हुए पांच सैन्यकर्मियों में से एक हवलदार अब्दुल माजिद के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और सरकार की ओर से परिवार को सभी सहायता और समर्थन का आश्वासन दिया। उपराज्यपाल ने हवलदार अब्दुल माजिद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पूरे देश को उनकी वीरता और साहस पर गर्व है। उपराज्यपाल ने अपने एक्स-पोस्ट में कहा, पुंछ में हवलदार अब्दुल माजिद के घर का दौरा किया, जो राजौरी में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान शहीद हो गए और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। >14

शीतकालीन सत्र में विधेयकों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है, उससे पहले सर्वदलीय बैठक संसद भवन की लाइब्रेरी बिल्डिंग में हुई। बैठक का उद्देश्य शीतकालीन सत्र को सुचारू ढंग से चलाने के लिए रणनीति बनाना और विधायी एजेंडा तय करना था। बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने बैठक की जानकारी दी। साथ ही ये भी बताया कि आगामी संसदीय सत्र में कौन-कौन से विधेयक संसद में पेश किए जाएंगे। बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत 4 दिसंबर से होगी और यह 22 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान 19 दिनों में 15 दिन बैठकी होगी। बता दें कि संसद में 37 विधेयक लंबित हैं, इनमें 12 विधेयक इस शीतकालीन सत्र में पारित हो सकते हैं। इनमें आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट को बदलने वाले विधेयक भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम भी शामिल हैं। >14

देश की मध्यस्थता व्यवस्था पर रिटायर्ड जजों का कब्जा है

उपराष्ट्रपति का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि रिटायर्ड जजों ने देश की मध्यस्थता व्यवस्था को अपनी मुट्ठी में किया हुआ है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अन्य योग्य लोगों को यहां मौके नहीं दिए जा रहे हैं। अब समय आ गया है, जब हमें आत्म अवलोकन करने की जरूरत है और जरूरी बदलाव करने की जरूरत है और अगर जरूरत पड़े तो कानून बनाकर ये बदलाव किए जाएं।

उपराष्ट्रपति ने मुख्य न्यायाधीश की तारीफ की :

इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन में एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी देश में या किसी अन्य व्यवस्था में रिटायर्ड जजों की मध्यस्थता व्यवस्था पर इतनी मजबूत पकड़ नहीं है, जितनी हमारे देश में है। उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति इस देश की न्यायपालिका में बड़े बदलाव कर रहा है और वो हैं देश के मुख्य न्यायाधीश। दरअसल कार्यक्रम में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ भी मौजूद रहे और उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मध्यस्थता व्यवस्था में विविधता की कमी है और रिटायर्ड जज इस क्षेत्र पर दबदबा बनाए हुए हैं।

उपराष्ट्रपति ने गिनाई खामियां :

इस पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं इसके लिए उन्हें (मुख्य न्यायाधीश) सलाम करता हूं। उन्होंने कहा कि अन्य योग्य उम्मीदवार नजरअंदाज कर दिए जाते हैं और ओल्ड बॉयज क्लब मानसिकता मध्यस्थता व्यवस्था पर हावी है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सीजेआई का यह बयान लंबे समय तक याद रखा जाएगा और इससे मध्यस्थता प्रक्रिया में मजबूती आएगी। भारत में पर्याप्त संख्या में योग्य लोग हैं लेकिन मध्यस्थता व्यवस्था में उन्हें नहीं चुना जाता।

पिता और चाचा ने मिलकर बेटे को मौत के घाट उतारा

चंडीगढ़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के मुक्तसर साहिब जिले में एक व्यक्ति ने अपने भाई के साथ मिलकर बेटे को इस संदेह में मौत के घाट उतार दिया कि वह उसकी औलाद नहीं है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की शिनाख्त मनजोत सिंह के रूप में हुई है, जिसे 10 दिसंबर को कनाडा में पढ़ाई के लिए जाना था। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपित को शक था कि मनजोत सिंह उसकी औलाद नहीं है। जानकारी के अनुसार मनजोत सिंह परिवार का इकलौता बेटा था। जिसे 10 दिसंबर को कनाडा स्टडी वीजा पर जाना था। मगर, उससे पहले उसी के पिता ने हत्या कर दी। पुलिस ने पीड़ित मां पुष्पिंदर कौर के बयानों पर पिता शिवराज सिंह और चाचा रेशम सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपितों ने पहले तेजधार हथियारों से हमला किया

4 दिसंबर तक तमिलनाडु तट को पार करेगा चक्रवात मिचौंग

आईएमडी का येलो अलर्ट; पुडुचेरी, कराईकल और यानम में स्कूल बंद

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के दक्षिणी राज्यों में पिछले कुछ समय से तेज बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान लगभग 43 मिमी तक मध्यम वर्षा दर्ज की जा चुकी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अब भी चेन्नई में बारिश जारी रहने की उम्मीद जताई है। दरअसल, कल से शहर पर बंगाल की खाड़ी में बन रहे आगामी चक्रवात का प्रभाव दिखाई देगा, जो अगले 24 घंटों में तमिलनाडु के करीब पहुंचेगा। इससे भारी से मध्यम बारिश देखने को मिल सकती है। आईएमडी के मुताबिक, 3 दिसंबर तक तूफान के तट के करीब आने के कारण चेन्नई शहर में भारी से बहुत भारी बारिश होगी जो 4 दिसंबर को भी जारी रहेगी। वहीं, 3 और 4 दिसंबर के लिए आगामी चक्रवात मिचौंग के मद्देनजर उत्तरी तटीय तमिलनाडु के निवासियों के लिए येलो अलर्ट पहले ही जारी किया जा चुका है।

आईएमडी का येलो अलर्ट जारी

आईएमडी द्वारा 'येलो' अलर्ट जारी किए जाने के बाद पुडुचेरी, कराईकल और यानम में स्कूल बंद रहेंगे, क्योंकि चक्रवात मिचौंग के 4 दिसंबर तक तमिलनाडु तट को पार करने की संभावना है। चक्रवात के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है, 2 दिसंबर तक एक गहरे दबाव में तब्दील हो जाएगा और 3 दिसंबर के आसपास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। इसके दिसंबर तक दक्षिण आंध्र प्रदेश और आसपास के उत्तरी तमिलनाडु तटों के पास पहुंचने की उम्मीद है।

तमिलनाडु के मुख्य सचिव ने की बैठक

इस बीच, तमिलनाडु के मुख्य सचिव शिव दास मीना ने बंगाल की खाड़ी में चक्रवात मिचौंग के आने से पहले तैयारियों का आकलन करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक समीक्षा बैठक की। 3 दिसंबर को पिचावरम बोटहाउस में यात्रियों और पर्यटकों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा अगले दो दिनों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है, जिसके तहत तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अधिकारियों से आवश्यक एहतियाती कदम उठाने का आग्रह किया है।

दिसंबर 2023 से फरवरी 2024 तक कैसा रहेगा तापमान?

मौसम विभाग के मुताबिक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, केरल और माहे और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक वाले दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में दिसंबर 2023 तक बारिश होने की उम्मीद है। आईएमडी ने बताया कि आगामी सर्दियों के मौसम (दिसंबर 2023 से फरवरी 2024) के दौरान, देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान होने की संभावना है। आगामी सर्दियों के मौसम (दिसंबर 2023 से फरवरी 2024) के दौरान, मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर, देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है।

हरियाणा के कई जिलों में बारिश देश के कई राज्यों में बारिश हो रही है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, हरियाणा के कई जिलों में बारिश हुई तो कहीं ओले गिरे, जिससे राज्य में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। बीते दिन भी कई जिलो में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो से तीन दिन बारिश की संभावना है। ऐसे ही मौसम बना रहेगा। रात के तापमान में भी गिरावट आई है।

हिमाचल के कुछ हिस्सों में बर्फबारी

हिमाचल के कुछ हिस्सों में बर्फबारी होने से प्रदेशवासी ठिठुरने लगे। आज प्रदेश में अधिकतर स्थानों पर मौसम के साफ रहने का अनुमान है। हालांकि कुछ स्थानों पर बादल छाए रहने, हिमपात व वर्षा की संभावना है। वहीं अधिकतम तापमान शिमला में 17 डिग्री और न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जाएगा।

उत्तराखंड में फिर बदला मौसम

उत्तराखंड में मौसम फिर शुष्क हो गया है। पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं आंशिक बादल छाये रहे। मैदानी क्षेत्रों में चटख धूप खिलने से अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिन प्रदेश में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

राडो और ओमेगा जैसे बड़े ब्रांड्स के नाम पर गोरखधंधा, 1500 से ज्यादा नकली घड़ियां जब्त, करोड़ों में है कीमत

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में महंगी घड़ियों के ब्रांड्स के नाम पर बड़ा खेल खेला जा रहा है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई की है और दक्षिण मुंबई के मुसाफिरखाना,फातिमा मंजिल बिल्डिंग में स्थित ए।टी मार्केट की कुछ दुकानों से राडो, टिसोट, ओमेगा, ऑडेमर्स पिगुएट, ह्यूग बॉस जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों की 1537 नकली घड़ियों को जब्त किया है। इन नकली घड़ियों की कीमत बाजार में 6 करोड़ से ज्यादा की बताई जा रही है। पुलिस के बताया कि यह घड़ियां नकली हैं और असली ब्रांड की बताकर बेची जा रही थीं। इन जब्त की गई घड़ियों की कीमत बाजार में करीब 6 करोड़ से ज्यादा की बताई गई है। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम घेवाराम अन्नाराम चौधरी, भावेशकुमार औखाजी प्रजापति, गणेश नारायण भारती, और मोहम्मद शोएब अब्दुल गनी कुरेशी है।

देश में खत्म नहीं हुआ कोरोना

सामने आए 88 नए मामले, करीब 400 मरीजों का चल रहा इलाज

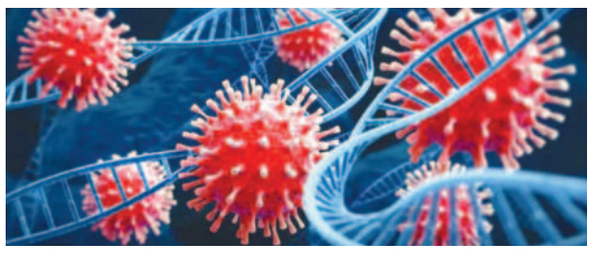

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना वायरस का प्रकोप पूरा देश झेल चुका है। लाखों लोग कोरोना की वजह से मौत के गाल में समा गए। हालांकि वैक्सीनेशन के बाद कुछ राहत भी मिली और कोरोना के केस कम भी हुए लेकिन ये महामारी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। भारत में कोरोना के 88 नए मामले सामने आए हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किया आंकड़ा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि देश में 396 कोरोना के मरीजों का इलाज चल रहा है। कोरोना की वजह से जान गंवाने वाले कुल लोगों की संख्या 5,33,300 है, जबकि कोरोना से संक्रमित होने वालों की कुल संख्या 4,50,02,103 है। मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, संक्रमण से उबरने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 4,44,68,407 हो गई है। वहीं, देश में संक्रमण से ठीक होने की दर 98.81 प्रतिशत, जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। वेबसाइट के अनुसार, भारत में अब तक कोविड-19 वैक्सीन की कुल 220.67 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।

गुरुवार को शिमला में हुई थी महिला की मौत

हालही में शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) में गुरुवार को कोरोना पॉजिटिव महिला की मौत हो गई थी। महिला के शव को परिजनों को दे दिया गया था। आईजीएमसी में 42 दिन बाद कोरोना पॉजिटिव मरीज की मौत हुई थी।

अगर शुरुआत हुई है तो उसका कोई अंत भी होगा'

यूएनएलएफ के साथ शांति समझौते पर बोले सीएम बीरेन सिंह

इंफाल, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) ने हथियार डालकर हाल ही में सरकार के साथ शांति समझौता किया है। इस पर मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने खुशी जताते हुए कहा कि अगर कोई शुरुआत हुई है तो उसका अंत भी होगा। ऐसे ही अगर कोई संघर्ष है तो उसका राजनीतिक समाधान भी होगा। मणिपुर के लोगों की मदद से मणिपुर सरकार, केंद्र सरकार ने यूएनएलएफ के साथ शांति समझौता किया है। मणिपुर सीएम ने यूएनएलएफ के साथ शांति समझौते के लिए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी तारीफ की और ये उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में और उग्रवादी संगठन हथियार छोड़कर शांति वार्ता में शामिल होंगे। बता दें कि मणिपुर के सबसे पुराने उग्रवादी संगठन यूएनएलएफ ने 29 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस दौरान यूएनएलएफ के कई सदस्य और केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला मौजूद रहे। समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद सीएम एन बीरेन सिंह शनिवार को मणिपुर लौटे। सीएम का पार्टी नेताओं और विधायकों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान सीएम ने कहा कि यह मणिपुर के लिए ऐतिहासिक है। यूएनएलएफ का गठन 1964 में हुआ था और तब से अब तक कोई शांति प्रक्रिया शुरू नहीं की गई थी। सौभाग्य से इस बार यह हुई। इस शांति समझौते के साथ ही छह दशक लंबे हथियारबंद अभियान का अंत हो गया।

फडणवीस को लेकर बोले सीएम शिंदे

कहा- भले ही पार्टी अलग, लेकिन हमारी आवाज और सुर एक

नागपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। शहर में खासदार सांस्कृतिक महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के प्रसिद्ध कलाकार हिस्सा ले रहे हैं। वहीं स्थानीय कलाकार भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां के स्थानीय लोगों के लिए यह कार्यक्रम एक बड़ा सांस्कृतिक पर्व जैसा बनता जा रहा है। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र की सीएम एकनाथ शिंदे भी शामिल हुए। उनके साथ उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य नेता भी शामिल रहे। वहीं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी यहां इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

राजनीतिक प्रदूषण कम कर रहे गडकरी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मजाक-मजाक में ही विपक्ष पर निशाना साधने का काम किया। उन्होंने कहा कि भले ही मैं और उपमुख्यमंत्री अलग-अलग पार्टी से हैं लेकिन हमारी आवाज और सुर एक ही हैं। उन्होंने कहा कि नागपुर के नितिन गडकरी और फडणवीस दोनों ही अच्छे कलाकार हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति में सभी असुर नहीं होते, कुछ सुर वाले अच्छे लोग भी होते हैं। साथ ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को लेकर उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रदूषण बढ़ गया है, लेकिन गडकरी जैसे नेता हल्की-फुल्की बातें करके राजनीति का प्रदूषण दूर करने की कोशिश कर रहे हैं।

क्या है खासदार सांस्कृतिक महोत्सव

बता दें कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की परिकल्पना के तहत नागपुर में खासदार सांस्कृतिक महोत्सव शुरू किया गया है। जानकारी दे दें कि गजानन महाराज राज्य के जाने-माने संत हुआ करते थे। संत गजानन महाराज साइ बाबा के समकालीन संत थे। जानकारी के मुताबिक, गजानन महाराज ने 8 सितंबर 1910 में समाधि ली थी। इनका अब विदर्भ के शेगाँव में विशाल मंदिर स्थित है। इस मंदिर में महाराष्ट्र के साथ-साथ पूरे भारत से भक्त उनके दर्शन के लिए पहुंचते हैं। महोत्सव की शुरुआत में ईश्वर देशमुख शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय के परिसर में 7800 किलो की खिचड़ी का महाप्रसाद तैयार किया गया था। इस मौके पर भी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मौजूद रहे।

मेक्सिको की महिला डीजे से मुंबई के शख्स ने किया कई बार रेप, ऑनलाइन हुई थी मुलाकात

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई में मेक्सिको की महिला से बलात्कार का मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस ने मेक्सिको की 31 वर्षीय एक महिला डिस्क जॉकी (डीजे) से बार-बार दुष्कर्म करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बांद्रा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह पीड़िता द्वारा आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद 35 वर्षीय आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि बलात्कार का आरोपी शख्स भी डीजे के रूप में काम करता है। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने 2019 से कई बार महिला से दुष्कर्म किया। अधिकारी ने बताया कि महिला फिलहाल मुंबई में रहती है और आरोपी उसका मैनेजर है।

बांग्लादेश में आया 5.6 तीव्रता का भूकंप

पश्चिम बंगाल में महसूस हुए झटके

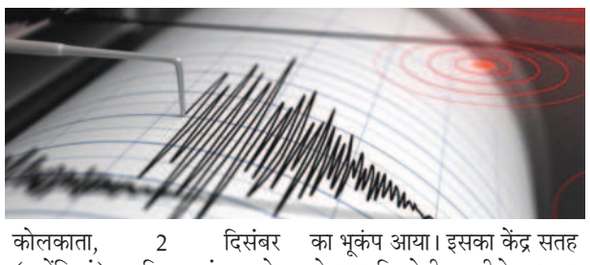

कोलकाता, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में शनिवार सुबह पड़ोसी बांग्लादेश में आए 5.6 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप सुबह करीब नौ बजकर पांच मिनट पर आया, जिसका केंद्र दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में 55 किलोमीटर गहराई में था। एनसीएस ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 02-12-2023 की सुबह भारतीय समयानुसार 09:05:31 पर बांग्लादेश और भारत में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र सतह से 55 किलोमीटर नीचे 23.15 डिग्री अक्षांश और 90.89 डिग्री देशांतर में था। पश्चिम बंगाल आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा कि फिलहाल राज्य में कहीं से किसी नुकसान की खबर नहीं मिली है। इस संबंध में एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "हमें अभी तक अंतिम रिपोर्ट नहीं मिली है। भूकंप से फिलहाल किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। कोलकाता पुलिस और कोलकाता नगर निगम के अधिकारियों ने भी कहा कि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

तिहाड़ जेल भर्ती घोटाला मामले में बड़ी कार्रवाई, 50 कर्मचारी संस्पेंड

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। डीएसएसबी भर्ती घोटाला मामले में शनिवार को बड़ी खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक तिहाड़ जेल भर्ती घोटाला मामले में अनियमितता सामने आने के बाद 50 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। तिहाड़ जेल के अधिकारियों के मुताबिक साल 2020 में डीएसएसएसबी के जरिए तिहाड़ में अलग-अलग पदों पर भर्तियां हुई थी। ये भर्तियां बॉयोमेट्रिक तरीके से हुई थी। जब डीएसएसबी ने बाद में वेरिफिकेशन की तो 50 कर्मचारियों का बॉयोमेट्रिक और फोटो मैच नहीं हुए थे। 30 नवंबर को सभी को 1 महीने का नोटिस देकर निलंबित कर दिया गया है। साल 2020 में तिहाड़ में 39 वार्डर, 9 एएस और 2 मैट्रन भर्ती हुए थे। बता दें कि साल 2020 के बाद तिहाड़ जेल सहित दिल्ली जेल विभाग में वार्डर और सहायक अधीक्षक रैंक पर डीएसएसएसबी द्वारा आयोजित परीक्षाओं के माध्यम से भर्तियां हुई थीं। जब उनके बायोमेट्रिक का मिलान भर्ती के समय संरक्षित डेटा के साथ किया गया तो 50 बेमेल मामलों का पता चला। इसके बाद तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने अंतरिम उपाय के रूप में सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के वेतन पर रोक लगा दी थी। इसके बाद विभागीय स्तर पर सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उस समय तिहाड़ जेल के महानिदेशक संदीप गोयल ने इस लापरवाही की पुष्टि की थी।

जांच में लापरवाही आई सामने

दरअसल, दिल्ली अधीनस्थ सेना चयन बोर्ड ने नवंबर के अंतिम सप्ताह में जेल विभाग में बायोमेट्रिक सत्यापन अभियान चलाया था। इस दौरान जेल में कई कर्मचारियों के साथ आधिकारियों का बायोमेट्रिक सत्यापन में मिलान नहीं हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए इन कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। अब इस मामले में अनियमितता सामने आने के बाद 50 कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया है।

गुजरात में डराने वाले हैं हार्ट अटैक के आंकड़े, छह माह में 1,052 मौतें, 80% 11-25 आयु वर्ग के थे

सूरत, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के शिक्षा मंत्री कुबेर डिंडोर ने शुक्रवार को कहा कि पिछले छह माह के दौरान राज्य में दिल का दौरा पड़ने से कुल 1,052 लोग जान गंवा चुके हैं, जिनमें से 80 फीसदी 11-25 आयु वर्ग के थे। डिंडोर ने बताया कि दिल का दौरा पड़ने के मामलों को देखते हुए लगभग दो लाख स्कूल शिक्षकों और कॉलेज प्राध्यापकों को 'कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन' (सीपीआर) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। डिंडोर ने गांधीनगर में संवाददातों से कहा, ''गुजरात में पिछले छह माह में दिल का दौरा पड़ने से 1,052 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से लगभग 80 फीसदी 11 से 25 वर्ष के थे और इन छात्रों और युवाओं में मोटापे की शिकायत भी नहीं थी। 108 नंबर एम्बुलेंस सेवा को हृदय रोग संबंधित 173 कॉल प्रति दिन औसतन प्राप्त होती हैं।'' उन्होंने बताया कि राज्य शिक्षा विभाग की नयी पहल के तहत लगभग दो लाख स्कूल और कॉलेज शिक्षकों को सीपीआर का प्रशिक्षण देने के लिए तीन से 17 दिसंबर के बीच 37 मेडिकल कॉलेज में शिविर आयोजित किए जाएंगे। डिंडोर ने कहा कि इन प्रशिक्षण शिविरों में लगभग 2,500 चिकित्सा विशेषज्ञ और चिकित्सक उपस्थित रहेंगे और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी दिये जाएंगे। सीने में दर्द या बेचैनी- अधिकांश दिल के दौरे में छाती के मध्य या बाईं ओर असुविधा होती है जो कुछ मिनटों से अधिक समय तक रहती है या दूर हो जाती है और वापस आ जाती है। असुविधा असहज दबाव या दर्द जैसी महसूस हो सकती है। जबड़े, गर्दन या पीठ में दर्द या बेचैनी। एक या दोनों भुजाओं या कंधों में दर्द या बेचैनी।

राज्यपाल ने कुलपतियों की नियुक्ति में

कुलाधिपति की भूमिका पर न्यायालय के फैसले का स्वागत किया

कोलकाता, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी।वी। आनंद बोस ने राज्य सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति में पदेन कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल की भूमिका पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत ने मामले में कुलाधिपति की कानूनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। उच्चतम न्यायालय ने केरल के कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति की पुनर्नियुक्ति से संबंधित एक मामले की सुनवाई में कहा कि कुलपतियों के चयन के मामले में राज्यपाल केवल नाममात्र के प्रमुख नहीं बल्कि वहीं एकमात्र चयनकर्ता हैं और उनकी राय सभी मामलों में अंतिम है। पदेन कुलाधिपति होने के नाते वह मंत्रिपरिषद की सलाह के तहत कार्य करने के लिए बाध्य नहीं है। बोस ने यहां शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, "उच्चतम न्यायालय ने कुलपतियों की नियुक्ति में कुलाधिपति की कानूनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। कुलपतियों की नियुक्ति का अधिकार कुलाधिपति के पास है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्य सरकार को विश्वविद्यालय प्रशासन से दूर रहना चाहिए, खासकर कुलपतियों की नियुक्ति के मामले में।

" राज्य सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर बोस और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच खींचतान चल रही है। उच्च शिक्षा विभाग का दावा है कि कुलपतियों की नियुक्ति के आदेश अवैध हैं क्योंकि राज्यपाल ने नियुक्तियों से पहले विभाग से परामर्श नहीं किया।

पश्चिम बंगाल में कुछ विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बर्खास्तगी का जिक्र करते हुए बोस ने कहा कि सरकार ने उचित प्रक्रिया का पालन नहीं करते हुए ये भर्तियां की थी। उन्होंने कहा, "मैंने उन्हें इस्तीफा देने का विकल्प दिया था और उनसे कहा था कि अगर आप इस्तीफा नहीं देते हैं तो कुलाधिपति होने के नाते मेरे पास आपको बर्खास्त करने का विकल्प है। लेकिन मैं इसमें प्रक्रिया का पालन करूंगा। मैं एक नोटिस दूंगा। कुछ वक्त बाद कुलपतियों ने एक साथ मुलाकात की और मुझे बताया कि वे इस्तीफा दे देंगे। शिक्षा मंत्री भी वहां पर थे।" बोस ने कहा कि वह राज्य सरकार के सुझाव के अनुसार कुलपतियों के कार्यकाल में विस्तार को मंजूरी प्रदान नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने कुलपतियों को योग्य नहीं पाया।

गुजरात में आयुर्वेदिक कफ सिरप पीने से 6 लोगों की मौत, 7 गिरफ्तार

सूरत, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात में कफ सिरप मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, इसके कारण खेड़ा में छह लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि कफ सिरप मामले को लेकर गुजरात के सूरत में सात जगहों पर छापेमारी की गई और कुल 2195 बोतलें जब्त की गई हैं। एसओजी सूरत के डीसीपी राजदीप नकुम ने कहा, खेड़ा में आयुर्वेदिक सिरप पीने से छह लोगों की मौत की घटना के बाद आयुर्वेदिक सिरप बेचने वालों को पकड़ने के लिए पूरे गुजरात में पुलिस तैनात की गई थी। इसके बाद सूरत पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप को बड़ी सफलता मिली है। सूरत पुलिस ने 2195 बोतलें जब्त की हैं। पुलिस अधिकारियों ने इस मामले में बताया कि गोदादरा में एक, कापोद्रा में दो, वराछा में दो, पूना में एक और अमरोली इलाके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

क्या सच साबित होंगे एग्जिट पोल

मध्य प्रदेश के लोगों को लेकर ये क्या बोल गए कमलनाथ

इंदौर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश समेत 4 राज्यों की वोटों की गिनती कल यानी 3 दिसंबर को होगी। इन पांच राज्यों में किसकी सरकार बनती है, इसका फैसला 3 दिसंबर के चुनावी रिजल्ट से साफ हो जाएगा। इसी बीच बीते गुरुवार यानी 30 नवंबर को एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आए हैं, जिस पर सभी की नजर टिकी हुई है। एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आने के बाद प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनती नजर आ रही है। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए एग्जिट पोल की भविष्यवाणियों पर मीडिया ने मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ से सवाल किया। इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि 'मुझे किसी भी (एग्जिट) पोल की परवाह नहीं है। मुझे मध्य प्रदेश की जनता पर भरोसा है।'

'झूठा माहौल' बना रहे एग्जिट पोल

इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता कमल नाथ ने शुक्रवार को भाजपा की जीत की भविष्यवाणी करने वाली एजेंसियों के एग्जिट पोल नतीजों पर सवाल उठाया और कहा कि वे 'झूठा माहौल' बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव हारेगी। उन्होंने कहा कि कुछ एग्जिट पोल एजेंसियां चुनाव अधिकारियों पर दबाव बनाना चाहती हैं। अपने एक्स सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो में उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को 3 दिसंबर को निष्पक्ष मतगणना सुनिश्चित करनी चाहिए।

क्या कहती है एग्जिट पोल?

बता दें कि कई एग्जिट पोल में बीजेपी की जीत की भविष्यवाणी की गई है। बीजेपी को 140-162 सीटें और कांग्रेस को 70-89 सीटें दीं। टुडेज चाणक्य ने कहा कि बीजेपी को 151 सीटें मिलेंगी और कांग्रेस को 74 सीटें मिलेंगी। अन्य एग्जिट पोल ने भी इसी तरह के नतीजों की भविष्यवाणी की है। इस बीच, सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बीजेपी राज्य में सत्ता बरकरार रखेगी। नतीजे 3 दिसंबर को घोषित होने की संभावना है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 3 दिसंबर, 2023 3

युविचार

कभी भी आपने आपको
किसी से ज्यादा,
और किसी से कम मत
समझो क्योंकि,
हर एक प्राणी में ईश्वर का बास है !

एक्विनो स्क्वाड्रन ने वायु सेना अकादमी डंडीगल में कमांडेंट का बैनर हासिल किया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वायु सेना अकादमी (एएफए), भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का प्रमुख प्रशिक्षण प्रतिष्ठान, आईएएफ की उड़ान और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं और तकनीकी अधिकारियों के कैडेटों के लिए प्रशिक्षण का उद्गम स्थल है। शरद ऋतु अवधि 2023 इस वर्ष जुलाई में शुरू हुई। अकादमी में शामिल होने के बाद फ्लाइट कैडेट्स को छह स्क्वाड्रन में बांटा गया है। सौहार्द, नेतृत्व और खेल कौशल की भावना को बढ़ावा देने के लिए, प्रशिक्षण अवधि के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। अंतर-स्क्वाड्रन ड्रिल प्रतियोगिता एएफए में प्रशिक्षण कार्यक्रम में इन प्रतियोगिताओं के समापन का प्रतीक है। फ्लाइट कैडेट्स ने अपनी स्मार्ट वर्दी में भारतीय वायुसेना बैंड द्वारा बजाई गई 'मार्शल' धुनों के साथ शानदार मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया। एयर मार्शल एस श्रीनिवास, विशिष्ट सेवा मेडल, कमांडेंट, एएफए ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की। एक्विनो स्क्वाड्रन ने इंटर-स्क्वाड्रन ड्रिल प्रतियोगिता के लिए विजेता ट्रॉफी जीती। खेल, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, क्रॉस कंट्री, ड्रिल और अकादमिक सहित विभिन्न अंतर-स्क्वाड्रन प्रतियोगिताओं में समग्र प्रदर्शन के आधार पर स्क्वाड्रन को 'कमांडेंट का बैनर' प्रदान किया जाता है, जो प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में आयोजित किए जाते हैं। वर्तमान कार्यकाल के दौरान फ्लाइट कैडेट विजेता स्क्वाड्रन को कहा जाता है। 'चैंपियन स्क्वाड्रन' और इस स्क्वाड्रन के कैडेटों को अगले सेमेस्टर के दौरान वर्दी के ऊपर दाहिने कंधे पर एक डोरी पहनने का विशेषाधिकार प्राप्त है। एक्विनो स्क्वाड्रन के कैडेटों के लिए यह बेहद गर्व और उपलब्धि की भावना का क्षण था जब एयर मार्शल एस श्रीनिवास, विशिष्ट सेवा मेडल, कमांडेंट, एएफए ने स्क्वाड्रन कैडेट एडजुटेंट प्राची शर्मा को ऑटम टर्म 2023 के लिए प्रतिष्ठित 'कमांडेंट बैनर' प्रदान किया। (एससीए)। यह बैनर 02 दिसंबर 2023 को एएफए, डंडीगल में आयोजित एक शानदार समारोह के दौरान प्रस्तुत किया गया था। स्क्वाड्रनों की सराहना करते हुए कमांडेंट ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि शारीरिक फिटनेस और मानसिक दृढ़ता सैन्य जीवन का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने सहनशक्ति और कठोरता के निर्माण पर जोर दिया, जो एक लड़ाकू बल की प्रमुख आवश्यकताएं हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं को युवा ग्रीनहॉर्न से प्रशिक्षित वायु योद्धाओं में बदलने और भारतीय वायुसेना के अधिकारियों के लिए आवश्यक उच्च मानकों को प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षकों की टीम द्वारा की गई कड़ी मेहनत की भी सराहना की।

यूओएच ने नया पेटेंट प्रदान किया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) को 'मल्टीफंक्शनल बोमन-बिर्क और कुनित्ज़ इनहिबिटर के पृथक्करण और शुद्धिकरण की विधि' नाम से एक नया पेटेंट प्रदान किया गया है। इसे स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के दो अनुसंधान वैज्ञानिकों की प्रयोगशालाओं में विकसित किया गया है: जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग के प्रोफेसर के. पद्मश्री और डॉ. एम.के. पशु जीव विज्ञान विभाग से अरुणाश्री मरियम्मा गुज्जरलापुडी और सुश्री भारती कोटार्य ने उनके मार्गदर्शन में प्रयोगों को करने में सक्रिय रूप से भाग लिया।

पेटेंट प्रौद्योगिकी की दो विशिष्ट विशेषताएं हैं। पहला है दो पादप प्रोटीनों बोमन-बिर्क और कुनित्ज़ अवरोधकों को अलग करना जो आम तौर पर पारंपरिक शुद्धिकरण विधियों का उपयोग करके अविभाज्य हैं और दूसरा हल्के टीसीए निष्कर्षण को लागू करके लगभग 10 दिनों से 24 घंटे तक उनके स्वतंत्र शुद्धिकरण के लिए आवश्यक समय प्राप्त करना है।

राचकोंडा सीपी ने तेलंगाना के युवा पर्वतारोही को बधाई दी

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा कमिश्नर डीएस चौहान ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के सबसे ऊंचे पर्वत कोशियास्को पर चढ़ने वाले तेलंगाना के युवा पर्वतारोही भुक्या यशवंत को बधाई दी। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के साथ, यशवंत ने माउंट पर रचाकोंडा कमिश्नर डीएस चौहान की तस्वीर प्रदर्शित की। यशवंत ने कहा कि राचकोंडा सीपी चौहान ने उन्हें पहाड़ों पर चढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और सीपी की प्रशंसा करते हुए अपनी तस्वीर प्रदर्शित की। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि पहाड़ पर चढ़ना बहुत ही चुनौतीपूर्ण और कठिन कार्य है। ऐसे क्षेत्र में महान उपलब्धियाँ हासिल करना बहुत गर्व की बात है। उनकी इच्छा थी कि वे निरंतर प्रयासों से विश्व के और भी प्रसिद्ध पर्वतों पर चढ़ें तथा देश और राज्य का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि वे और अधिक पहाड़ों पर चढ़ने के लिए हमेशा उनके साथ रहेंगे।

पद्मविभूषण जगतगुरु श्री रामभद्राचार्य का धर्म संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा ने किया था आयोजन

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा द्वारा पद्मविभूषण जगतगुरु श्री रामभद्राचार्य जी का धर्म संवाद कार्यक्रम जल विहार, नेकलेस रोड पर आयोजित किया गया। शाखा के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि जगतगुरु जी मध्याह्न को बेगमपेट हवाई अड्डे पर उतरकर सीधे कार्यक्रम स्थल तक पहुँचें। कार्यक्रम के मुख्य यजमान श्री शुभम् ज्वेलर्स के श्रीमती शशि एवं मुन्नालाल अग्रवाल थे। विज्ञापन प्रायोजक राधा टीएमटी तथा श्री आनंद मसाला भंडार थे। जगतगुरु ने अपने संबोधन में राम जन्म भूमि में राम मंदिर निर्माण की अदालत की कार्यवाही का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि उनके जन्म दिवस के अमृत महोत्सव के अवसर पर 14 जनवरी से 21 जनवरी तक 1008 कुडीय महायज्ञ अयोध्या में होने जा रहा है। महायज्ञ के लिए उन्होंने भाग्यनगर की धरा पर विराजमान सनातन धर्म के प्रेमियों से सहयोग माँगा तथा उनकों अयोध्या आने हेतु आह्वान किया तथा वहाँ ठहरने तथा भोजन का प्रबंध करने का आश्वासन दिया। उन्होंने उपस्थित सभी सज्जनों को आशीर्वाद प्रदान किया।

समारोह का संचालन बद्रीविशाल बंसल ने किया। जगतगुरु को मंच तक फूलों से लदे वाहनों में ले जाया गया तथा चरणों में पुष्प समर्पित किए गए। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा के अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष ताराचंद बंसल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, सहमंत्री कैलाश चंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष महेश कुमार डाकोतिया, सुरेंद्र गोयल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, मंसाराम अग्रवाल, प्रमोद कुमार आगरा वाले, महेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, कार्यक्रम के आयोजन समिति के सदस्य गण सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, मुकुंद लाल अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, बद्रीविशाल बंसल, प्रमोद कुमार सरायवाला, गोविंद शाह, जसमत पटेल, सुनील सराफ़, गोपाल मोर, पूर्व सांसद गिरीश संघी, करोड़ीमल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, डॉ. दिलीप कुमार पसारी, महावीर प्रसाद अग्रवाल, संजय पसारी, मोहन मित्तल, डॉ. मोहन गुप्ता, मुकेश अग्रवाल दिल्लीवाले, प्रवीण खंडेलवाल, सुरेश सिंघल, गोपाल चंद अग्रवाल, मोहन मित्तल, विनोद टिकमानी, अग्रवाल समाज के केंद्रीय समिति के सदस्य गण एवं विभिन्न संस्थाओं से कई महानुभाव उपस्थित थे एवं बहुत अधिक संख्या में महिलाएँ उपस्थित थी। कार्यक्रम के पश्चात् सभी उपस्थित महानुभाव में प्रसाद के डिब्बे वितरित किए गए।

एससीआर ने नवंबर में अब तक का सबसे अच्छा माल लदान और यात्री राजस्व दर्ज किया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने यात्री और माल ढुलाई दोनों क्षेत्रों में 2023 के दौरान किसी भी वित्तीय वर्ष में नवंबर महीने में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया।

जबकि ज़ोन ने 469.40 करोड़ रुपये का प्रारंभिक यात्री राजस्व दर्ज किया, इसने 11.573 मिलियन टन माल लदान और 1,131.13 करोड़ रुपये का माल ढुलाई राजस्व हासिल किया। यह किसी भी वित्तीय वर्ष में नवंबर महीने का अब तक का सर्वोच्च प्रदर्शन है।

एससीआर ने 64 विशेष ट्रेनें (342 यात्राएं) संचालित की हैं, जिसमें इस साल नवंबर में 3.39 लाख यात्रियों को इन ट्रेनों के माध्यम से ले जाया गया। इसके अलावा, जहां भी संभावना और मांग है, जोन लगातार ट्रेनों में अतिरिक्त कोच बढ़ा रहा है, जिससे अधिक संख्या में यात्रियों को ले जाया जा रहा है। यात्री राजस्व के मामले में, ज़ोन ने नवंबर 2023 में 469.40 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में सात प्रतिशत अधिक है जो लगभग 436.46 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही, ज़ोन मौजूदा यातायात को मजबूत करते हुए, यातायात की नई धाराओं और नए गंतव्यों को जोड़कर अपनी माल ढुलाई टोकरी को व्यापक बनाने पर भी महत्व दे रहा है। इसके परिणामस्वरूप जोन ने नवंबर महीने में 11.573 मीट्रिक टन माल ढुलाई करके अपना सर्वश्रेष्ठ माल लदान दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में माल लदान (10.479 मीट्रिक टन) से 10 प्रतिशत अधिक है।

डीजीपी ने मतगणना से पहले सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी अंजनी कुमार ने पुलिस अधिकारियों को रविवार को मतगणना के दौरान मतगणना केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बढ़ाने और सभी एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया है। डीजीपी ने शनिवार को सीपी और एसपी के साथ टेलीकांफ्रेंस की और मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने सुझाव दिया कि मतगणना केंद्रों के बाहर कड़ी निगरानी रखी जानी चाहिए और केंद्रों के अंदर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। अंजनी कुमार ने कहा, "अंतिम राउंड में उत्तेजना की संभावना होगी और पुलिस को उस समय अधिक सतर्क रहना चाहिए। मतगणना केंद्रों पर किसी को भी इकट्ठा होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और धरना के साथ-साथ अतिरिक्त बलों को तैयार रखा जाना चाहिए।" टेली कॉन्फ्रेंस के दौरान पुलिस अधिकारियों को मुख्य दलों के उम्मीदवारों के साथ समन्वय स्थापित करने और प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था तैयार करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि कि चुनाव व्यवस्था अब तक बिना किसी गड़बड़ी के संपन्न हुई है, अंजनी कुमार ने सीपी और एसपी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ये दो दिन और अधिक घटनापूर्ण हों और सुनिश्चित करें कि कोई कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हैदराबाद का दौरा करेंगी

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस महीने शहर का दौरा करेंगी और राष्ट्रपति निलयम, बोलारम, सिकंदराबाद में थोड़े समय के लिए रुकेंगी। यात्रा और प्रवास के मद्देनजर, राष्ट्रपति निलयम 11 से 25 दिसंबर तक आगंतुकों व जनता के लिए बंद रहेगा। एक प्रेस नोट के अनुसार, आगंतुकों व जनता से अनुरोध किया गया है कि वे इस अवधि के दौरान राष्ट्रपति निलयम का दौरा करने से बचें।

ईसीआई ने कर्मचारियों को भत्ता जारी करने की अनुमति दी

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने तेलंगाना सरकार के कर्मचारियों को महंगाई भत्ता (डीए) जारी करने की अनुमति दे दी है। जबकि कर्मचारियों के तीन डीए लंबित हैं, राज्य सरकार ने ईसीआई से एक डीए जारी करने की अनुमति देने की अपील की है। इस संबंध में राज्य सरकार और ईसीआई के बीच विचार-विमर्श किया गया। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से पूछा कि डीए के भुगतान में देरी क्यों हो रही है और वे कर्मचारियों को अब क्यों दे रहे हैं। चुनाव आयोग ने पिछले दिनों डीए के भुगतान के तरीकों के बारे में भी पूछताछ की थी। दूसरी ओर, कर्मचारी संघों ने भी डीए जारी करने की अनुमति देने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से ईसीआई को अपना अनुरोध भेजा है। सभी अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए, ईसीआई ने आखिरकार कर्मचारियों को डीए जारी करने की मंजूरी दे दी।

किशन रेड्डी को अमेरिकी राष्ट्रपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूनाइटेड स्टेट्स प्रेसिडेंशियल गोल्ड मेडलियन केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी को प्रदान किया गया। संयुक्त राज्य अमेरिका सहित दुनिया भर में पर्यटन, संस्कृति और भारत के अन्य पहलुओं को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट सेवाओं की मान्यता में जी. किशन रेड्डी को यूएसए के राष्ट्रपति जोसेफ बिडेन जूनियर द्वारा पदक प्रदान किया गया। उनके पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा देने में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का विकास भी शामिल है। यह पदक संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा दुनिया भर के उत्कृष्ट वैश्विक नेताओं और योगदानकर्ताओं को प्रदान किया गया था, और पहली बार यह पदक किसी भारतीय नेता को प्रदान किया जा रहा है।

चोरी की बाइकों के साथ दो किशोर समेत तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दुपिहिया वाहनों को चुराने के मामले में काचीगुड़ा पुलिस ने दो किशोरों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी किशोरों के साथ गव्वालापल्ली लक्ष्मण उर्फ राजू को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से चोरी की 14 बाइक बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार किशोरों का जन्म और पालन-पोषण मेदक जिले के मसाईपेट गांव में हुआ और वे दोनों रिश्तेदार हैं। वे बुरी बुरी आदतों के आदी थे और उन्हें अपनी आदतों के लिए पैसों की जरूरत थी, लेकिन जब उन्होंने अपने माता-पिता से पैसे मांगे तो उनके माता-पिता ने उन्हें पैसे नहीं दिए। दोनों ने किसी भी सामान की चोरी करने और अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए अवैध तरीके से आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाई गई थी। उनकी योजना के अनुसार दोनों हैदराबाद आकर हैदराबाद और आसपास के जिलों के विभिन्न स्थानों में दो महीने की अवधि में (14) दोपहिया वाहनों की चोरी की, जिसमें (3) वाहनों को बेच दिया गया। आरोपी गव्वालापल्ली लक्ष्मण उर्फ राजू, (2) वाहनों को को छुपाकर रखता थआ।

सीबीआई ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 12,000 रुपये की कथित रिश्वतखोरी में एक क्षेत्रीय अधिकारी, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, बेंगलुरु और दो निजी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। 15,000 रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में एक क्षेत्रीय अधिकारी, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, बैंगलोर और दो निजी व्यक्तियों सहित अन्य के खिलाफ शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। आगे आरोप लगाया गया कि बाद में आरोपी ने एक फिल्म के सिनेमा उप-शीर्षक से संबंधित छोटे मुद्दों को सुधारने के लिए क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा सेंसर प्रमाणपत्र जारी करने के लिए रिश्वत को घटाकर 12,000 रुपये कर दिया, जिसे शिकायतकर्ता द्वारा निर्देशित और निर्मित किया गया था। सीबीआई अधिकारियों ने जाल बिछाया और शिकायतकर्ता से 12,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए आरोपी को पकड़ लिया। क्षेत्रीय अधिकारी के परिसर पर तलाशी ली गई जिससे 3,00,000 रुपये की बरामदगी हुई। सभी गिरफ्तार आरोपियों को बेंगलुरु स्थित सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जा रहा है। एक अन्य मामले में, सीबीआई ने शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में पंजाब नेशनल बैंक, बदरपुर शाखा, करीमगंज (असम) के एक शाखा प्रबंधक को गिरफ्तार किया है। पंजाब नेशनल बैंक, बदरपुर शाखा, करीमगंज (असम) के एक शाखा प्रबंधक के खिलाफ रिश्वत मांगने के आरोप में एक शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। यह आरोप लगाया गया था कि प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत कछार टेक्सटाइल, करीमगंज (असम) के पास कलैरबोंड बदरपुर घाट में मिनरल वाटर प्लांट की स्थापना के संबंध में बैंक द्वारा 9,46,200 रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया था और एक राशि भी दी गई थी। शिकायतकर्ता की सहमति के बिना कार्यशील पूंजी से 1,28,000 रुपये टीडीआर खाते में स्थानांतरित कर दिए गए। यह भी आरोप लगाया गया कि शाखा प्रबंधक ने शिकायतकर्ता से 1.28 लाख रुपये की टीडीआर जारी करने और पहले स्वीकृत ऋण के लिए 60,000 रुपये की रिश्वत की मांग की। यह भी आरोप लगाया गया कि बाद में बातचीत करने पर आरोपी ने रिश्वत की रकम घटाकर 50,000 रुपये कर दी। सीबीआई ने जाल बिछाया और आरोपी को15,000 रुपये की रिश्वत की पहली किस्त मांगते और स्वीकार करते हुए पकड़ लिया।

टीएससीएस हैदराबाद में थैलेसीमिया रोकथाम कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) हैदराबाद ने शनिवार को यहां ग्रीस के साइप्रस मेडिकल स्कूल विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिमित्रियोस फ़ार्माकिस द्वारा थैलेसीमिया रोकथाम कार्यक्रम की मेजबानी की। कार्यक्रम में डॉ. फ़ार्माकिस द्वारा बी -थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया हृदय रोग की जटिलताओं पर एक प्रस्तुति दी गई। उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक पैनल चर्चा भी की। मैं इस अविश्वसनीय क्षण का हिस्सा बनकर खुश हूं, जहां थैलेसीमिया के उन्मूलन पर चर्चा करने के लिए सभी विशेषज्ञ एकत्र हुए हैं।

टीएससीएस बहुत अच्छा काम कर रहा है जिसकी बहुत सराहना की जाती है और यहां की टीम को थैलेसीमिया उन्मूलन के अपने लक्ष्य तक पहुंचना चाहिए। हम निश्चित रूप से थैलेसीमिया मुक्त देश बनाने के लिए निवारक उपाय करने में मदद करेंगे। डॉ. दिमित्रियोस फ़ार्माकिस ने कहा कि वह थैलेसीमिया इंटरनेशनल फेडरेशन (टीआईएफ) को टीएससीएस के साथ हाथ मिलाने की सलाह देंगे ताकि वे मिलकर थैलेसीमिया की रोकथाम में चमत्कार कर सकें।

CLASSIFIEDS

चाहिए ड्राईवस

एमकेआर कम्पनि के लिए ड्राईवर्स 4+3 व्हीलर्स लड़के चाहिए, फिल्ड वर्क करने के लिए लड़के चाहिए। सैलरी 12हजार से 14 हजार रुपये, रहना खाना मुफ्त, उम्र 35 वर्ष के भीतर, सिकन्दराबाद
फ़ोन : 7989856361, 040--27503331

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पुराने शहर में धांधली: कांग्रेस नेताओं ने सीईओ से की मुलाकात

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष जी. निरंजन ने आज कहा कि पीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी विकास राज से मुलाकात की और धांधली और फर्जीवाड़े के बारे में बताया। चुनाव के दिन हैदराबाद के पुराने शहर में चंद्रयानगुट्टा, चारमीनार और बहादुरपुरा विधानसभा क्षेत्रों में मजलिस पार्टी द्वारा मतदान किया गया। उन्होंने मांग की कि वोटों की गिनती वेब कास्ट और सीसी फुटेज की पूरी जांच के बाद ही की जाए।

कॉलेज में बैडमिंटन खेलते समय अचानक बेहोश हुई छात्रा, अस्पताल पहुंचने से पहले हुई मौत

गोरखपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। डीएवी पीजी कालेज परिसर में बैडमिंटन खेलते-खेलते अचानक एक छात्रा बेहोश हो गई। उसे बेहोश मानकर छात्र जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलने के बाद कालेज के प्राचार्य शैल पांडेय ने पुलिस को जानकारी दी तो कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रों ने कालेज प्रशासन पर मामले को संवेदनशीलता से नहीं लेने का आरोप लगाया है। कुशीनगर जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के मुंडेरा सुकरौली गांव के मूल निवासी और वर्तमान में शहर में गीता वाटिका के पास रहने वाले राजेश मिश्रा की पुत्री गौरी मिश्रा डीएवी कालेज में बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। वही दोपहर में जब बैडमिंटन खेलने के दौरान बेहोश हो गई तो मौजूद विद्यार्थियों ने शोर मचाया।

राजद ने शुरू करवाया ऐसा सर्वेक्षण

जो इंडिया गठबंधन में मचा सकती है खलबली! क्या जदयू को लगेगा झटका?

पटना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल ने बिहार में सभी 40 लोकसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन में शामिल दलों की स्थिति जानने के लिए सर्वेक्षण शुरू करवाया है। यह सर्वेक्षण इस बात को लेकर किया जा रहा है कि गठबंधन में शामिल जदयू, कांग्रेस राजद और लेफ्ट में किन-किन सीटों से किस पार्टी को लड़ना रहना चाहिए। सर्वेक्षण के लिए बाकायदा एक एजेंसी को जिम्मेवारी सौपी गई है। सर्वेक्षण के दौरान जाति गणना, पिछड़े वर्ग के लिए बढ़ाया गया आरक्षण पर भी फीड बैक लिया जा रहा है। यह माना जा रहा है कि कुछ दिनों में सर्वेक्षण पूरा कर इसकी रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। राष्ट्रीय जनता दल के सूत्रों की मानें तो कुछ हफ्ते पहले शुरू हुआ सर्वेक्षण दो स्तरों पर किया जा रहा है। सर्वेक्षण का

जिम्मा एक स्वतंत्र एजेंसी को दिया गया है। इस सर्वेक्षण के माध्यम से पार्टी या जानने की कोशिश कर रही है कि किस सीट पर उसकी स्थिति कैसी है। खासकर उन सीटों पर जहां पार्टी का पहले से बड़ा वोट बैंक है। दूसरे स्तर पर यह सर्वेक्षण जिला स्तर पर पार्टी के अपने नेताओं द्वारा किया जा रहा है। इसमें इस बात की जानकारी ली जा रही है कि जातीय सर्वेक्षण के अलावा पिछड़े और दलितों के लिए आरक्षण सीमा को 65% तक बढ़ाये जाने के बारे में लोगों की क्या सोच है।

इसी महीने सर्वेक्षण को अंतिम रूप

सूत्रों के अनुसार, पार्टी के स्थानीय नेता इस बात को भी जानने की कोशिश कर रहे हैं कि किस इलाके में कौन सी पार्टी अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। यह भी जानने की कोशिश हो रही है कि प्रत्याशी किसी भी दल का उतरे तो उसका आकलन वाटर करेंगे या नहीं। इसके साथ ही जातीय आरक्षण पर फीडबैक भी नेता ले रहे हैं। कहा जा रहा है कि सर्वेक्षण रिपोर्ट को दिसंबर में ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

गठबंधन दलों की सियासी जमीन जानना मकसद

सूत्रों की मानें तो सर्वेक्षण के दौरान यह भी पता लगाया जा रहा है कि अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में किस पार्टी को मैदान में उतारा जाना चाहिए। किस पार्टी का कहां पर अच्छा जनाधार है यह भी पता किया जा रहा है। गठबंधन सहयोगियों और विपक्षी दलों के मौजूदा सांसदों के बारे में भी फीडबैक इकट्ठा किया जा रहा है। वैसे बिहार की 40 में से कोई सीट राजद के पास नहीं है जबकि बिहार जदयू के पास 16 सांसद हैं। कांग्रेस का भी पहले से एक सांसद है।

3 दिसंबर के बाद जोर-शोर से होगा काम

पार्टी द्वारा कराए जा रहे हैं सर्वेक्षण का उद्देश्य न केवल पार्टी किसी की जीतने की संभावना के बारे में फीडबैक लेना है, बल्कि जदयू कांग्रेस और लेफ्ट जैसे सहयोगियों के साथ बातचीत के लिए एजेंडा भी सामने रखना है। दरअसल, इंडिया गठबंधन के जो सहयोगी पिछले कुछ दिनों से सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। हालांकि, बीच में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के कारण यह प्रक्रिया लगभग रुक सी गई थी। माना यह जा रहा है कि दिसंबर में 3 तारीख के नतीजे आने के बाद सीट बंटवारे पर बातचीत जोर पकड़ने लगेगी।

दरभंगा एम्स की जमीन को लेकर बड़ा अपडेट

नीतीश सरकार उठाने जा रही ये कदम

पटना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दरभंगा के शोभन में प्रस्तावित बिहार के दूसरे एम्स के लिए पूर्व में 150 एकड़ जमीन अधिग्रहण के बाद राज्य सरकार और 36.27 एकड़ जमीन का अधिग्रहण करेगी। हालांकि जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव पूर्व में स्वीकृत हो चुका है, अब सरकार ने इस मद में राशि जारी करने की स्वीकृति दी है।

समझिए कैसे हो रहा जमीन अधिग्रहण

जमीन अधिग्रहण के लिए वर्ष 2022-23 में कुल 14 करोड़ 26 लाख 23 हजार की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इसके आलोक में वित्तीय वर्ष 2023-24 में जमीन अधिग्रहण के लिए 10.09 करोड़ खर्च की स्वीकृति दी गई है। राज्य में दूसरे एम्स की स्थापना को लेकर नवंबर 2021 में राज्य मंत्रिमंडल ने प्रस्ताव स्वीकृत किया था। वैकल्पिक भूखंड बहादुरपुर अंचल के एकमी-शोभन बाइपास सड़क के किनारे अवस्थित है। प्रस्तावित भूखंड के तहत बिहार सरकार के नाम से खतियानी रकवा के अनुसार कुल 152 एकड़ 67 डिसिमल जमीन है। यह जमीन राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से अंतर विभागीय हस्तांतरण की गई है। विभाग के सूत्रों ने बताया अतिरिक्त अधिग्रहित जमीन पर सरकार की योजना पार्किंग के अलावा, कैंटीन व अन्य आधारभूत संरचना निर्माण की है।

ये तो शर्मनाक है !160 की स्पीड से दौड़ रही वंदे भारत पर फिर पथराव

आगरा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मेड इन इंडिया वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थरबाजी की घटनाएं थम नहीं रही हैं। इस बार मथुरा में 160 किमी की स्पीड से दौड़ रही वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी हुई है। जिससे सवार यात्री सहम गए। पत्थरबाजी में ट्रेन की खिड़कियों के शीशे और लुकिंग ग्लास चटक गए। गनीमत यह रही कि एक भी यात्री चोटिल नहीं हुआ है। पत्थरबाजी की जांच के लिए आरपीएफ की एक टीम भोपाल भेजी गई है। जो ट्रेन के सीसीटीवी चेक करेगी। इसके साथ ही आरपीएफ ने अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक वंदे भारत एक्सप्रेस शुक्रवार शाम अपने निर्धारित समय पर हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से भोपाल के लिए रवाना हुई थी। जब ट्रेन मथुरा के भूतेश्वर स्टेशन और मथुरा कैंट स्टेशन के मध्य 160 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ रही थी। तभी शाम करीब 4:10 बजे किमी नंबर 1398/13 पर वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थर फेंके गए। अधिकांश पत्थर इंजन के लुकिंग ग्लास और कोच नंबर सी-12 की खिड़कियों में लगे। इंजन में पत्थर लगने से लोको पायलट ने किसी तरीके से गति को नियंत्रित की और ट्रेन को मथुरा जंक्शन के सिग्नल पर रोका। करीब 15 मिनट तक वंदे भारत एक्सप्रेस यहां पर खड़ी रही। पत्थर लगाने से लुकिंग ग्लास और कोच की खिड़कियों के शीशे चटक गए। इसके बाद जब वंदे भारत एक्सप्रेस आगरा कैंट स्टेशन पहुंची तो यहां पर जांच की गई। आरपीएफ के सीनियर कमांडेंट अनुभव जैन ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थर फेंके जाने की घटना मथुरा में हुई है। इस मामले में अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। इस घटना की छानबीन के लिए आरपीएफ की एक टीम को भोपाल रेल मंडल भेजी गई है। जो वंदे भारत एक्सप्रेस में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग देखकर जांच की जाएगी। जिससे पत्थरबाजी करने की घटना का पता चले। बता दें कि पीएम मोदी ने एक अप्रैल-2023 को भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन भोपाल से हजरत निजामुद्दीन के मध्य वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

तृतीय चरण की शिक्षक भर्ती तक हजारों युवाओं की खत्म हो जाएगी उम्र सीमा- सुशील मोदी

पटना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में आगामी चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है,पक्ष विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। इसी क्रम में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री, भाजपा से राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के खाली रह गए पदों पर नियुक्ति के लिए पूरक परिणाम जारी करने चाहिए। बीपीएससी को 4 हज़ार 700 की बजाय 40 हज़ार से ज़्यादा पदों के लिए पूरक परिणाम जारी करना चाहिए, ताकि अभ्यर्थियों को नियुक्ति के लिए तीसरे चरण का इतज़ार नहीं करना पड़े। अगर तीसरे चरण के लिए एग्ज़ाम लिया गया तो, हज़ारो युवाओं की उम्र सीमा उस वक्त तक ख़त्म हो जाएगी। सुशील मोदी ने कहा कि सरकार ने भले ही शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के पहले चरण में 1 लाख 22 हज़ार के करीब नियुक्ति पत्र बांटने का क्रेडिया लिया, लेकिन हक़ीक़त में सिर्फ़ 88 हज़ार शिक्षकों ने योगदान दिया। इन शिक्षकों में भी बिहार के सिर्फ 40 हज़ार ही युवा हैं। बीपीएसी पास अभ्यर्थियों में 32 हज़ार 336 चयनित शिक्षकों ने योगदान नहीं दिया। बीपीएसी परीक्षा पास करने के बाद जिन 28 हज़ार 800 नियोजित शिक्षकों को नियुक्ति मिली, उनके पद भी खाली हो जाएंगे। इस तरह 41 हजार 136 पदों पर नियुक्ति की ज़रूरत होगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने शिक्षा विभाग में अराजकता फैला दी है। नियम और मान्य प्रक्रिया उनके लिए कोई मायने नहीं रखती है।

ये जिला कैदियों को सजा दिलाने में सबसे आगे

टॉप 10 शहरों की लिस्ट जारी, स्पीडी ट्रायल से 6594 को दंड

पटना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। हत्या, दुष्कर्म, अपहरण, डकैती, लूट जैसे जघन्य अपराधों में इस साल के शुरुआती नौ माह में स्पीडी ट्रायल से साढ़े छह हजार से अधिक अपराधियों को सजा सुनाई गई है। पुलिस मुख्यालय के एडीजी जितेंद्र सिंह गंगवार ने शुक्रवार को बताया कि जनवरी से सितंबर माह के बीच 4518 कांडों में 6594 अपराधियों को स्पीडी ट्रायल के जरिए दोषसिद्ध करार दिया गया है। पुलिस मुख्यालय के आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष दो अभियुक्तों को फांसी, जबकि 738 अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा 553 अभियुक्तों को दस वर्ष या उससे अधिक की सजा मिली है। इसके अलावा 1374 अभियुक्तों को दस वर्ष से कम और 3359 अपराधियों को को दो वर्ष से कम की सजा सुनाई गई है।

हत्या और पॉक्सो कांड में सबसे अधिक सजा

स्पीडी ट्रायल के जरिए सबसे अधिक पॉक्सो और हत्या जैसे गंभीर कांडों में अपराधियों को सजा सुनाई गई है। पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत दर्ज 587 कांडों में 712 अपराधियों को, जबकि हत्या के 316 कांडों में 708 अपराधियों को कोर्ट से दंड मिला है। इसके अलावा आर्म्स एक्ट के 265 कांडों में 333, दुष्कर्म के 157 कांडों में 190 और अनुसूचित जाति-जनजाति अधिनियम के 96 कांडों में 117 अपराधियों को दोष सिद्ध करार दिया गया है।

स्पीडी ट्रायल में क्या है हाल

स्पीडी ट्रायल के जरिए अपहरण के 37 कांडों में 49, लूट के 39 कांडों में 56, डकैती के सात कांडों में सात को सजा मिली है। इसके अलावा 3014 विविध कांडों में 4422 अपराधियों को भी सजा मिली है।

विधानमंडल सत्र में ओपी राजभर बोले- सपा ने तलाक भेजा और मैंने किया कबूल

लखनऊ, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। विधान सभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान भाजपा से गठबंधन कर चुके सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि आपने मुझे तलाक भेजा और मैंने कबूल कर लिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के साथी अब पीडीए-पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) कर रहे हैं, लेकिन जब सत्ता में थे तब इन्हें पीडीए याद नहीं आया। जातिवार जनगणना याद नहीं आई। चार बार की सपा सरकार में एक बार सदन में जातिवार जनगणना पर चर्चा नहीं हुई। राजभर जब सपा के साथ था, तब इनको जातिवार जनगणना समझ में आया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की तरफ देखकर राजभर ने कहा कि सपा के कारण ही प्रदेश के 38 प्रतिशत अति पिछड़े आज भाजपा के साथ खड़े हैं, इसलिए केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार है। ओपी राजभर ने सपा सदस्यों की तरफ इशारा करते हुए कहा कि आप गठबंधन करोगे तो दलबदलू नहीं कहे जाओगे, हम करेंगे तो दलबदलू कहलाएंगे। हम छोटी जाति के हैं और कमजोर लोग हैं। राजभर ने भाषण की शुरुआत से ही सपा को निशाने पर रखा।

उन्होंने कहा कि विपक्ष को वित्त मंत्री का धन्यवाद करना चाहिए जिन्होंने बिना मांगे अनुपूरक बजट में छात्रवृत्ति के लिए 300 करोड़ रुपये दिए हैं। पहले की सरकार में सभी बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं मिल पाती थी।

अब अनुपूरक बजट से पिछड़ी जाति के सभी बच्चों को छात्रवृत्ति मिलेगी। इनके बाद जब अखिलेश बोलने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने सबसे पहले राजभर पर चुटकी ली और कहा कि इस सरकार ने कुछ लोगों को लालीपाप देकर 'फिल इन द ब्लैंक्स' के रूप में बैठाया हुआ है।

बनियान पहन थाना प्रभारी ने की जनसुनवाई, पास में बैठी थी महिला आरक्षी, फोटो वायरल; अब हुआ एक्शन

कानपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर के रेऊना थाने में बनियान पहनकर कुर्सी पर बैठकर जनसुनवाई करना थाना प्रभारी श्रवण कुमार तिवारी को भारी पड़ गया। फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस कमिश्नर ने उन्हें लाइन हाजिर कर दिया। हालांकि, थाना प्रभारी ने अपने पक्ष में सफाई पेश की, लेकिन अधिकारियों ने इसे विभागीय मर्यादा का उल्लंघन बताते हुए कार्रवाई कर दी। शुक्रवार को थाना प्रभारी श्रवण कुमार थाने में बनियान पहने कुर्सी पर बैठकर जनसुनवाई कर रहे थे। किसी ने उनका यह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। लोगों ने तमाम तरह के नकारात्मक कमेंट्स करने शुरू कर दिए।

लोकसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे पर एक हुए अखिलेश-मायावती

केंद्र से की बड़ी मांग, बढ़ सकती है बीजेपी की मुश्किल

लखनऊ, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सुर से सुर मिलाया है. सपा प्रमुख जिस मुद्दे को लेकर बीते दिनों यूपी की विधानसभा के शीताकालीन सत्र में मुखर थे, अब उस पर मायावती ने भी केंद्र से मांग की है. मायावती की इस मांग से लोकसभा चुनाव के पहले यूपी में भारतीय जनता पार्टी की टेंशन बढ़ सकती है. बिहार के बाद अब यूपी में भी जातीय सर्वे की मांग उठ रही है. इसको लेकर बीते दिनों सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी यूपी विधानसभा में यही मांग रखी. अब इस पर मायावती ने भी प्रतिक्रिया दी है. सोशल मीडिया एक्स पर तीन पोस्ट्स में मायावती ने केंद्र से मांग रखी है.

केंद्र सरकार उठाए कदम- मायावती

मायावती ने कहा कि संसद के आगामी 4 दिसम्बर से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र से पहले आज सर्वदलीय बैठक में बीएसपी द्वारा सरकार से देश में जातीय जनगणना कराए जाने की मांग पुनः की गयी. अब जबकि इसकी मांग देश के कोने-कोने से उठ रही है, केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में अविलम्ब सकारात्मक कदम उठाना जरूरी है. बसपा चीफ ने लिखा- महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, बदहाल सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था से त्रस्त व जातिवादी शोषण-अत्याचार से पीड़ित देश के लोगों में जातीय जनगणना के प्रति जो अभूतपूर्व रुचि/जागरूकता है

वह भाजपा की नींद उड़ाए है तथा कांग्रेस अपने अपराधों पर पर्दा डालने में व्यस्त है. उन्होंने लिखा- वैसे विभिन्न राज्य सरकारें 'सामाजिक न्याय' की दुहाई देकर आधे-अधूरे मन से जातीय जनगणना कराकर जनभावना को काफी हद तक साधने का प्रयास कर रही हैं, किन्तु इसका सही समाधान तभी संभव है जब केन्द्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर सही जातीय जनगणना कराकर लोगों को उनका हक देना सुनिश्चित करेगी.

सपा एमएलए की पिस्टल और रायफल का लाइसेंस निरस्त

कानपुर में सोलंकी परिवार के पास है हथियारों का जखीरा

कानपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर से सपा विधायक इरफान सोलंकी की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को सपा विधायक इरफान सोलंकी की रायफल और पिस्टल का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया। डीएम कोर्ट में शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने को लेकर सुनवाई हुई। इसमें लाइसेंस निरस्त करने का फैसला लिया गया। इरफान सोलंकी के जाजमऊ आगजनी मामले की सुनवाई अंतिम दौर में चल रही है। वहीं, इरफान सोलंकी महाराजगंज जेल में और उनके भाई रिजवान सोलंकी कानपुर जेल में बंद हैं। सपा विधायक इरफान सोलंकी पर विवादित प्लाट पर बनी झोपड़ी में आग लगाने, फर्जी आधार कार्ड से हवाई यात्रा करने, बांग्लादेशी नागरिक को प्रमाण पत्र देने, रंगदारी मांगने, मोरंग कारोबारी की 400 गज जमीन पर कब्जा करने, पुलिस से अभद्रता करने समेत गैंगेस्टर की कार्रवाई की गई है। पिछले एक साल में इरफान सोलंकी पर 6 मुकदमे दर्ज हुए हैं। इसके साथ ही इरफान पर मुकदमों संख्या बढ़कर 17 हो गई है। सपा विधायक और उनके करीबियों की लगभग 200 करोड़ की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। इसके साथ ही

इरफान सोलंकी की पिस्टल और रायफल का लाइसेंस निरस्त किया जा चुका है। इरफान महाराजगंज जेल में बंद हैं।

विधायक का आपराधिक इतिहास

सपा विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी ने बीते 17 जुलाई 2023 को अधिवक्ता शिवाकांत दीक्षित के साथ जाजमऊ थाने में रायफल सरेंडर कर दिया था। लाइसेंस निरस्त करने की मुख्य वजह उनका आपराधिक इतिहास को माना गया है। पुलिस ने फरवरी 2023 में सपा विधायक और उनके परिवारिक सदस्यों के शस्त्र लाइसेंस का रेकॉर्ड खंगाले थे। पुलिस का कहना था कि जिनका भी आपराधिक इतिहास है, उसके शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक सपा विधायक इरफान सोलंकी ने 2003 में पिस्टल, 2004 में रायफल और का लाइसेंस बनवाया था। वहीं रिजवान सोलंकी के पास एक रिवॉल्वर और रायफल का लाइसेंस हैं।

सोलंकी परिवार के पास हैं 15 शस्त्र लाइसेंस

सपा विधायक इरफान सोलंकी के परिवार में लगभग सभी के पास शस्त्र लाइसेंस हैं। सपा विधायक इरफान सोलंकी के पास 3 शस्त्र लाइसेंस हैं। वहीं पत्नी, मां, भाई इमरान और फरहान के पास एक-एक रिवाल्वर के लाइसेंस हैं। वहीं रिजवान के पास दो शस्त्र लाइसेंस हैं। इसके साथ ही भाई अरशद और इमरान के पास एक-एक पिस्टल के लाइसेंस हैं। विधायक के चाचा इस्लाम के पास एक रिवाल्वर और डबल बैरल बंदूक का लाइसेंस है। वहीं चचेरे भाई रेहान के पास डबल बैरल बंदूक और रायफल का लाइसेंस है।

गाजियाबाद में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

स्पा सेंटर में पुलिस की रेड, पकड़े गए 59 युवक-युवतियां

गाजियाबाद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने स्पा सेंटरों की आड़ में चल रहे जिस्मफरोशी के धंधे का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 6 स्पा सेंटर पर छापा मार कर 59 युवक और युवतियों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा है। आरोपियों की संख्या ज्यादा होने पर थाने ले जाने के लिए बस भी बुलानी पड़ी। पुलिस ने ये कार्रवाई इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के आदित्य मॉल और हंस प्लाजा में की है। गाजियाबाद पुलिस जिस्मफरोशी के धंधे में जुटे और लोगों की जानकारी और जांच पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि इंदिरापुरम इलाके में चल रहे कुछ स्पा सेंटरों में अवैध रूप से जिस्मफरोशी का धंधा चल रहा है। सूचना के बाद पुलिस ने शुक्रवार को छापेमारी की और दो स्पा सेंटरों के मालिक और

चार मैनेजर को हिरासत में ले लिया। इसके साथ ही पुलिस ने 15 लड़कियों को हिरासत में लिया है

6 स्पा सेंटर को बंद कराया गया

छापेमारी के बाद एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार की देर शाम को छापेमारी की गई थी। छापेमारी के दौरान स्पा सेंटर से मिली लड़कियों की तरफ से मुकदमा दर्ज कराया गया है। उनका कहना है कि उनसे यह काम जबरन कराया जा रहा था। पुलिस को स्पा सेंटर से आपत्तिजनक वस्तुएं भी मिली हैं।

लड़कियों को किया जा रहा था ब्लैकमेल

एसीपी ने बताया कि आदित्य माल में स्पा सेंटर की आड़ में जो धंधा चल रहा था। इस मामले में कार्यवाही करते हुए छापेमारी के दौरान पुलिस की टीम ने कल 6 स्पा सेंटर पर छापेमारी की है। छापेमारी के दोरान 44 महिला और 15 पुरुष आपत्तिजनक हालत में मिले थे। जांच पड़ताल में पता चला कि इन महिलाओं को स्पा के मालिक ओमप्रकाश, जितेंद्र कुमार, दीपक कुमार, निशा, दीपक शर्मा और ललित भाटी ने ब्लैकमेल करके गलत काम करने के लिए मजबूर किया था। अब इन स्पा सेंटर को बंद कर कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पहले हुई छापेमारी में बरामद की गईं 60 लड़कियां

बता दें कि पुलिस ने पहले भी इंदिरापुरम इलाके में ऐसी ही छापेमारी की थी। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के पैसिफिक मॉल से 24 मई 2023 को पुलिस ने स्पा सेंटर पर छापेमारी कर 60 लड़कियों और 39 युवकों को हिरासत में लिया था। छापेमारी के दौरान सभी स्पा सेंटरों के मैनेजर और मालिक को भी गिरफ्तार किया गया था। जिन्हें देह व्यापार अधिनियम के अनुसार जेल भेजा गया था।

मनी लॉन्ड्रिंग केस

250 करोड़ के फर्जीवाड़े में बैंक के पूर्व चेयरमैन समेत 2 गिरफ्तार, 187 करोड़ की नकदी जब्त

जम्मू, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 250 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जम्मू-कश्मीर को-आपरेटिव बैंक के पूर्व चैयरमेन मोहम्मद शफी डार समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दूसरे शख्स की शिनाख्त फर्जी फर्म रिवर झेलम को-ऑपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसाइटी के अध्यक्ष मोहम्मद हिलाल ए मीर के रूप में हुई है। इससे पहले ईडी ने वीरवार को डार के आवास सहित 26 जगहों पर ईडी ने छापे मार कर आपत्तिजनक साक्ष्य बरामद हुए थे। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में धोखाधड़ी फर्जी संस्था रिवर झेलम कोऑपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसाइटी के नाम पर की गई थी। मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एजेंसी को तलाशी और जब्ती के लिए श्रीनगर में ईडी ने छापे भी मारे थे। अगस्त 2020 में जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों के लिए मीर, डार और अन्य के खिलाफ मामले में आरोप पत्र दायर किया था। मीर ने को-ऑपरेटिव समितियों के प्रशासन विभाग के सचिव सहकारी समितियों को एक आवेदन दिया था, जिसमें श्रीनगर के बाहरी इलाके में 37.15 एकड़ भूमि का कब्जा लेने के लिए 300 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने के लिए जम्मू-कश्मीर को-ऑपरेटिव बैंक को निर्देश देने की मांग की गई थी। जम्मू-कश्मीर को-ऑपरेटिव बैंक के साथ सहयोग के लिए आवेदन को को-ऑपरेटिव समितियों, जम्मू और कश्मीर के रजिस्ट्रार को अनुमोदित किया गया था। एसीबी ने जांच में पाया कि श्रीनगर में जेएंडके को-ऑपरेटिव बैंक ने किसी भी औपचारिकताओं का पालन किए बिना 223 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया।

अब तक 187 करोड़ रुपये की राशि जब्त

जांच से पता चला कि रिवर झेलम कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी को को-ऑपरेटिव समितियों के रजिस्ट्रार के साथ पंजीकृत भी नहीं किया गया था। मीर ने डार और अन्य के साथ मिलकर सोसायटी के नाम पर एक फर्जी और काल्पनिक पंजीकरण प्रमाण पत्र तैयार किया था और ऋण की मंजूरी का प्रबंधन किया था। यह पाया गया कि ऋण राशि भूमि मालिकों के खातों में वितरित की गई थी, लेकिन भूमि बैंक के पास गिरवी नहीं रखी गई थी। इसके अलावा एसीबी द्वारा की गई जांच 223 करोड़ रुपये की हेराफेरी का खुलासा करने में सफल रही अधिकारियों ने बताया कि ब्यूरो ने अब तक 187 करोड़ रुपये की राशि भी जब्त कर ली है।

कैलाश विजयवर्गीय को बीजेपी की जीत का भरोसा, बोले- मध्य प्रदेश ही नहीं, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी बनेगी सरकार

भोपाल, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना का इंतजार समाप्त होने वाला है। रविवार को तस्वीर साफ हो जाएगी कि कहां पर किसकी सरकार बन रही है। हालांकि, भाजपा-कांग्रेस अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही है। इस बीच, भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय का शनिवार को बयान सामने आया। इस बयान में उन्होंने तीनों हिंदी पट्टी राज्यों में भाजपा की सरकार बनने का दावा किया। भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने सर्वेक्षण से जुड़े सवाल का जवाब दिया। उन्होंने दावा किया कि । जमीन पर जो सर्वेक्षण हुए हैं, उनमें साफ तौर पर कहा गया कि भाजपा न केवल मध्य प्रदेश में बल्कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी सरकार बनाएगी।

सिविल जज भर्ती परीक्षा में ओबीसी कैटेगरी को हाई कोर्ट से मिली बड़ी राहत, मिलेगी पात्रता अंकों की छूट

भोपाल, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। एमपी हाईकोर्ट ने सिविल जज भर्ती परीक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने ओबीसी वर्ग के सभी उम्मीदवारों को एससी-एसटी वर्ग के समान न्यूनतम पात्रता अंक में छूट देने के निर्देश दिए हैं। सिविल जज की प्रारंभिक और मुख्य दोनों परीक्षाओं में भी ओबीसी को अन्य आरक्षित वर्ग के समान छूट मिलेगी। चीफ जस्टिस रवि मलिमठ और जस्टिस विशाल मिश्रा की खंडपीठ ने अपने आदेश में इस संबंध में हाईकोर्ट प्रशासन को तीन दिन के भीतर अधिसूचना जारी करने के निर्देश दिए हैं। सिविल जज जूनियर डिवीजन (प्रवेश स्तर)-2022 के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 18 दिसंबर 2023 है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा कि सिविल जज भर्ती परीक्षा में ओबीसी वर्ग को अनारक्षित वर्ग के साथ रखा गया था, इससे उनके अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। ओबीसी वर्ग को भी एससी-एसटी वर्ग के समान न्यूनतम पात्रता अंक में छूट मिलनी चाहिए।

एमपी हाईकोर्ट ने क्या कहा

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अनारक्षित वर्ग को इसमें कोई छूट नहीं दी जाएगी। दरअसल, ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन के नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष जगदीश प्रसाद पटेल की बेटी अधिवक्ता वर्षा पटेल ने एक जनहित याचिका दायर कर सिविल जज भर्ती नियम में किए गए संशोधन की वैधानिकता को चुनौती दी है। संशोधित नियम के तहत सिविल जज भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए सामान्य वर्ग के लिए एलएलबी में न्यूनतम 70 फीसदी (बिना एटीकेटी) अंक निर्धारित किए गए हैं। वहीं एससी-एसटी के लिए 50 फीसदी अंक की योग्यता है।

अब ओबीसी उम्मीदवार को भी एससी-एसटी के समान अंकों में छूट मिलेगी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर और विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि ओबीसी भी आरक्षित वर्ग है, इसलिए उसे अनारक्षित वर्ग में नहीं रखा जा सकता। ओबीसी उम्मीदवारों को सिविल जज भर्ती परीक्षा में दोनों प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा स्तर पर भी एससी- एसटी वर्ग के समान छूट मिलेगी।

अपने बच्चों को विदेश में पढ़ाएगी अंजू लौटते ही बांधे पाकिस्तान के तारीफों के पुल

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। लगभग 4 महीने पाकिस्तान में रहने के बाद अंजू वापस भारत लौट आई है। दिल्ली आते ही वो अपने दोस्त के साथ झज्जर पहुंची, पाकिस्तान से लौटते ही अंजू ने वहां बिताए 4 महीनों के बारे में खुलकर बताया। अंजू ने कहा कि वो वहां कानूनी प्रक्रिया के तहत ही गई थी, और उसी तरह से बिना किसी दबाव और जोर जबरदस्ती के खुद ही अपनी मर्जी से भारत वापस आई है। अंजू ने कहा कि बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए जल्द ही कोई बड़ा फैसला लेगी। अंजू के 2 बच्चे हैं, जिनमें एक बेटी और एक बेटा है। दोनों ही भिवाड़ी के स्कूल में पढ़ रहे हैं। अंजू ने कहा कि वो एक मां है, और उसे पता है कि बच्चों की परवरिश कैसी है, उन्हें कहां बेहतर शिक्षा मिलेगी। वो आगे वही करेगी, जो बच्चों के भविष्य के लिए ठीक रहेगा। इसके लिए वो अपने पहले पति अरविंद से मिलेगी, बैठकर मुलाकात करेगी। तलाक और बच्चों के विषय पर बात करके वो फैसला लेगी, जो बच्चों के लिए बेहतर रहेगा। अंजू ने कहा कि पहले भी वो खुद ही नौकरी करके बच्चों को संभाल रही थी। अंजू ने बताया कि उसकी बेटी को न तो पाकिस्तान पसंद है और न ही वो भारत में रहना चाहती है। उसकी इच्छा है कि अमरीका या यूरोप में पढ़ाई करके सेटल होने की। अगर उसकी इकोनॉमी ठीक रही तो वो अपनी बेटी का ये सपना पूरा करेगी। हालात के हिसाब से आगे का फैसला लेगी। इसके लिए वह पहले अपने बच्चों के साथ बैठकर बात करेगी।

दिल्ली में कोहरे-प्रदूषण का डबल अटैक

खराब मौसम के चलते इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से डायवर्ट की गईं 18 फ्लाइट्स

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में खराब मौसम का असर राजधानी की हवाई सेवाओं पर पड़ने लगा है। दिल्ली में शनिवार सुबह खराब मौसम की वजह से दिल्ली एयरपोर्ट से कम से कम 18 फ्लाइट्स के रूट डायवर्ट करने पड़े हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली एयरपोर्ट के अधिकारियों ने विमानों को डायवर्ट करने की जानकारी दी है। उनकी तरफ से ये भी बताया गया है कि इन विमानों को किन शहरों में डायवर्ट किया गया है। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट्स को जयपुर, लखनऊ, अहमदाबाद और अमृतसर की ओर डायवर्ट किया गया। दिल्ली एयरपोर्ट ने सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एयरपोर्ट पर कम दृश्यता की वजह से जरूरी प्रक्रिया अमल में लाई गई। विमानों को दिल्ली एयरपोर्ट से डायवर्ट किया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट को 'इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट' (आईजीआई) के तौर पर भी जाना जाता है।

दिल्ली में छाया रहेगा कोहरा

दिल्ली में सर्दियों का आगमन हो चुका है। इसके साथ ही कोहरे और प्रदूषण का असर भी देखने को मिल रहा है। राजधानी और इसके आस-पास के इलाकों में धुंध की सफेद चादर देखी जा सकती है। दिल्ली-एनसीआर में सुबह और शाम के वक्त सर्दी का सितम देखने को मिल रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि शनिवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूरे दिन राजधानी में हल्का कोहरे रहने वाला है। विभाग ने बताया है कि दिल्ली में अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। सुबह 8.30 बजे आर्द्रता 100 प्रतिशत दर्ज की गई। 'सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फॉरकास्टिंग एंड रिसर्च' (सफार) के मुताबिक, दिल्ली की एयर क्वालिटी में थोड़ा सा सुधार होता हुआ नजर आया है। शनिवार सुबह दिल्ली की हवा 'गंभीर' से 'बहुत खराब' कैटेगरी में दर्ज की गई। सुबह आठ बजे दिल्ली में एक्यूआई 364 रिकॉर्ड किया गया है।

इस साल 112 रोहिंग्या समेत 716 घुसपैठिए गिरफ्तार

23.12 करोड़ का नशीला पदार्थ भी जब्त

त्रिपुरा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास से कुल 716 घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि घुसपैठियों में 112 रोहिंग्या और 319 बांग्लादेशी शामिल हैं। सीमा सुरक्षा बल ने शुक्रवार को अपना 59वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर बीएसएफ त्रिपुरा फ्रंटीयर हेडक्वार्टर को संबोधित करते हुए डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल आरके सिंह ने कहा कि पिछले साल अवैध तरीके से उत्तरीपूर्वी राज्यों से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय सीमा को पार करते हुए कुल 369 लोगों को पकड़ा गया था, जिसमें 150 बांग्लादेशी, 160 भारतीय और 59 रोहिंग्या शामिल थे। उन्होंने आगे कहा,

'बीएसएफ बांग्लादेश के साथ जुड़ी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा कर रहा है, जिसके फलस्वरूप उन्होंने 2023 में 319 बांग्लादेशी, 112 रोहिंग्या और 285 भारतीयों को घूसपैठ करते हुए पकड़ा है। इसी के साथ इस साल बीएसएफ ने सीमा के पास से 23.12 करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ भी जब्त किया।' आरके सिंह और बीएसएफ का बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के साथ अच्छे संबंध हैं। क्षेत्र में शांति बरकरार रखने के लिए उचित स्तर पर नियमित बातचीत होती रहती है। भारत के उत्तरपूर्वी राज्य बांग्लादेश के साथ 856 किमी लंबी सीमा साझा करता है।

ट्रेन के आगे कूद गई तहसीलदार की बेटी रेल ट्रैक पर इस हालत में मिली लाश

छिंदवाड़ा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है यहाँ तहसीलदार भावना मलगान की बेटी पलक ने ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या कर ली।

उसकी उम्र सिर्फ 19 वर्ष थी। घटना रात साढ़े 8 बजे की है। खबर प्राप्त होते ही सौसर पुलिस गुजड़खेड़ी रेलवे ट्रैक पर पहुंची शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल भेज दिया। तहसीलदार भावना मलगान जब अपने घर पहुंचीं तो बेटी का कहीं कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने टेलीफोन पर पुलिस को सूचना दी। तत्पश्चात, रेल ट्रैक पर एक लड़की का शव पाया गया जिसकी पहचान तहसीलदार की बेटी पलट के रूप में हुई। भावना के पति की बीमारी के चलते पहले ही मौत हो चुकी है। घटना के दिन भावना की बेटी घर पर अकेली थी। रिपोर्ट के अनुसार, तहसीलदार भावना जब शाम को घर पहुंची तो बेटी पलक घर से गायब थी।

'3 करोड़ दो तो रोक देंगे जांच', रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया ईडी ऑफिसर

चेन्नई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु से एक बड़ी घटना सामने आ रही है यहाँ प्रवर्तन निदेशालय ईडी के एक अफसर को सरकारी कर्मचारी से 20 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह खबर सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने दी है। प्रवर्तन निदेशालय अफसर की गिरफ्तारी बड़े नाटकीय ढंग से हुई। तमिलनाडु पुलिस ने उसे रंगे हाथों पकड़ने के लिए कार से 8 किलोमीटर तक पीछा किया। डिंडीगुल में हिरासत में लिए जाने के पश्चात डीवीएसी अफसरों के एक दल ने मदुरै में उप-क्षेत्र प्रवर्तन निदेशालय दफ्तर में तहकीकात की। इस के चलते राज्य पुलिसकर्मी केंद्र सरकार के दफ्तर के बाहर तैनात थे। डीवीएसी की आधिकारिक विज्ञप्ति में गिरफ्तार अफसर की पहचान अंकित तिवारी के रूप में की गई है, जो केंद्र सरकार के मदुरै प्रवर्तन विभाग कार्यालय में प्रवर्तन अफसर के रूप में कार्यरत है। डीवीएसीअफसरों ने बताया, अंकित तिवारी ने प्रवर्तन निदेशालय अधिकारीयों के साथ अपनी एक टीम बनाई थी। वह लोगों को धमकाता था तथा उनसे रिश्वत ऐंठता था। तिवारी संदिग्ध आरोपियों को इस बात का आश्वासन भी देता था कि प्रवर्तन निदेशालय में उनके खिलाफ दर्ज मुकदमा को बंद करवा देगा। रिपोर्ट के अनुसार, मदुरै में केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय में जांच के संबंध में डीवीएसीअफसर पहुंचे। इस के चलते भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों को अफसरों की सुरक्षा के लिहाज से तैनात किया गया था। डीवीएसी अफसरों ने आरोपी अंकित तिवारी को डिंडीगुल में 20 लाख नकद के साथ पकड़ा। अफसर पर निरंतर नजर रखी जा रही थी जिससे उसे घूस लेते हुए पकड़ा जा सके। अंकित तिवारी 2016 बैच का ऑफिसर है। इससे पहले वह गुजरात एवं मध्य प्रदेश में भी काम कर चुका है। डीवीएसी चेन्नई की तरफ से जारी आधिकारिक रिलीज के मुताबिक, तिवारी केंद्र सरकार के मदुरै प्रवर्तन विभाग दफ्तर में एक इंफोर्समेंट ऑफिसर के रूप में कार्यरत है। अक्टूबर में तिवारी ने डिंडीगुल के एक सरकारी डॉक्टर से संपर्क किया। प्रवर्तन निदेशालय अफसर ने उस जिले में उनके खिलाफ दर्ज विजिलेंस केस के बारे बताया जिसका पहले ही निपटा हो गया था। तिवारी ने डॉक्टर से कहा कि उनके खिलाफ जांच को लेकर प्रधानमंत्री ऑफिस से निर्देश मिला है। अफसर ने उनसे 30 अक्टूबर को मदुरै स्थित प्रवर्तन निदेशालय ऑफिस में पेश होने के लिए कहा वही जब डॉक्टर मदुरै ऑफिस पहुंचे तो तिवारी ने उनसे रिश्वत की मांग की। प्रवर्तन निदेशालय अफसर ने कहा कि यदि वे 3 करोड़ रुपये देंगे तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई रोकी जा सकती है। बाद में तिवारी ने कहा, 'मैंने अपने वरिष्ठ अफसरों से बात की है तथा उनके कहने पर मैं 51 लाख रुपये घूस के तौर पर लेने को तैयार हूं।' डॉक्टर ने बताया कि उन्होंने 1 नवंबर को रिश्वत की पहली किस्त के तौर पर उसे 20 रुपये दिए। तत्पश्चात, तिवारी ने उन्हें कई बार ह्वाट्सऐप पर फोन कॉल्स और मैसेज किए जिसमें उसने कहा कि यदि पूरा पैसा नहीं दिया गया तो फिर नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का बयान, कहा- जनवरी तक अयोध्या एयरपोर्ट पूरी तरह बनकर तैयार

ग्वालियर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अयोध्या के एयरपोर्ट का निरीक्षण हम लोग कर रहे हैं। योगी जी और हम दोनों साथ में निरीक्षण करेंगे और हमारा टारगेट है कि इस महीने में अयोध्या का एयरपोर्ट पूर्ण रूप से तैयार हो जाए।

उसी के बाद ग्वालियर प्रस्थान करके ग्वालियर एयरपोर्ट का भी निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि अगले डेढ़ माह में देश में करीब 8 एयरपोर्ट हम तैयार कर रहे हैं, जिसमें ग्वालियर, जबलपुर, अयोध्या, पुणे, कोल्हापुर और तिरुचिपल्ली है। इसके साथ ही आठ हवाई अड्डे और टर्मिनल्स हमारे तैयार हो जाएंगे और उन्हें स्वयं प्रधानमंत्री जी देश को समर्पित करेंगे। वहीं ग्वालियर में 2 दिन से लगातार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रवास को लेकर उन्होंने कहा बहुत ही ऊर्जा देने वाला प्रवास था।

कर्नाटक में मुसलमान की दाढ़ी काटी

जबरन लगवाया 'जय श्रीराम' का नारा- मच गया बड़ा बवाल

बेंगलूरू, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक मुसलमान के साथ ज्यादती होने की खबर सुर्खियों में है। आरोप है कि मुसलमान की दाढ़ी काट दी गई और उसे जय श्रीराम का नारा लगाने के लिए मजबूर भी किया गया। वहीं, मुस्लिम व्यक्ति ने कहा है कि मारपीट करने वालों ने उसके धर्म को लेकर भद्दी-भद्दी गालियां दीं। कहा कि वे मुझे से जान से मार देना चाहते थे। मारपीट करने वालों ने बीयर की बॉटल से मारा और सिर पर पत्थर से भी वार किया। उस दौरान आसपास के गड़ेरियों ने उसकी जान बचाई। मुसलमान ने अपनी शिकायत में यह बातें डिटेल में बताई हैं। जानकारी के अनुसार 62 वर्षीय मुस्लिम बुजुर्ग के साथ मारपीट और टॉर्चर करने की घटना सामने आई है। आरोपियों ने टूटे हुए शीशे से बुजुर्ग की दाढ़ी काट दी और जबरन जय श्रीराम का नारा लगाया। इस मामले को लेकर कर्नाटक के कोप्पल जिले में शिकायत दर्ज की गई है। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। यह घटना कोप्पल जिले के गंगावती टाउन एरिया की है। इस घटना की जानकारी तब हुई जब पीड़ित हुसैन साब ने पुलिस के पास जाकर मामले की शिकायत की।

पुलिस को दी गई शिकायत में क्या है

पीड़ित हुसैन साब ने पुलिस को जो शिकायत दी है, उसके अनुसार कुछ लोग उसे जबरदस्ती एक सुनसान जगह पर ले गए और मारपीट की। शिकायतकर्ता ने कहा कि बदमाशों ने उसके पैसे भी छीन लिए और मारपीट के बाद दाढ़ी जलाने की कोशिश की। हुसैन ने आरोप लगाया कि उन लोगों ने धर्म को लेकर भी गंदी गालियां दी और मुझे जान से मार देना चाहते थे। घटना के बाद एक स्थानीय निवासी ने हुसैन को घर पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलने के बाद सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ने पीड़ित मुसलमान से संपर्क किया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में मदद की। फिलहाल मामला दर्ज करके पुलिस जांच जारी है।

खत्म हुआ 16 साल का इंतजार! हुकुमचंद मिल के मजदूरों के पक्ष में एचसी ने सुनाया अहम फैसला

इंदौर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर की हुकुमचंद मिल के श्रमिकों के पक्ष में अहम आदेश आया है। शुक्रवार को न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर की एकल पीठ ने 3 दिन के भीतर श्रमिकों के खाते में बकाया राशि जमा कराने का आदेश दिया है। 32 वर्षों से हुकुमचंद मिल के श्रमिकों का यह संघर्ष चल रहा है। मजदूर यूनियन की तरफ से सीनियर वकील गिरिश पटवर्धन एवं धीरजसिंह पंवार ने अदालत को बताया कि निर्वाचन आयोग ने श्रमिकों को भुगतान के लिए अनापत्ति पत्र जारी कर दिया है। तत्पश्चात, उच्च न्यायालय ने हाउसिंग बोर्ड को आदेश जारी करते हुए कहा कि 3 दिन के अंदर पूरी राशि मजदूरों के खाते में जमा की जाए। यह जानकारी देते हुए हरनासिंह धारीवाल एवं नरेंद्र श्रीवंश ने बताया सरकार को 425 करोड़ रुपए जमा करने होंगे। इनमें मजदूरों के ब्याज समेत 218 करोड़ रुपए भी हैं। 3 दिन में एसबीआई में खाता खोलकर यह रुपए जमा कराने होंगे। पहले इस मामले में 5 दिसंबर को सुनवाई होना थी लेकिन निर्वाचन आयोग से अनुमति की खबर प्राप्त होते ही उच्च न्यायालय के समक्ष अर्जेंट सुनवाई की गुहार लगाई गई जिसे स्वीकार कर लिया गया था। लगभग 16 वर्ष पहले उच्च न्यायालय ने मजदूरों के पक्ष में 229 करोड़ रुपये मुआवजा निर्धारित किया था। हुकमचंद मिल के 5895 मजदूर 12 दिसंबर 1991 को मिल बंद होने के पश्चात से अपने हक के लिए भटक रहे हैं। इसका भुगतान मिल की जमीन बेचकर किया जाना है, मगर सालों तक जमीन के स्वामित्व को लेकर नगर निगम एवं शासन के बीच विवाद चलता रहा। बाद में जमीन बेचने के प्रयास हुए मगर बार-बार निविदाएं आमंत्रित करने के बाद भी जमीन बेचने में कामयाबी नहीं मिली। तत्पश्चात, मिल के हजारों मजदूरों को बकाया भुगतान मिलने की संभावनाएं क्षीण हो गई थीं मगर नगर निगम तथा मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल के बीच हुए समझौते के बाद बकाया मिलने की उम्मीदें एक बार फिर जागी। वही इस समझौते के अनुसार, मिल की जमीन पर गृह निर्माण मंडल तथा नगर निगम को संयुक्त रूप से आवासीय और व्यवसायिक काम्प्लेक्स का निर्माण करना है। इस निर्माण पर खर्च गृह निर्माण मंडल करेगा जबकि जमीन नगर निगम की है। इसके एवज में मंडल को श्रमिकों एवं शेष लेनदारों का भुगतान करना है।

चुनाव परिणाम से पहले मंदिर पहुंचे नेता, महाकाल, स्वर्ण मंदिर, खाटू श्याम समेत कई मंदिरों में किए दर्शन

इंदौर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मप्र विधानसभा चुनाव के परिणाम तीन दिसंबर को आने वाले हैं। इससे पहले उम्मीदवार देशभर के मंदिरों में दर्शन करने के लिए जा रहे हैं। उज्जैन महाकाल से लेकर स्वर्ण मंदिर और खाटू श्याम तक सभी जगह नेताओं ने दर्शन किए हैं। मां बगलामुखी के दर्शन के लिए रीना बौरासी सेतिया अपने पति के साथ पहुंची। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि सांवेर की खुशहाली और न्याय के लिए मां बगलामुखी के दर्शन किए।

मुझे विश्वास है कि मेरा सांवेर मेरा परिवार अब विकास और न्याय की दिशा में चल पड़ा है और यहां के हर रहवासी का कल्याण अब सुनिश्चित हो चुका है। संजय शुक्ला ने उज्जैन स्थित बाबा काल भैरव नाथ के दर्शन किए। इससे पहले उन्होंने महाकाल और स्वर्ण मंदिर में भी दर्शन किए। भगवान कृष्ण की प्रेरणा से पांडवों ने महाभारत के युद्ध में विजय प्राप्ति के लिए मां बगुलामुखी की साधना की थी। रमेश मेंदोला ने सिद्ध पीठ में मां के दर्शन और सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने यहां सनातन धर्म के शत्रुओं को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की। पिंटू जोशी ने महाकाल, चिंतामण गणेश और बटुक भैरव जी के मंदिरों में दर्शन किए। वे अपने दोस्तों के साथ यहां पर दर्शन करने के लिए पहुंचे। इससे पहले वे दर्शन के लिए खाटू श्याम भी गए।

आरएसएस नेता का बड़ा बयान, कहा

अब बन रहा है देश के मूल्यों से मेल खाता सही 'नैरेटिव'

बेंगलुरु, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि 'राष्ट्र धर्म' अखबारों का कर्तव्य है और आज देश में एक सही विमर्श या नैरेटिव तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह नैरेटिव भारत के वास्तविक मूल्यों, संस्कृति तथा इतिहास से मेल खाता है। उन्होंने कहा कि तीन-चार पीढ़ियां इस मिट्टी के सच्चे विचारों से दूर रहीं लेकिन अब देश में एक ऐसा विमर्श बन रहा है जो लंबे समय से चले आ रहे विमर्श के विपरीत है। होसबाले बेंगलुरु में साप्ताहिक कन्नड़ अखबार 'विक्रम' के डायमंड जुबली सेलीब्रेशन के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। आरएसएस नेता ने कहा, 'भारत में आज एक विमर्श बन रहा है, एक सही विमर्श, जो लंबे समय से चले आ रहे विमर्श के विपरीत है। लंबे समय से भारत, हिंदू और यहां की संस्कृति के बारे में देश और दुनिया में एक विकृत विमर्श रचा गया। पाठ्यपुस्तकों, मीडिया, सार्वजनिक प्रवचन, अंतरराष्ट्रीय मंचों, थिंक-टैंक और सिनेमा में इस भूमि के इतिहास और संस्कृति के बारे में भ्रम उत्पन्न किया गया।' उन्होंने कहा कि ऐसा विमर्श बनाया गया जो भारत के अनुरूप नहीं है और उसके 'धर्म', राष्ट्रवाद, सामाजिक परंपराओं का पूरक नहीं है तथा यह कुछ ऐसा रहा जो विभाजनकारी है और नफरत फैलाता है, जिससे लोगों में भ्रम पैदा हुआ और '3-4 पीढ़ियां इस मिट्टी के सच्चे विचारों से दूर रहीं।' होसबाले ने कहा कि उस समय ऐसे लोग थे जिन्होंने इस भूमि और इसकी संस्कृति के मूल विचार को याद दिलाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि उन लोगों को मुख्यधारा के विचारक के रूप में स्वीकार नहीं किया गया और उनके विचारों को गलत कहकर खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा,'इस मिट्टी की वास्तविक संस्कृति और इतिहास तथा दुनिया और मानवता की भलाई को बढ़ावा देने के विचारों को आज की जरूरतों के हिसाब से सही ढंग से व्यक्त करने की जरूरत है।'

वायु के तीसरे रूप : संत माधवाचार्य

प्रमुख संतों में संत माधवाचार्य का नाम पूजनीय रूप से लिया जाता है .जाने माने दार्शनिक एवं तत्ववाद के प्रवर्तक थे जिसे द्वैतवाद के नाम से भी जाना जाता है .शास्त्रों के अनुसार उनको वायु का तृतीय रूप माना गया भक्ति आंदोलन के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया .उनके कथनानुसार भगवान विष्णु ही इस सृष्टि के रचयिता हैं उनके द्वारा प्रतिपादित द्वैतवाद के सिद्धांत को वैष्णव संप्रदाय के अनुयायियों द्वारा माना गया .माता पिता द्वारा इनका नाम वासुदेव रखा गया लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदल माधवाचार्य किया .माधवाचार्य ने अनेक मूर्तियों की स्थापना की और कई योग सिद्धियों को प्राप्त किया बताया जाता है कि कई बार समय समय पर देवी देवताओं को प्रकट भी किया पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माधवाचार्य को वायु देवता का तीसरा अवतार माना गया वायु देवता का पहला अवतार हनुमान जी (बजरंग बली) और दूसरा अवतार भीम को और पवन देवता का तीसरा अवतार माधवाचार्य को माना गया .

उडुपी (कर्नाटक) में विख्यात कृष्ण मंदिर की स्थापना की जो उनके अनुयायियों के लिये तीर्थ स्थान बना .उनके अनुसार ब्रह्म सगुण हैं उनको ही नारायण कहा जाता है . आज जिन मूर्तियों को पूजा जाता है उनकी स्थापना उन्होंने ही की .कथानुसार एक बार किसी व्यापारी का जहाज़ द्वारका से मलाबार जा रहा था तुलुब के पास वह डूब गया उसमें

गोपी चंदन से ढकी हुई भगवान कृष्ण की एक सुंदर मूर्ति थी माधवाचार्य को भगवान से आज्ञा प्राप्त हुई और उन्होंने मूर्तियों को जल से निकाल उनकी स्थापना ऊडुपी में की .माधव संप्रदाय के आचार्यों ने उडड्पी को मुख्य केंद्र के रूप में स्थापित किया और उस मठ को उत्तरराधि मठ के रूप में जाना गया .

संत माधवाचार्य अत्यंत बल शाली थे जिसकी कोई सीमा नहीं थी .कदंजरी नाम का एक व्यक्ति था जिसके बारे में बताया जाता है कि उसे तीस लोगों जितनी शक्ति थी उसके बल की चर्चा सब ओर थी .एक बार माधवाचार्य ने अपने पैर के अंगूठे को ज़मीन पर रखा और उस व्यक्ति को उसे ज़मीन से अलग करने के लिये कहा ,लेकिन बहुत बलशाली व्यक्ति कई कोशिशों के बाद भी उसे टस से मस नहीं कर सका . ईश्वर के प्रति उनकी भक्ति और विद्वत्ता सभी जगह प्रसिद्ध थी उनके अनुसार परमेश्वर शाश्वत ,स्वयं प्रकाश

मान ,भौतिक जगत से दूर ,परम शुद्ध , और संपूर्ण ब्रह्मांड के सर्व व्यापी ,सर्वज्ञ साक्षी और पर्यवेक्षक हैं . वेदांत का अध्ययन शुरु किया तब उनकी बुद्धि इतनी तीव्र थी कि कई बार अपने गुरु को ही समझाने लगते तथा उनकी व्याख्या का प्रतिवाद करते हर ओर उनकी विद्वत्ता की चर्चा होती .

जगह जगह घूम कर भगवद भक्ति का प्रचार वेदों की प्रामाणिकता की स्थापना ,मायावाद का खंडन और मर्यादा का संरक्षण शास्त्रार्थ के माध्यम से करते अनेक विद्वान इनसे पराजित हो इनके मत को स्वीकारते 30 वर्षों तक ग्रंथ लेखन किया उनके लिखे ग्रंथों की संख्या 37 बतायी गयी जिनमें प्रमुख हैं ₹ब्रह्मसूत्र भाष्य अनुव्याख्यान ₹ ₹गीता भाष्य ₹ ₹ विष्णु तत्व निर्णय ₹ और ₹ गीता तात्पर्य निर्णय ₹ आदि .

वह अक्सर कहते भगवान का नित्य स्मरण करना चाहिये जिससे अंत काल में उनकी विस्मृति न हो क्यों कि सैकडों बिच्छुओं के एक साथ डंक मारने से शरीर में जैसी पीडा होती है ,मरण काल में मनुष्य को वैसी ही पीडा होती है ,वात ,पित्त ,कफ़ से कंठ अवरुद्ध हो जाता है और नाना प्रकार के सांसारिक पाशों से जकडे रहने के कारण मनुष्य को बडी घबराहट होती है ऐसे समय में भगवान की स्मृति को बनाये रखना बडा कठिन होता है अतः ईश्वर का प्रतिदिन स्मरण करना चाहिये " सुख दुख की स्थिति कर्मानुसार होने से उनका अनुभव सबके लिये अनिवार्य है इसलिये सुख का अनुभव करते समय भी ईश्वर को मत भूलो और दुख काल में भी उनकी निंदा मत करो भगवान ही सबसे बडे गुरु तथा जगत के माता पिता हैं इसलिये अपने सारे कर्म उन्हीं को समर्पण करने चाहिये ।

बताया जाता है कि दुखी जनता का उद्धार करने के लिये उन्हें ईश्वर ने आज्ञा दी कि उपदेश ग्रंथों की रचना करे वेद ,महाभारत और विष्णु सहस्रनाम की अनेक व्याख्याएं लिख विद्वानों को आश्चर्य चकित किया और उनके ज्ञान के सम्मुख विद्वान नत मस्तक हुए . उन्हें कई अलौकिक सिद्धियां प्राप्त थीं प्रसंगानुसार एक बार एक व्यापारी के डूबते जहाज़ को बचाया जिससे प्रभावित हो वह उनको आधी संपत्ति देने लगा लेकिन उनके रोम रोम में ईश्वर भक्ति इतनी समायी हुई थी कि उसे लेने से इंकार कर दिया उनके जीवन में इस तरह के असामान्य त्याग के बहुत उदाहरण हैं जिससे लोगों का कल्याण हुआ .उनका काल (1238 से 1317) माना गया . उनके मतानुसार विष्णु भगवान भौतिक संसार के कारण कर्ता हैं प्रकृति को लक्ष्मी द्वारा वह

अतुल कुमार

सशक्त बनाते हैं और उसे दृश्य जगत में परिवर्तित करते हैं इतिहासकारों के अनुसार उनका जन्म कर्नाटक के उडुपी के निकट पजाक नामक स्थान पर हुआ अपनी किशोरावस्था में संन्यास धारण किया .

आठ मठों की स्थापना की जो इस प्रकार हैं अदामारू मठ , पाली मारू मठ , पुत्तीजे मठ , कृष्णपुरा मठ , शिरूर मठ , पेजावर मठ , कनियुरू मठ , और सोधे मठ . अनेक मूर्तियों की स्थापना की . बताया जाता है कि एक बार उनके पिता पर बहुत सारा कर्ज़ हो गया था तो माधवाचार्य ने उसे चुकाने के लिये इमली के बीजों को वास्तविक सिक्कों में बदल दिया .पूरे देश की यात्रा करने के बाद जब वह ऊडुपी लौटे तो कभी कभी समुद्र में स्नान करते ऐसे अवसर पर उन्होंने ईश्वर प्रार्थना की रचना की . वह कहते व्यर्थ के सांसारिक झंझटों के चिंतन में अपना अमूल्य समय नष्ट मत करो भगवान में ही अपने अंतः करण को लीन करो उनके विचार ,श्रवण ,ध्यान , से बढ कर संसार में कोई अन्य पदार्थ नहीं है ।

काव्य कुंज

बंधन

टी तारासिंह
हैदराबाद

हाय सपने टूटे हज़ार
कोई सपना पूरा ना होये
दिल टूट जाना था
सूनापन दे जाना था
आंख के आंसू दे गये
रात की निंदिया उड गई
करके चारों पहर उनका इंतज़ार
ना हुई चाहते भी पूरी
दामन भी खली खली रहा
दिल को चोट पहुची
अब कुछ सपने तो
दिल को घबराये है
प्रित के बंधन बदनाम किये है
अब हमारी जिंदगी सुधार रहे हैं ।।

कैसे बचाएं दामन

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

गाजर मूली की तरह कट रहा इंसान,
इंसान इंसान के लिए बन रहा शैतान,
हैवानियत हद जब लाश बेइज्जत हो रही
कैसे बचाएं दामन जब बिक रहा ईमान।
देश आपसी झगड़ा,जन-जन मर रहा,
इंसानियत दामन, तार तार कर रहा,
जाना एक दिन सबको, बेमौत क्यों मरे
अपने घर में ही वह थर-थर डर रहा,
ईश्वर बनाई दुनिया में, बंट रहा जहान।
कैसे बचाएं दामन जब बिक रहा ईमान।।
चांद सूरज सबके लिए पर जमीं को लड़ रहे,
रक्त बूंद सबकी समान, धर्म में पड़ रहे,
कौन से धर्म ने कातिलों को माफ किया
फिर क्यों धर्म नाम पर काट धड़ रहे,
शमशान पटल बनाके धर्म बन रहा महान ।
कैसे बचाएं दामन, जब बिक रहा ईमान।
गाजर मूली की तरह कट रहा इंसान।।

सम्मान मिलेगा

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

सफल बनों सम्मान मिलेगा।
कर्मों में भगवान मिलेगा।
फूल खिलें हैं अब माली को,
खुशबू का वरदान मिलेगा।
अच्छे कर्मों का फल अच्छा,
दिल अंदर इंसान मिलेगा।
खुद को जब पहचानोगे तो,
आत्मतुष्ट ध्यान मिलेगा।
शिक्षा का अम्बर पाओगे,
लौ का रौशनदान मिलेगा।
उद्धम शक्ति संघर्ष धैर्य,
हर कार्य परवान मिलेगा।
हरियाली में खुशहाली है,
हर पौधा धनवान मिलेगा।
कर्म बने भक्ति का मार्ग,
कृष्ण का फरमान मिलेगा।
पतझड़ में जो धबरा जाए,
माली वो नादान मिलेगा।
मंज़िल का रस्ता बतलाना,
राही जो अंजान मिलेगा।
हर्ष के हार पिरो कर रखना,
ग़म का कब मेहमान मिलेगा।
मगर घरौंदा मंज़िल होगी,
पंखों में अभिमान मिलेगा।
रिश्वत के घर घर में अक्सर,
बंदा बेईमान मिलेगा।
ढलती आयु में है बालम,
दिल का मगर जवान मिलेगा।

छूटी जो ज़िंदगी

रेणुका अग्रवाल

हृदय की पुकार सुन मीत मेरे।
छूटे जो ये कुँवारे गीत मेरे।
अवसाद न नष्ट होगा जीवन से।
याद करो सब वो प्रीत मेरे।
बहुत जिये अपनों के लिये।
स्वयं के लिये जीना बाक़ी है।
ख़्वाहिशें सबकी पूरी किये,
अब दिल की करना बाक़ी है।
दिल अपना क्या दिल नहीं।
रास्ते हैं क्यों मंज़िल नहीं।
विमान में साफ़र करेंगें अब,
क्या हम इस क़ाबिल नहीं।
अब देखेंगे दुनिया के नज़ारे।
उम्र अब कर रही है इशारे।
हाथ पैर सलामत है जब तक,
नहीं ढूँढ़ेंगे अब कोई सहारे।
ख़त्म हुई जिम्मेदारियां।
अब काहे की लाचारियाँ।
चल दोनों मिलकर जाएंगे।
वर्ल्ड टूर पे मौज मनाएँगे।
छोड़ो बेटे बहु का झमेला।
एक दिन सबको होना अकेला।
जितनी बची उसे संभालो,
धरती पे लगा रहता मेला।
रुकता न कोई किसी के लिये।
मरता न कोई साथ देने के लिये।
सब भूल जाते माँ बाप को,
भूलो ममता मोह के रेले।
एक दिन सब समझ जाएंगे।
गलत है चुप रह जाएंगे।
हमें अपना सुबूत देना नहीं है।
अब अपनो के लिये रोना नहीं है।

असंभव

डॉ डी डी देसाई

तीसरे पहर की लालिमा,
हवाओं संग लहराती हुई,
पासारती थी जब..
इंद्रधनु सी रंगीन चादर,
पानी के तरंगों पर छाप छोड़ती,
बुलबुलों पर चित्रित अक्स देखा..
जैसे तेरी आँखों की पुतलियों में,
संसार का अक्स छपा हो।
जैसे आपदाओं से बचाती प्रकृति,
पलकों में तेरी सुरक्षित मैं..
खुदको पाता हूँ तेरी वश में।
कैद हो जता हूँ खुदबखुद
तेरी बहुपाश में अनायास ही,
खो देता हूँ वजूद खुद का
मझधार में हिलकोरे खाती,
पतवार विहीन नाव की तरह..
बस तेरे इर्द- गिर्द,
पनपते रहना चाहता हूँ,
तूफानों में जलते दीपक की तरह।
दम तोड़ देना चाहता हूँ
ज्योति से लिपटते पतंगे की तरह।
जल भून जाऊँ.. खाक हो जाऊँ,
पर तुझसे जुडी प्रीत मेरी,,,
तुझमे ही जल मर मिट जाऊँ,
मंजूर है मुझेसब कुछ..
पर तुझसे दूर. रहूँ
असाध्य. असंभव।

अमूल्य व्याकरण

दर्शन सिंह
हैदराबाद

किसी पर हसने से अच्छा,
किसी के साथ हसे
अनमोल मंत्र,चिंतन,
अन्यथा कीचड़ में धसे
जो आया सो चलसी,
सबकी आई वारियो
न जाने क्योंकर, जान कर अनजान बने
ठीक,किसी पर कीचड़ उछालना अच्छा लगता है
राह चलते बंदों को ठोकरें मारना अच्छा लगता है
एक उंगली किसी पर,चार उंगलियां अपनी तरफ
कहता छोड़ो..., तिल का ताड़ बनाना अच्छा.. है
अच्छी.. ज्ञान बातें,रखो संभाल के तुम अपने पास
समय की कमी, नहीं सुनना चाहता..बकवास
धर्मराय जब लेखा मांगे,क्या मुख ले के जाएगा
भोर,चल दिया,पड़ी गली मुहाने पर लाश
डरता अवश्य,नित्य प्रभु चौखट..उपस्थित हो जाता
माफियों की अरदास, हुजूरी सींगों से करवाता है
स्तब्ध,सीढियां उतरते ही,तन कर खड़ा हो जाता है
दर्शन हैं तो सही, अमूल्य व्याकरण
करें चिंतन,अन्यथा झींके से लटक जाता है

घर की बगिया

पूजा महेश
हैदराबाद

बेटी की शादी होते ही
कहते हैं सब
लो हों गयी यह भी परायी अब
सच मानो
नहीं होती वह परायी कभी
जाते जाते जला जाती है
यादों के दीये चारों ओर
छोड़ जाती है हाथों की छापें
बिखेर जातीं हैं आशीष की खीले
आंसूओं से सींच जाती है
घर की बगिया
अपनी यादों की तस्वीरें
बक्से में बंद कर
चलीं जाती है दूसरे घर को रोशन करने
प्रवेश करती है सौभाग्य के कदमों से
महका देती है घर वह सारा
संभाल लेती है चौका चूल्हा
बन जाती है चहेती सबकी
किसी की भाभी, किसी की चाची और मामी
और फिर मां बन
जमा लेती है वह जड़ें अपनी
निभातीं है ताउम्र दोहरी जिम्मेदारी
कभी ज़हर तो कभी अमृत पीतीं है
एक नारी ही तों है जो
दो दो कुलों को जोड़ कर जीतीं है।

ईश्वर सब पर मेहरबान है

संजीव ठाकुर,
रायपुर

वह दूसरों की खुशहाली से परेशान,
दुनिया की चमक धमक से हैरान है।
खुद ने कभी ईमान का पसीना बहाया नहीं,
बिना श्रम के कोई नहीं बना धन
वान है।
धन की लिप्सा चाहत किसे नहीं होती।
बनना पहले हमें अच्छा इंसान है।
जग की रीत जिसने खोया उसी ने पाया है,
यहीं धरती पर ही दीन और ईमान है।
दूसरों की दौलत देख यह न सोच भाई,
उसका भाग्य सदैव कितना बलवान है।
जो जग में चमकता सितारा दिखता है,
सफलता के पीछे लुटा दी दिल और जान है।
आकाश में बह रहीं बहुत गर्म हवाएं।
दुआ है अमन रहे, हमारा तो सारा जहान है।
चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात है,
फिर तू क्यों इसी में इतना हैरान है।
गहन अंधेरों के बाद रोशनी होती ही है संजीव,
मत हो हलकान,ईश्वर सब पर एक सा मेहरबान है।

जीवन जीने की एक कला है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

गिरना , गिर कर उठना और
उठ कर फिर से निर्बाध पथ पर चलना
जीवन जीने की एक कला है
आत्मीय सपनों को हर हाल में
जीवित रखने की कोशिश करना
जीवन जीने की एक कला है
सुंदर आशाओं की कश्ती में
तूफानों का हो जब प्रहार
करुणा से भीगे मनतरंग पर
जब हों भावनाएँ अपार
श्यामल-कोमल अनुभूतियों पर
खुलते कल्पनाओं के द्वार
जीवन के उद्देश्य की पतंगें
उड़ पहुँच जातीं सागर पार
उन अप्रत्याशित उद्देश्यों की
डोरी थाम के आगे बढ़ते रहना
जीवन जीने की एक कला है
विश्वशांति से पहले स्वयं की
प्रशांति पर है विचार जरूरी
शांत हृदय के अनुभवों पर आगे कदम बढ़ाना जरूरी
राजनीति से दूर मन और मस्तिष्क में तालमेल जरूरी
चिंता एवं अनिश्चितता के मध्य सुनिश्चितता की बेल जरूरी
चिंतन, मनन, पठन, पाठन और
मंथन से मनोयोग व्यवस्थित रखना
जीवन जीने की एक कला है
बेज़ुबानों पर करुणा भाव है कर्तव्यों का ही परिचायक
बच्चों के भविष्य पर जागरूकता , है दूरदृष्टि की आदत
वृद्धों के अधिकारों पर मुहर श्रेष्ठ राजनीति की सोहबत
महिलाओं का सामाजिक उत्थान है
दैवत्व का अधिनायक
जागरूकता से समाज में नैतिक नई जागृति के गीत गाना
जीवन जीने की एक कला है।।

अनुभूति

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

स्वप्नों सी स्वप्निल अनुभूति,
अपनों सी निर्मल अनुभूति,
हृदयंगम कर लो अनुभूति,
है प्रेम प्रज्जवलन अनुभूति !
अनुभूतिहीन सब जग सूना,
संवेदनहीन शून्य जैसा,
सरगम सी मधुरिम अनुभूति, है,
जल प्रपात के कलरव सी
चंहु ओर विचरती अनुभूति!!
नीरसता से कोसों दूर,
नीरवता का आलंब लिए,
स्नेहिल हदयों की ये प्रतिध्वनि,
प्रकाश पूरित अनुभूति!!!
अनुभव की प्रशस्ति अनुभूति,
संवेगों का संगम अनुभूति,
मानव मन की ये संवेदना,
हो जन जन में जाग्रत अनुभूति !!!!
भौतिकता के मकड़जाल से,
मुक्ति दिलाती अनुभूति,
अंधकारमय कलियुग में,
प्रकाशपुंज है अनुभूति !!!!!!

यक्ष प्रश्न कलयुग का

कमलेश झा

हे धर्म राज यह भारत पूछ रहा आपसे यक्ष प्रश्न संभव हो तो हल कर दो यह भारत के यक्ष प्रश्न ।।
चार भाई के जीवन खातिर आपने हल किए सारे यक्ष प्रश्न
आज इस कलयुग में क्यों नहीं हाल कर रहे यह यक्ष प्रश्न ।।
माना भीम अर्जुन सा ना अब इस युग में है कोई बलवान
पर आप तो समदर्शी हैं इसका कहाँ आपको अभिमान ।।
उस युग में तो केवल चार जान थे संकट में
लेकिन आज तो पूरा भारत हीं है संकट में ।।
वहाँ तो केवल एक शकुनी जो गंदी चाले चलता था
यहाँ तो हर गली में शकुनि जो गंदी चाले चलता है ।।
वहाँ तो केवल एक दुर्योधन जिसको था सत्ता का भूख
यहाँ तो हर घरचौराहे पर दुर्योधन खोज रहा सत्ता का सुख ।।
एक धृतराष्ट्र मौन साधकर बुलाया कई संकट को
यहाँ तो धृतराष्ट्र का फौज खड़ा बुला रहा संकटों को ।।
एक शकुनी कंधार से आकर हस्तिनापुर मिटाने का रखा था दम
आज ना जाने कितने शकुनी भारत को मिटाने का करते जतन ।।
उन दुष्टों को तो झेल गए आप अपने दृढ़ विचारों से
अब इस भारत को कौन बचाए ऐसे कु विचारों से ।।
दुर्योधन संग एक दुशासन चीर हरण को था बेताब।
आज ना जाने कितने दुशासन चीरहरण को है तैयार ।।
उस युग में तो श्रीकृष्ण थे स्वयं विष्णु के अवतार
आज इस कलयुग में पूरा भारत हीं है निराधार ।।
सत्ता पाने के मद में सब के सब बन बैठे धृतराष्ट्र ।
भारत माता की गरिमा को कर रहे हैं तार-तार ।।
सेना की गरिमा को यह धूल धूसरीत करते हैं।
अपने खादी के काले छींटें को भारत माँ पर मढते हैं ।।
अगर उन्हें मौका मिले तो बोटी बोटी नोच कर खाएंगे ।
ऊपर से राक्षसी अट्टाहस कर हम आम जनता को डराएंगे ।।
जब आपने स्थापित किया खुशहाल शासन आपको भी
ना इसका होगा एहसास।
एक दिन इस भरतपुर का होगा ऐसा खस्ताहाल ।।
अब जनता त्रस्त हो चुका ऐसा यक्ष प्रश्न झेल कर
बस आपसे यही निवेदन आम जनता को शांति देदो
यक्ष प्रश्न हल कर ।।
यह ना कर सकते तो आपको पुनः धरा पर आना होगा।
संग अपने परीक्षित को लाकर पुनः एक कुशल शासक
छोड़कर जाना होगा ।।

कमलेश झा भागलपुर बिहार

जन जागरण

जागो हे भारत के सोए वीर तुम्हें जगाने आया हूँ ।
भारत की करुण वेदना को तुम्हें सुनाने आया हूँ ।।
पहले तो मुगलों के आतंक और अत्याचार पर चुप रहे ।
फिर अंग्रेजों की गुलामी कर भी तुम नींद से ना जाग सके ।।
अब भारत माता सिसक रही है अपनों के दुर्व्यवहार से ।
जागो हे भारत के सोए वीर अब तो इनके अत्याचार से ।।
उस दौर में जयचंद ने मुगलों से मिलकर किया धोखा ।
आज के दौर में तो जयचंदों का पग पग पर मिल रहा धोखा ।।
कभी दुश्मन की बोली बोल कर भारत का मान घटाता है ।
या फिर ड्रैगन संग कानाफूसी कर अंदर की बात बताता है ।।
वंदे मातरम कहने में भी इनको आती है बहुत शर्म ।
शर्त लगाकर भारत की मिट्टी में पलते हैं ये बेशर्म ।।
आतंकी को अपना चाचा तक कहने में ना करते परहेज ।

पति-पत्नी में गरिमापूर्ण परावलंबन होना चाहिए

शास्त्रों ने विवाह के प्रकार भी बताए हैं। लेकिन आज के समय में दो तरह की शादियां आमने-सामने हैं- लव-मैरिज और अरेंज मैरिज। अब लव मैरिज का प्रतिशत बढ़ गया है। इसमें कोई बुराई नहीं है। ये सारे इंतजाम दांपत्य जीवन आरंभ होने के पहले के हैं। फिर धीरे-धीरे परीक्षा की घड़ी आती है। जब पति-पत्नी के रूप में रहना पड़ता है। फिर वो चाहे अरेंज हो या लव, एक अलग किस्म का धैर्य काम करता है। एक शब्द होता है- स्वावलंबन और एक होता है परावलंबन (डिपेंडेंसी)। पति-पत्नी के बीच अब गरिमापूर्ण परावलंबन होना चाहिए। एक-दूसरे के बिना ये रह नहीं सकते और रहना भी नहीं चाहिए। सुख काटने के लिए भी साथी चाहिए। पहले कहते थे कि दुख में भी कोई न कोई साथ चाहिए, अब तो सुख में भी कोई साथ होना चाहिए। यदि सुख में कोई अच्छा साथ न हो तो वो सुख भी दुख में बदल जाता है। इसलिए पति-पत्नी एक-दूसरे पर अवलंबित रहें, पर समझ के साथ और तब इससे फर्क नहीं पड़ेगा कि वह विवाह लव मैरिज है या अरेंज मैरिज।

अपनी प्राथमिकताओं को लेकर भी सजग बने रहें

जब हमारा समय अच्छा हो और उस समय कोई उपलब्धि मिले, तो उसे भी अच्छे काम में लगाएं। जब ऐसा लगे कि भाग्य साथ दे रहा है, परिश्रम का फल मिल रहा है, आसपास अनुकूल लोग हैं, तो अपनी प्राथमिकताएं न भूलें। समझदार लोग कुछ प्राथमिकताएं तय करते हैं, फिर जीवन को गति देते हैं। और ऐसा भी होता है कि जब हम कुछ काम आरंभ करते हैं और हमें लगता है कि ये बहुत महत्वपूर्ण है, तो हम उसको प्राथमिकता में पहले क्रम पर रखते हैं। लेकिन वक्त इतनी तेजी से बदल रहा है कि कुछ समय बाद पता लगता है, जिसे बहुत महत्वपूर्ण समझते थे, उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ और निकला। हमें ये भी ध्यान रखना चाहिए कि हमारी अभी की प्राथमिकताएं कुछ समय बाद उतनी महत्वपूर्ण रहेंगी या नहीं। आज जिस तरह से दुनिया बदल रही है, कौन-सी बात कब छा जाए, कह नहीं सकते। इसलिए सजग रहिए। और सजग रहने का एक फॉर्मूला है। 24 घंटे में दो बार आती-जाती सांस पर ध्यान दीजिए, सजगता आ जाएगी। यह सजगता भौतिक जीवन में भी काम आएगी।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार 3, दिसंबर 2023

एग्जिट खत्म, 'एग्जैक्ट' आज

'को नृप होउ हमहि का हानी'' की कहावत अब इसलिए पुरानी हो गई क्योंकि यह धारणा आम आदमी में तब होती थी, जब राजा-महाराजाओं और सामंतों का जमाना था, जो कि वंशानुगत या तलवार की नोक पर सत्ता में काबिज होते थे और प्रजा की नियति केवल शासित होने की होती थी। लेकिन आज प्रजा ही राजा है और वहीं अपनी इच्छा और विवेक से अपनों ही में से चुनाव के द्वारा अपना राजा चुनती है, इसलिए चुनाव के प्रति जनता में भारी जिज्ञासा होना स्वाभाविक ही है।

वैसे भी भारत में लोगों की सबसे अधिक जिज्ञासा वाले विषयों में क्रिकेट और राजनीति ही शामिल है। चूंकि राजनीति में चमत्कार होते रहते हैं और चुनाव किसी को फर्श से अर्श पर तो किसी को अर्श से फर्श पर बिठा देते हैं। यानी कि राजा को रंक और रंक को राजा बना देते हैं। यही नहीं सत्ता की हनक के साथ ही राजनीति आज सर्वाधिक कमाई वाला व्यवसाय हो गया है, इसलिए लोगों की चुनाव नतीजों में बेहद रुचि होना स्वाभाविक ही है, इसीलिए टेलिविजन चैनल वाले और मीडिया के अन्य अंग कुछ व्यावसायिक ऐजेंसियों से 'एग्जिट पोल' कराते हैं जो 'एक्जेक्ट पोल' से पहले आम आदमी का ध्यान आकर्षित करा कर अपनी टीआरपी या दर्शक संख्या बढ़ाने के लिए होते हैं।

दरअसल, ये कभी सटीक या एक्जेक्ट होते हैं तो कभी पूरी तरह फेल भी हो जाते हैं, इसलिए राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के विधानसभा चुनावों के लिए कराए गए'एग्जिट पोल्स' से राजनीतिक दलों और उनके समर्थकों को न तो ज्यादा खुश होने और ना ही गमगीन होने की जरूरत है, उन्हें 3 दिसंबर को आने वाले ''ऐग्जेक्ट पोल'' का ही इंतज़ार करना चाहिए।

हमारे देश में कई एजेंसियां जनमत एकत्र कर उनका विश्लेषण करती हैं। चुनावों में जनता की नब्ज टटोलने के लिए किए गए एग्जिट पोल का लोग बेसब्री से इंतजार भी करते हैं। इन एजेंसियों में चाणक्य, सी-वोटर और माइ एक्सिस जैसी कुछ ऐजेंसियां काफी लोकप्रिय भी हैं। लेकिन आप अगर ताजा विधानसभा चुनावों को लेकर इन तीनों एजेंसियों के एग्जिट पोल की तुलना करें तो जमीन आसमान का जैसा अंतर नजर आता है।

एबीपी सी-वोटर मध्य प्रदेश में भाजपा को 88 से लेकर 112 सीट और कांग्रेस को 113 से लेकर 137 के बीच सीटें दे रहा है तो चाणक्य भाजपा को 151 और कांग्रेस को मात्र 74 सीटें दे रहा है। राजस्थान में भी वही हाल है। वहां एबीपी सी-वोटर भाजपा को 94 से लेकर 114 सीट तक और कांग्रेस को 71 से 91 तक सीटें दे रहा है जबकि चाणक्य के अनुसार राजस्थान में भाजपा को 89 और कांग्रेस को 101 सीटें मिल रही हैं। ऐसा ही विरोधाभास अन्य एजेंसियों के एग्जिट पोलों में भी है। जब स्यंभू जनता की नब्ज टटोलू एजेंसियों में इतना भारी अन्तर हो तो फिर वोटर आखिर विश्वास करे तो करे किस पर ?

जब एग्जिट पोल गलत साबित हुए-

एग्जिट पोलों से अक्सर चुनाव परिणामों से पहले जनता की रुचि का रुझान पता चल जाता है। लेकिन ऐसे भी कई उदाहरण हैं जबकि एग्जिट पोल चुनाव नतीजों की भविष्यवाणी करने में पूरी तरह झूठे साबित हुए हैं। ओपीनियन पोल तो लगता है राजनीतिक दलों के चुनावी प्रोपेगण्डा के ही हिस्से हो गए हैं।

बहरहाल एग्जिट पोल की बात करें तो उत्तर प्रदेश विधानसभा के 2017 के चुनाव में एग्जिट पोल ने मिश्रित परिणाम की भविष्यवाणी की है, कुछ ने विभिन्न पार्टियों के बीच कड़ी टक्कर का संकेत दिया। लेकिन जब परिणाम घोषित हुए तो वहां भाजपा ने भारी बहुमत से जीत हासिल की।

2017 में गुजरात के एग्जिट पोलों ने राज्य में भाजपा की भारी जीत की भविष्यवाणी की थी और पार्टी को लगभग 112-116 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की थी। जबकि पूर्वानुमानों के विपरीत, भाजपा को 182 में से 99 सीटें ही मिलीं।

दूसरी तरफ कांग्रेस ने वहां 77 सीटें जीतीं जबकि वहां अधिकतम 65 सीटें जीतने का अनुमान लगाया गया था। इसी तरह बिहार विधानसभा के 2015 के चुनाव में एग्जिट पोल में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए और ग्रैंड अलायंस (जेडी (यू), राजद और कांग्रेस के नेतृत्व वाले) के बीच कड़ी टक्कर की बात कही थी। हालाँकि, एग्जिट पोल के अनुमानों के विपरीत, ग्रैंड अलायंस ने निर्णायक जीत हासिल की।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 का उदाहरण भी हमारे सामने है। एग्जिट पोल में कई तरह की भविष्यवाणियां दिखाई गईं, जिनमें से कुछ ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी के बीच करीबी मुकाबले का संकेत दिया था। हालांकि, टीएमसी ने जबरदस्त जीत हासिल की और अधिकांश एग्जिट पोल के अनुमान ध्वस्थ हो गए।

सन् 2016 में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में भी एग्जिट पोल में अलग-अलग अनुमान पेश किए गए, कुछ में एआईएडीएमके को संभावित बढ़त का संकेत दिया गया और कुछ में कड़ी टक्कर का संकेत दिया गया। वास्तविक नतीजों में एआईएडीएमके को कई एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों को पार करते हुए बड़े अंतर से जीतते देखा गया।

ये उदाहरण भारत में चुनाव परिणामों की सटीक भविष्यवाणी करने में एग्जिट पोल के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करते हैं। विविध जनसांख्यिकी, क्षेत्रीय जटिलताएं, मतदाता व्यवहार और गठबंधन में बदलाव जैसे अनेक कारक एग्जिट पोल अनुमानों और वास्तविक चुनाव परिणामों के बीच सटीकता को संदिग्ध बनाते हैं। इसलिए, हालांकि एग्जिट पोल अक्सर रुझान तो ठीक ही बताते हैं लेकिन वे हमेशा अंतिम चुनावी परिणाम के विश्वसनीय संकेतक नहीं होते हैं।

चुनाव एग्जिट पोल मतदाताओं का मतदान केंद्रों से बाहर निकलने के तुरंत बाद लिया गया सर्वेक्षण है। जबकि वास्तविक मतदाताओं द्वारा मतदान करने से पहले किए गए इसी तरह के सर्वेक्षण को प्रवेश सर्वेक्षण या इंटेंस पोल कहा जाता है।

पोलस्टर या चुनावी सर्वेक्षक आम तौर पर मीडिया के लिए काम करने वाली निजी कंपनियां होती हैं जो चुनाव के नतीजों के बारे में शुरुआती संकेत पाने के लिए एग्जिट पोल करती हैं, क्योंकि कई चुनावों में वास्तविक परिणाम गिनने में कई घंटे लग सकते हैं।

एग्जिट पोल की शुरुआत कहां से ?

एग्जिट पोल की उत्पत्ति का श्रेय विभिन्न व्यक्तियों और अनुसंधान संगठनों को दिया जा सकता है जिन्होंने समय के साथ इस पद्धति के विकास और परिशोधन में योगदान दिया। विभिन्न शोधकर्ताओं और संगठनों द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीक के रूप में इसके विकास के कारण किसी एक वास्तविक आविष्कारक या एग्जिट पोल के संस्थापक की पहचान करना चुनौतीपूर्ण है।

हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका में आधुनिक एग्जिट पोलिंग तकनीकों को लोकप्रिय बनाने और परिष्कृत करने का श्रेय वॉरिन मिटोफ्स्की और जोसेफ वैक्सबर्ग को दिया जाता है। मिटोफ्स्की, एक अमेरिकी सर्वेक्षणकर्ता, को अक्सर एग्जिट पोलिंग के क्षेत्र में अग्रणी माना जाता है। उन्होंने एग्जिट पोल पद्धतियों को विकसित करने और मानकीकृत करने, उन्हें अधिक विश्वसनीय और सटीक बनाने पर काम किया।

सब की चिंता, आखिर जीतेगा कौन?

राजनीतिक दलों के लिए 'पूरे दिन' चल रहे हैं। कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में इन दलों का जी मचल रहा है। सीटों की उल्टियाँ हो रही हैं। मन करता है - सागर से मोती छीन लें। दीपक से ज्योति छीन लें। पत्थर से आग लगा दें। सीने से राज चुरा लें। कुल मिलाकर पार्टियाँ हैरान हैं, लेकिन लोग इनसे भी ज़्यादा परेशान हैं। अंदाज़े ऐसे लगाते हैं जैसे वोटिंग मशीन के भीतर से ही निकलकर आए हों! सारे वोट गिन चुके। तमाम सीटों की थाह ले चुके। बस, रिज़ल्ट अब एक औपचारिकता भर रह गई है। यहाँ से तो वही जीतेगा।

उसकी हार तो पक्की ही समझो। देखा था - गाँव में, मोहल्लों में उनकी बसें चार बार आईं थीं। बसें भर- भरके ले गए थे। नाश्ता भी कराया था। गलियों में, चौराहों पर, बैठकों में एक ही बात। कौन जीतेगा? इसी बात पर, बात बढ़ जाती है। झगड़े तक पहुँच जाती है। एक- दो दिन अबोला रहता है। फिर वही, जीत, हार, सीटें और वोट। फिर झगड़ा। फिर अबोला। फिर बातचीत...।

वैसे हमारा इन नेताओं से कोई लेना-देना नहीं होता। फिर भी लगे रहते हैं हिसाब लगाने में। जानते हैं उन्हें हमारी पड़ी ही नहीं है, लेकिन बात इन्हीं की करते हैं। फिर सोचने में आता है कि जब दिन - रात उनकी जीत- हार का इतना हिसाब लगाते फिरते हैं तो कुछ तो चाहत रहती ही है। नहीं, हम यह नहीं चाहते कि ये नेता हमें चाहें! बस, इतनी सी चाहत रहती है कि कोई हमारा मुन्तज़िर हो। जब हम आएँ, कोई तो दरवाज़ा खोले। हम अपना ताला खुद ही खोलते- खोलते थक गए हैं। बस इतना चाहते हैं कि कोई पूछे- नमक चाहिए क्या? पानी पीएंगे क्या? हमें आख़िर चाहिए ही क्या? फ़क़त दो रोटियाँ। एक भुनी हुई मिर्ची! और कुछ भी नहीं। हम तो अपनी थाली भी खुद ही धोकर पी लेंगे। कहो तो बर्तन भी साफ़ कर देंगे। बस, इतना चाहते हैं कि हम आएँ तो कोई दरवाज़ा खोल दे, बस!

सही है, अब तो हम सब वोट दे चुके हैं। आप नेताओं का इसके बाद कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकते, लेकिन ये दरवाज़ा खोलने की इल्तिजा को कहीं हमारी मजबूरी मत मान लेना। क्योंकि अब तो ज़्यादातर सरकारें पूरे पाँच साल भी नहीं चला करतीं। ये चुनाव हैं। कभी भी आ टपकते हैं।

जानते हैं जंगल के चीतों से भी ज़्यादा जालिम हो तुम। ज़माने भर से नाखून तेज हैं तुम्हारे! मगर इस सब का कोई तो सिरा होगा? कितनी रातें और निगलोगे इन मजबूर रूहों को? सब समझते हैं जब जीतोगे, ठंडी रातों को दहशत से भर दोगे। तुम्हारी भूख शैतानी है। आख़िर कब मिटेगी? इसका कोई तो अंत होगा? कहाँ पर ख़त्म होगी?

खैर, ये हुई नेताओं की बात। जब जीतेंगे, हमारी तरफ़ से मुँह मोड़ लेंगे। हमेशा से ऐसा ही होता आया है। आगे भी ऐसा ही होता रहेगा, क्योंकि हमें अपनी ताक़त का अंदाज़ा नहीं है। समय ऐसे ही गुजरता जाएगा, क्योंकि इस उम्र तक, इस जमाने में बहुत से सूरज बुझ चुके। सैकड़ों चाँद सो गए! आख़िर अपनी बाँहें चढ़ाकर कोई वक्त को कब रोक पाया है? नेता आएँगे। उसी तरह हाथ जोड़ेंगे। हम उन्हें जिता देंगे और वे मंत्री बनकर फिर हमारी जेब में हाथ डालेंगे। दरअसल, हम उनसे कभी कह ही नहीं पाए कि ना, हमारी जेब में हाथ मत डालो तुम! वो सिर्फ़ हमारी है। किसी और का दखल जायज़ नहीं है इसमें। बहुत सी चीजें पड़ी हैं इस जेब में। हमारी बैंक बुक, हमारे क़र्ज़े,और लेटर्स भी। हमारी जो मुश्किलें हैं, उन्हें तुम हल कर नहीं सकते। वो रहने दो। तुम्हारी दोस्ती काफ़ी है बस। तुम्हारी चीजों की चिंता हम नहीं करते। हमारी चिंता तुम भी मत करो! हमारे दरमियाँ ये आसमाँ, बिन बादलों के, साफ़ रहने दो। वो काफ़ी है। मौजूदा हालात पर कहना ग़लत नहीं होगा कि ...फौलाद के बूट हैं सियासतदानों के! चींटियों का रोना आख़िर किसने सुना है? बहरहाल, हाल जो भी हों, नेता और आम आदमी का रिश्ता जो वर्षों से चला आ रहा है, ऐसा ही रहना है। सरकारें आती- जाती रहेंगी। बदलती रहेंगी या जमी रहेंगी। फ़िलहाल ठंड के दिन हैं। होंठ बड़बड़ा रहे हैं, जैसे बददुआ दे रहे हों! दाँत किटकिटा रहे हैं जैसे खाने को दौड़ रहे हों! ... और हवा सांय- सांय कर रही है, जैसे अपने ही पहलू में बैठकर रो रही हो! कोई ख़ुशी नहीं है। कहने को ग़म भी नहीं ही है। एक चिंता है। बस, एक ही... कि जीतेगा कौन? किसकी सरकार बनेगी? कौन उसे पटखनी देगा जो हम सबको पटखनी देता फिरता है? वो हारेगा या नहीं, जो हमारी चिंताओं, समस्याओं को किसी बदबूदार कूड़े में फेंकता रहता है। चाय की चुस्कियों और पकौड़ों की गर्मी के बीच बस यही चर्चा चलती रहती है। तीन दिसंबर के बाद तो हमारे और तुम्हारे पास सिर्फ काम ही काम रह जाएंगे। फिर कौन किससे कब मिलता है यह तो वक्त ही बताएगा।

निखिल गुप्ता का शूटर निकला अंडरकवर एजेंट

पन्नू की हत्या की साजिश कैसे खुली

अमेरिका ने अपनी जमीन पर एक साजिश के पर्दाफाश का दावा किया है। जिसके तार भारत से जुड़ते हैं। अमेरिकी अदालत में पेश दस्तावेजों के मुताबिक भारत सरकार के एक कर्मचारी ने निखिल गुप्ता नाम के शख्स को एक अमेरिकी नागरिक पन्नू की हत्या के निर्देश दिए। निखिल ने 83 लाख रुपए में एक हिटमैन को हायर किया। हालांकि, प्लानिंग सफल होने से पहले ही निखिल गुप्ता की गिरफ्तारी हो गई। अमेरिका का दावा है कि निखिल की हिटलिस्ट में पन्नू के साथ कम से कम 4 लोग थे। अमेरिका ने टॉप लेवल पर ये मुद्दा उठाया है। भारत की प्रतिक्रिया है कि वो इन आरोपों को गंभीरता से ले रहा है और 18 नवंबर को ही एक उच्च स्तरीय जांच समिति बना दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मुख्य टारगेट भारतीय मूल का अमेरिकी-कैनेडियन नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू था। ये अलग खालिस्तान की मांग करता है और भारत में आतंकी घोषित है। अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने मैनहटन कोर्ट में एक अभियोग दायर किया है। इसके मुताबिक, कहानी के 5 प्रमुख किरदार हैं...।

अमेरिका में दायर केस के अनुसार सीसी-1 एक भारतीय सीक्रेट एजेंट है। जो फील्ड ऑफिसर है। ये इंडिया में ही दिल्ली से ऑपरेट करता है। ये सरकारी सिक्योरिटी मैनेजमेंट और इंटेलिजेंस के काम में शामिल है। पहले ये केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में रह चुका है। यह अच्छी तरह से ट्रेंड है, जिसे हथियार चलाने और युद्ध नीति की ट्रेनिंग मिली हुई है। केस डायरी के अनुसार, उसने ही पूरी साजिश रची। सीसी-1 का नाम क्या है, इसका अमेरिका ने खुलासा नहीं किया है।

चार्जशीट के मुताबिक सीसी-1 ने अपने काम के लिए निखिल गुप्ता को चुना। निखिल एक 52 वर्षीय भारतीय नागरिक है। उस पर ड्रग्स और हथियारों की स्मगलिंग के आरोप हैं। सीसी-1 ने निखिल से वादा किया कि भारत में उसके केस दबा दिए जाएंगे, बदले में उसे इस साजिश को अंजाम देना होगा।

निखिल गुप्ता ने इस काम के लिए अमेरिका में किसी अपराधी की तलाश शुरू कर दी। उसकी मुलाकात न्यूयॉर्क में एक शख्स से हुई। अमेरिकी चार्जशीट में उसका कोड नेम सीएस लिखा है।

निखिल जिस सीएस के संपर्क में आया, वो अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट का एक क्रेडिबल सोर्स निकला। जो खुफिया तरीके से अमेरिकी प्रशासन के लिए काम करता था। सीएस ने ही अमेरिकी अधिकारियों तक पूरी खबर पहुंचा दी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स सीएस को क्रेडिबल सोर्स के तौर पर डिकोड कर रही हैं।

सीएस ने पन्नू के मर्डर के लिए निखिल गुप्ता को एक हिटमैन से मिलवाया। ये हिटमैन अमेरिकी खुफिया विभाग में एक अंडर कवर एजेंट था, जो शूटर होने का दिखावा कर रहा था। चार्जशीट के मुताबिक इसी एजेंट ने निखिल गुप्ता की सभी गतिविधियों और बातचीत को रिकॉर्ड किया। सबूत जुटाने के लिए एडवांस पैसे भी लिए। इसी के आधार पर पूरा केस बनाया गया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स UC को अंडर कवर के तौर पर डिकोड कर रही हैं।

गुरपतवंत सिंह पन्नू मूलरूप से पंजाब के खानकोट का रहने वाला है। वो फिलहाल अमेरिका में रहता है और सिख फॉर जस्टिस नाम का संगठन चलाता है। उसके पास अमेरिका और कनाडा दोनों देशों की नागरिकता है। भारत सरकार ने 2019 में आतंकी गतिविधियां चलाने के आरोप में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत पन्नू के संगठन एसएफजे पर बैन लगाया। सिखों के लिए रेफरेंडम की आड़ में एसएफजे पंजाब में अलगावावाद और उग्रवादी विचारधारा का समर्थन कर रहा था।

कैसे होती है वोटों की गिनती

अंदर कौन-कौन मौजूद होता है ? गड़बड़ी की शिकायत किससे करें

महज कुछ घंटों का और इंतजार। आज 3 दिसंबर की सुबह 8 बजे से ईवीएम का पिटारा खुल जाएगा। उसमें दर्ज जनता के वोटों की गिनती से तय होगा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में अगली सरकार किसकी बनेगी। कैसे होती है वोटों की गिनती, काउंटिंग हॉल में कौन-कौन मौजूद होता है, कोई गड़बड़ी होने पर कहां शिकायत करें ।

इलेक्शन कमीशन के मुताबिक वोटों की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू होती है। किसी विशेष परिस्थिति में समय में बदलाव भी किया जा सकता है। सबसे पहले बैलेट पेपर और ईटीपीबीएस यानी इलेक्ट्रानिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम के जरिए दिए गए वोटों की गिनती होती है। इस माध्यम से आमतौर पर सरकारी कर्मचारी वोट करते हैं। सर्विस वोटर में सैनिक, चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारी, देश के बाहर कार्यरत सरकारी अधिकारी और प्रिवेंटिव डिटेंशन में रहने वाले लोग होते हैं। इस प्रक्रिया में करीब आधे घंटे का समय लगता है।

साढ़े आठ बजे के बाद सभी टेबलों पर एक साथ ईवीएम के वोटों की काउंटिंग शुरू होती है। मतगणना केंद्र पर मौजूद रिटर्निंग ऑफिसर यानी आरओ प्रत्येक राउंड की गिनती के बाद रिजल्ट बताते हैं और इसे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भी अपडेट किया जाता है। मतों की गिनती का पहला रुझान सुबह 9 बजे से आना शुरू हो जाएगा।

चुनाव आयोग के मुताबिक, ईवीएम के वोटों के अंतिम 2 राउंड की गिनती तभी की जा सकती है, जब निर्वाचन क्षेत्र के सभी डाक मतपत्र पहले ही गिने जा चुके हों। साफ है कि ईवीएण पर वोटों की गिनती में लगने वाला समय वास्तव में इस बात पर भी निर्भर करता है कि मैनुअली डाक मतपत्रों की गिनती में कितना समय लगता है।

मतगणना का प्रोटोकॉल क्या होता है ?

रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल्स एक्ट-1951 के सेक्शन 128 और 129 के मुताबिक, मतगणना से जुड़ी जानकारी को गुप्त रखना बहुत जरूरी है। मतगणना से पहले कौन से अधिकारी किस निर्वाचन क्षेत्र की और कितने नंबर के टेबल पर गिनती करेंगे, ये सारी जानकारी पहले नहीं बताई जाती है। सुबह 6 बजे तक सभी अधिकारियों को मतगणना सेंटर पहुंचना होता है। इसके बाद जिले के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और मतगणना केंद्र के रिटर्निंग ऑफिसर रैंडम तरीके से सुपरवाइजर और कर्मचारी को हॉल नंबर और टेबल नंबर अलॉट करते हैं। किसी एक मतगणना हॉल में काउंटिंग के लिए 14 टेबल और 1 टेबल रिटर्निंग अधिकारी के लिए लगा होता है। किसी हॉल में 15 से ज्यादा टेबल लगाने के नियम नहीं है। हालांकि, विशेष परिस्थिति में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के आदेश पर टेबल की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

हर उम्मीदवार के कितने एजेंट

मतगणना के दौरान सभी टेबलों पर हर उम्मीदवार की ओर से एक एजेंट होता है। वहीं एक एजेंट रिटर्निंग ऑफिसर के पास बैठता है। इस तरह एक हॉल में किसी भी उम्मीदवार की ओर से 15 से ज्यादा एजेंटों को मौजूद रहने की अनुमति नहीं दी जाती है। विशेष परिस्थिति में टेबल की संख्या बढ़ाए जाने पर एजेंटों की संख्या बढ़ सकती है। एक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक ही काउंटिंग सेंटर होता है। संसदीय क्षेत्र के लिए मतगणना एक से ज्यादा जगहों पर भी की जा सकती है।

एजेंटों की नियुक्ति

उम्मीदवार खुद अपने एजेंट चुनता है और स्थानीय निर्वाचन अधिकारी से अप्रूव करवाता है। निर्वाचन संचालन अधिनियम 1961 के प्रारूप- 18 में इस तरह के नियुक्ति की बात कही गई है। मतगणना एजेंटों की लिस्ट नाम और फोटो सहित काउंटिंग की तारीख से तीन दिन पहले जारी की जाती है।

मतगणना के दौरान हॉल के अंदर गड़बड़ी न हो इसके लिए कुछ सावधानियां बरती जाती हैं। जैसे...

काउंटिंग के समय रिटर्निंग अधिकारी चाहें तो किसी भी एजेंट की तलाशी ले सकते हैं। हर उम्मीदवार के एजेंट को एक तरह के बैज दिए जाते हैं, ताकी उन्हें देखकर समझ आ जाए कि वो किस उम्मीदवार के एजेंट हैं। एक बार हॉल में आने वाले एजेंट को गिनती खत्म होने तक बाहर जाने की अनुमति नहीं होती है। रिटर्निंग अधिकारी हॉल से किसी भी व्यक्ति को निर्देश नहीं मानने पर बाहर कर सकते हैं। हॉल के पास ही पीने का पानी, टॉयलेट, भोजन आदि की व्यवस्था रहती है।

मतगणना में तैनात कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों के अलावा किसी को भी हॉल में मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होती है। हॉल में मौजूद पर्यवेक्षक अधिकारी हर राउंड की गिनती के बाद रेंडम किसी दो टेबल को सेलेक्ट करके दोनों टेबल के वोटों का मिलान करता है। जब रिजल्ट का सही से मिलान हो जाता है तभी इसे डन कर वेबसाइट पर इसे अपडेट किया जाता है।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी के मुताबिक, अगर मतगणना क्षेत्र के आसपास यानी 50 मीटर के अंदर ये 4 परिस्थितियां दिखें तो रिटर्निंग ऑफिसर से शिकायत कर सकते हैं।

अगर कोई व्यक्ति मतगणना क्षेत्र में घुसने की कोशिश करे या फिर घुस जाए। मतगणना क्षेत्र के आसपास अगर किसी व्यक्ति की एक्टिविटी पर आपको शक हो। अगर किसी व्यक्ति के पास आपने कोई हथियार देखा है। रिजल्ट आने के बाद आप उससे खुश नहीं हैं और आपको लग रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम में कोई गड़बड़ थी।

अगर रिटर्निंग ऑफिसर एक्शन नहीं लेता तो क्या करें ?

मतगणना के दिन किसी भी तरह की गड़बड़ी की शिकायत वहां मौजूद रिटर्निंग ऑफिसर से करें। वह शिकायत पर एक्शन नहीं लेते हैं तो जिला निर्वाचन अधिकारी के पास फोन के जरिए, लिखित, फैक्स या फिर ईमेल से शिकायत कर सकते हैं। इसके अलावा चुनाव आयोग से सीधे तौर पर शिकायत कर सकते हैं। शिकायत के लिए दिल्ली स्थित इलेक्शन कमीशन के ऑफिस में एक कंट्रोल रूम भी बना है।

क्या शिकायत कुछ दिन बाद भी की जा सकती है ?

नहीं, इसकी शिकायत फौरन करनी चाहिए। आपको जैसे ही गड़बड़ी की आशंका हो ऑन द स्पॉट बताएं। देर करने का कोई मतलब नहीं। चुनाव आयोग ने इसके लिए 24 घंटे के अंदर का वक्त तय किया है।

यानी 3 दिसंबर को मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में काउंटिंग है। उस दिन सुबह 8 बजे से दूसरे दिन सुबह 8 बजे तक ही शिकायत कर सकते हैं। एक बार रिजल्ट आ गया और नतीजों से आप खुश नहीं हैं तो उस रिजल्ट को सिर्फ कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।

मतगणना में गड़बड़ी होने पर यहां करें शिकायत

टोल फ्री नंबर
1800111950, 1950

इमेल आईडी
complaints@eci.gov.in

फैक्स नंबर
011-23052219/23052162

Source : ECI

मतगणना केंद्र पर गड़बड़ी के दोषी पाए गए तो क्या होगा?

रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल्स एक्ट-1951 के सेक्शन 136 के तहत मतगणना केंद्र पर गड़बड़ी करने वाले कर्मचारी और नागरिक दोनों के लिए सजा का प्रावधान है। दोषी पाए जाने वाले को 6 महीने से 2 साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकता है। किसी केंद्र पर वोटिंग मशीन बदलने या उसमें छेड़छाड़ की शिकायत मिलती है तो रिटर्निंग ऑफिसर तुरंत इसकी जांच करता है। अगर यह साबित हो जाता है कि वोटिंग मशीन से छेड़छाड़ की गई है तो उसे अलग रखा जाता है। उसमें रिकॉर्ड मतों की गिनती नहीं की जाती है। इसकी सूचना राज्य और केंद्र के चुनाव आयोग कार्यालय को दी जाती है। पूरी तरह से मतगणना को रोकना जरूरी नहीं है। सिर्फ जिस मशीन को लेकर शिकायत मिली है, उसे ही अलग रखा जाता है।

नेपाल के बाद पूरे भारत में इकलौता है

पशुपतिनाथ का यह 5000 वर्ष पुराना मंदिर, देश विदेश से आते हैं पर्यटक

आज हम आपको एक ऐसे प्राचीन शिव मंदिर के दर्शन कराते हैं, जो नर्मदा नदी की संगमरमर वादियों की खूबसूरती के किनारे स्थापित है। जिसे पूरे देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पशुपति नाथ के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि मंदिर में आने वाले हर भक्तो की मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

हजारों साल पुराना है शिवलिंग का इतिहास

भगवान भोलेनाथ का धाम पशुपतिनाथ मंदिर नर्मदा किनारे बसे ग्राम गोपालपुर के अति प्राचीन पशुपतिनाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में विराजे पंच मुखी भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग पूरे विश्व मे इकलौता शिवलिंग कहा जाता है। जिसके दर्शन मात्र से ही भगवान भोलेनाथ अपने भक्तों की हर मनोकामनाएं पूर्ण कर देते है।इसके साथ ही इस मंदिर से मां नर्मदा का विहंगम दृश्य भगवान भोलेनाथ के इस पशुपतिनाथ मंदिर को और भी खास बना देता है।

यहां पर आने वाले शिव भक्त मां नर्मदा में स्नान कर उनका जल भगवान भोलेनाथ को चढाते है, जिससे भगवान भोलेनाथ की कृपा भक्तो पर बरसने लगती है। यहां के मुख्य पुजारी पंडित राजेश शास्त्री ने कहा कि यह पशुपतिनाथ मंदिर पूरे विश्व मे दूसरा पशुपतिनाथ मंदिर है। पहला नेपाल के काठमांडू दूसरा जबलपुर के लम्हेटा घाट स्थित गोपालपुर में स्थापित है और यह

मंदिर शास्त्रों के अनुसार लगभग 5 हजार वर्ष पुराना बताया जाता है, जबकि पुरातत्व के अनुसार ये16 वीं शताब्दी का माना जाता है।

बाणासुर जैसे महाअसुर ने भी यहां की थी आराधना।

भगवान पशुपतिनाथ के इस मंदिर में बाणासुर जैसे महाअसुर ने भी भोलेनाथ की घोर तपस्या की थी। ऐसा कहा जाता है राजा बलि ने भी अपना 100 अश्वमेध यज्ञ यहां पर संपन्न किया था जिसका वर्णन पुराणों में भी किया गया है। इस मंदिर को लेकर यह भी कहा जाता है कि अपने वनवास काल के दौरान प्रभु श्री राम ने भी यहां पर ठहरकर भगवान भोलेनाथ के इस पंचमुखी शिवलिंग की आराधना की थी।

पंचमुखी है भगवान पशुपतिनाथ का यह शिवलिंग

मंदिर के पुजारी राजेश शास्त्री ने इस मंदिर में विराजित भगवान पशुपतिनाथ के इस शिवलिंग के बारे में विस्तार से बताया कि इसे पंचमुखी शिवलिंग क्यों कहा जाता है। उन्होंने बताया कि इस शिवलिंग में भगवान भोलेनाथ के अलावा गणेश भगवान कार्तिकेय और नंदी जी की आकृति आपको दिखेगी जिसे नंदेश्वर शिवलिंग भी कहा जाता है। इसके अलावा इसमें माता भगवती की आंखें और भोलेनाथ का त्रिशूल भी देखने को मिलता है, इस प्रकार भगवान भोलेनाथ का पूरा परिवार आपको इस शिवलिंग में देखने को मिलेगा।

मां नर्मदा के किनारे स्थापित भगवान भोलेनाथ के इस अनोखे रूप को जो भक्त एक बार देख लेता है वह भक्त हर सोमवार को इस मंदिर में आने को अपने आप ही मजबूर हो जाता है और यही कारण है कि प्राचीन भगवान भोलेनाथ का यह मंदिर शिव भक्तों में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मृत्यु को जीतने का महामंत्र है

महामृत्युंजय मंत्र, कैसे हुई इसकी रचना

सनातन धर्म में भगवान शिव को देवाधिदेव महादेव की उपाधि दी जाती है। माना जाता है कि भगवान शिव की आराधाना करने से भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। इसके साथ ही महादेव की आराधना के लिए समर्पित महामृत्युंजय मंत्र को भी बहुत ही प्रभावशाली माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि महामृत्युंजय मंत्र की रचना किसने और क्यों की?

महामृत्युंजय मंत्र -

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्-मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

अर्थ - हम त्रिनेत्र धारी भगवान शिव की पूजा करते हैं, जो इस पूरे संसार का पालन-पोषण करते हैं। जिस प्रकार फल शाखा के बंधन से मुक्त हो जाता है, ठीक उसी हम भी मृत्यु और नश्वरता से मुक्त हो जाएं।

ऐसे रचा गया महामृत्युंजय मंत्र

पौराणिक कथा के अनुसार, ऋषि मृकण्डु शिव के अनंत भक्त थे। उनके कोई संतान नहीं थी इसलिए उन्होंने संतान प्राप्ति हेतु भगवान शिव की कठोर तपस्या की, जिससे भगवान शिव प्रसन्न हो गए। महादेव ने ऋषि मृकण्डु को संतान का आशीर्वाद तो दिया, लेकिन साथ ही यह भी बताया कि उनकी संतान अल्पायु तक ही जीवित रहेगी। इसके कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु के घर में पुत्र ने जन्म लिया, जिसका नाम मार्कण्डेय रखा गया। अपने पिता की तरह ही मार्कण्डेय जी भी भगवान शिव के परम भक्त थे। वह भी महादेव की भक्ति में ही लीन रहते थे। मार्कण्डेय जी के माता-पिता हमेशा इस दुख से घिरे रहते थे, कि उनका पुत्र केवल 16 वर्ष तक ही जीवित रहेगा। माता-पिता के इस दुख को दूर करने के लिए ऋषि मार्कण्डेय ने महामृत्युंजय मंत्र की रचना और शिव मंदिर में बैठकर इसका अखंड जाप करते रहे। जब उनकी मृत्यु का समय निकट आया तो यमदूत उनके प्राण हरने के लिए वहां पहुंचे। लेकिन ऋषि मार्कण्डेय को शिव भक्ति में लीन देख वह वापस लौट गए और सारी बात यमराज को बताई। इसके बाद यमराज स्वयं उनके प्राण हरने के लिए पहुंचे और उन पर अपना पाश चला दिया। इस दौरान मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए, जिस कारण पाश शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता देखकर शिव जी क्रोधित होकर वहां प्रकट हो गए। तब यमराज ने शिव जी से कहा कि इस बालक की मृत्यु तय है और यही विधि के विधान है। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान दिया, जिससे विधि का विधान ही बदल गया।

नए साल के दिन इन चीजों की करें खरीदारी मां लक्ष्मी होंगी मेहरबान

नए साल की शुरुआत होने वाली है। सभी को इसका इंतजार बेसब्री से है। क्योंकि नया साल हम सभी के लिए नई उम्मीदें और नए अवसर लेकर आता है। ये साल सभी के लिए बहुत खास होता है। कुछ लोग इस दौरान घर में पूजा पाठ का आयोजन भी कराते है ताकी पूरे साल परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहें। वहीं कुछ लोग जीवन में कुछ नया करने का प्रण भी लेते है। आमतौर पर लोग अपने अधूरे काम को नए वर्ष पर पूरा करने की योजना बनाते है। नए साल के मौके पर नई वस्तुओं की खरीदारी भी की जाती है। हालांकि, कुछ ऐसी चीजें भी हैं, जिन्हें नए साल पर खरीदना शुभ माना जाता है।

नए साल के शुभ अवसर पर किन चीजों की खरीदारी करनी चाहिए।

तुलसी का पौधा

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष

महत्व होता है। इसे घर में रखने से परिवार में सकारात्मकता बनी रहती है। हालांकि, इस दौरान कई नियमों का पालन भी किया जाता है। वहीं नए साल पर यदि आप तुलसी के पौधे को खरीदते हैं तो ये बेहद शुभ माना जाता है।

दक्षिणावर्ती शंख

हिंदू धर्म में दक्षिणावर्ती शंख का खास महत्व होता है। माना जाता है कि जिस घर में दक्षिणावर्ती शंख होता है वहां मां लक्ष्मी भी वास करती हैं। इसलिए नए साल पर अक्सर लोग दक्षिणवर्ती शंख को घर लाते है। इससे पूरे साल मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

मोर का पंख

नए साल के मौके पर सभी को मोर का पंख जरूर खरीदना चाहिए। मोर पंख भगवान श्री कृष्ण को अत्यंत ही प्रिय है और इसे खरीदने से घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत रहती है।

लघु नारियल

नए साल पर लघु नारियल की खरीदें और पूजा के बाद इसे तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। साथ ही परिवार में समृद्धि बनी रहेगी।

धातु का कछुआ

नए साल पर आप धातु के कछुए को भी खरीद सकते है। इसे सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। ऐसी माना जाता है कि जिस घर में ये कछुआ होता है वहां कभी भी पैसे की तंगी नहीं होती है। साथ ही इसे ऑफिस या दुकान में रखने पर खूब तरक्की मिलती है।

घर में इस दिशा में रखें फिश एक्वेरियम

परिवार में बढ़ेगा प्रेम, दिन दुगनी रात चौगुनी मिलेगी तरक्की

फिश एक्वेरियम घर की खूबसूरती बढ़ाने के साथ वास्तु और ज्योतिष शास्त्र के लिए उपयुक्त हैं। इसलिए घर में मछली पालने से होने वाले लाभ के बारे में पता होना चाहिए। तो आइए आपको फिश एक्वेरियम के लाभ के बारे में बताते हैं।

फिश एक्वेरियम में कितनी मछलियां रखना शुभ?

घर पर एक्वेरियम रख सकते हैं। एक बात जरूरी है कि फिश एक्वेरियम में कम से कम 9 मछलियां होनी चाहिए। अगर आपके घर या ऑफिस में एक्वेरियम है तो यह नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश को रोकने का काम करेगा। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मछली निगेटिव एनर्जी का प्रवेश करने से रोकती है।

फिश एक्वेरियम का लाभ

मछली शुभ शकुन का प्रतीक है। अगर आपके घर में मछलियां हैं तो आपके घर पर पर लोगों की बुरी नजर नहीं

लगेगी। इसलिए घर में फिश एक्वेरियम रखना जरूरी है।

फिश एक्वेरियम की मछली मरना शुभ या अशुभ?

अगर आपने मछलियां पाल रखी हैं। उनमें से कोई मछली एक्वेरियम में मर जाती है, तो इस मतलब है कि आपके घर में कोई विपदा आने वाली थी। जिससे मछली ने अपने ऊपर ले लिया है।

किस दिशा में रखें फिश एक्वेरियम?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, फिश एक्वेरियम दक्षिण-पश्चिम कोने में रखना चाहिए। घर में आने वाले हर शख्स की नजर एक्वेरियम पर पड़े। घर में मछली पालने से मानसिक शांति मिलती है। यह तनाव से राहत देता है।

किस दिशा में तुलसी का पौधा लगाना होता है शुभ

हिन्दू धर्म में तुलसी का पौधा घर में रखना एक प्राचीन परंपरागत रीति है और इसमें धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व होता है। यह पौधा सामान्यतः घर के पूजा स्थल में, मंदिर में, या घर के उत्तर दिशा में रखा जाता है। तुलसी का पौधा घर में रखने के लिए हिन्दू धर्म में विशेष महत्वपूर्ण रीतिरिवाज है और यह पौधा धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टि से अधिकतर भारतीय घरों में पाया जाता है। तुलसी का पौधा आमतौर पर दो तरीकों से रखा जाता हैः

इस दिशा में रखना चाहिए तुलसी का पौधा

वास्तु के अनुसार तुलसी का पौधा घर के उत्तर दिशा, ईशान कोण या फिर पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। वैसे उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाना सबसे शुभ माना जाता है। इसे उत्तर दिशा में रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों को मानसिक शांति और सुकून मिलता है। यह धार्मिक और आध्यात्मिक क्रियाओं के लिए भी एक शुभ स्थान माना जाता है।

क्यों की जाती है पंचक्रोशी यात्रा, क्या है इसका महत्व एवं पौराणिक कथा

काशी नगरी अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। भगवान शिव के भक्तों के लिए पंचक्रोशी यात्रा बहुत खास होती है क्योंकि महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर भगवान शिवजी के भक्त पंचक्रोशी यात्रा करते हैं। पंचक्रोशी यात्रा करने से श्रद्धालुओं को अक्षय फल की प्राप्ति होती है। पंचक्रोशी यात्रा करने के लिए देश विदेश से लोग काशी पहुंचते हैं। पंचक्रोशी यात्रा शुरू करने से पहले आपको पांचों पड़ावों और वहां स्थित मंदिरों के महत्व के बारे में भी पता होना आवश्यक है। इसके लिए सबसे पहले आपको यह जान लोना चाहिए कि यह यात्रा कैसे, कहां से और कब शुरू करनी चाहिए।

पंचक्रोशी यात्रा का महत्व

हिंदू धर्म के हर अनुयायियों का यह दायित्व बनता है कि वह पंचक्रोशी यात्रा अवश्य करे। काशीखंड के 22वें अध्याय में ब्रह्माजी ने कहा है कि काशी का नाम मात्र लेने से, काशी का नाम जपने मात्र से और काशी में प्रवेश करने मात्र से व्यकित को नाना प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, किसी भी

जाने अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति पाने के लिए पंचक्रोशी यात्रा विधान है। पंचक्रोशी यात्रा 76 किलोमीटर में फैली हुई यात्रा है।

कैसे शुरू की जाती है पंचक्रोशी यात्रा

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के पास ज्ञानवापी से संकल्प लेने के बाद पंचक्रोशी यात्रा शुरू की जाती है। श्रद्धालु कूप का जल अपनी संजोली में लेकर इस यात्रा को शुरू करने का वचन लेते हैं। यह एक तरह से यात्रा पूरी करने का संकल्प होता है। हालांकि पंचक्रोशी यात्रा मणिकर्णिका घाट से शुरू होती है और इसका समापन भी यहीं होता है। यदि मन में कोई इच्छा होती है तो उसको पूरी करने के लिए पंचक्रोशी यात्रा सबसे उत्तम मानी जाता है। पंचक्रोशी यात्रा में पांच पड़ाव हैं जिनसे गुजरने के लिए श्रद्धालुओं को करीब 50 मील की दूरी तय करनी होती है। पंचक्रोशी यात्रा के दौरान दाहिनी तरफ तमाम छोटे छोटे लाल रंग के मंदिर दिखेंगे जिनपर उनका नाम और क्रमांक भी अंकित होता है। पांचों पड़ावों पर पांच बड़े मंदिर हैं जो आस्था के केंद्र माने जाते हैं। इन मंदिरों के पास करीब 2500 धर्मशालाएं हैं।

पंचक्रोशी यात्रा के नियम

पंचक्रोशी यात्रा करने से पहले श्रद्धालु को भगवान श्रीगणेश की अराधना करनी चाहिए। साथ ही उनसे प्रार्थना करके, गणेश वंदना करके उनसे यात्रा का आज्ञा लें और उसके बाद ही यात्रा शुरू करनी चाहिए। चैत्र के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि, चतुर्थी तिथि या पंचमी तिथि को आप पंचक्रोशी यात्रा कर सकते हैं। मार्गशीर्ष का महीना पंचक्रोशी यात्रा करने के लिए सबसे सर्वश्रेष्ठ माना गया है। यह यात्रा 3 दिन, 5 दिन और 7 दिन तक की की जाती है। इस यात्रा में 122 स्थान पर देव अराधना करने का प्रावधान है और अंत में काल भैरव का दर्शन करने के पश्चात ही यह यात्रा पूर्ण मानी जाती है। पंचक्रोशी यात्री का पहला पड़ाव कर्दमेश्वर है जिसके बाद श्रद्धालु यात्रा के दूसरे पड़ाव भीम चंडी पहुंचते हैं। भीम चंडी के बाद श्रद्धालु यात्रा के तीसरे पड़ाव भीम चंडी रामेश्वर और फिर वहां से शिवपुर जाने के बाद यात्रा के अंतिम पड़ाव कपिलधारा पर जाते हैं। कपिलधारा से दोबारा मणिकर्णिका घाट पर जाकर यह यात्रा समाप्त होती है।

पंचक्रोशी यात्रा की पौराणिक कथा

कहा जाता है कि पंचक्रोशी यात्रा की शुरुआत त्रेता युग से हुई थी। धार्मिक ग्रंथों में पंचक्रोशी यात्रा का बहुत महत्व माना जाता है। त्रेता युग में भगवान राम ने अपने तीनों भाइयों भरत, लक्ष्मण और क्षत्रु और पत्नी के सीता के साथ काशी में पंचक्रोशी यात्रा की थी। भगवान राम ने खुद रामेश्वरम मंदिर में शिवलिंग स्थापित किया था। उन्होंने ये यात्रा अपने पिता दशरथ को श्रवण कुमार के माता पिता के श्राप से मुक्ति दिलाने के लिए की थी। द्वापर युग में पांडवों ने अज्ञावास के दौरान ये यात्रा द्रौपदी के साथ की थी।

सुम्बुल तौकीर को मिला बड़ा 'सबक'

छोटे पर्दे के शो 'इमली' से लोकप्रियता बटोरने वाली सुम्बुल तौकीर खान का कहना है कि उसे यह सबक मिला है कि कुछ बड़ा होने की उम्मीद करने की बजाय जो हाथ में है, उस पर भरोसा रखना बेहतर होता है। उसने कहा, अब, मैं बहुत स्पष्ट हूं कि अगर मुझे कोई काम ऑफर किया जाता है और मुझे यह पसंद है, और उस पर जल्द काम शुरू हो रहा है तो मैं उसे स्वीकार कर लूंगी। यह मैंने अपने अनुभवों से सीखा है, क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि भविष्य में आपके लिए क्या छिपा है। जो हाथ में है वह अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वह याद करती है, 2018 में, मैंने एक बड़े टी.वी. शो को न कह दिया क्योंकि मेरे हाथ में एक फिल्म थी, लेकिन वह कभी शुरू नहीं हुई। कुछ समय तक इंतजार करने के बाद, मैंने एक और टी.वी. शो स्वीकार किया लेकिन इस बीच पिछली फिल्म फ्लोर पर चली गई और मैं उसका हिस्सा नहीं बन सकी क्योंकि मैं पहले से ही टी.वी. शो के लिए प्रतिबद्धता दे चुकी थी इसलिए, वही वह क्षण था जब मैंने फैसला

किया कि अगर मेरे पास समय है तो मैं किसी भी प्रोजेक्ट को न नहीं कहूंगी। मध्य प्रदेश के कटनी शहर की रहने वाली इस अभिनेत्री का कहना है कि माध्यम मायने नहीं रखता।

उसके अनुसार, मेरे लिए अभिनेत्री के रूप में माध्यम की खास चिंता नहीं थी। फिल्म' आर्टिकल 15' (2019) में आयुष्मान खुराना और अनुभव (सिन्हा; निर्देशक) सर के साथ शूटिंग करना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। बेशक, एक फिल्म का कैनवास बड़ा होता है, और प्रक्रिया बहुत विस्तृत होती है, लेकिन मूल संरचना वही होती है।

छोटे पर्दे पर अब तक के अनुभव से खुश सुम्बुल ने कहा, टी.वी. इंडस्ट्री ने मेरे साथ अच्छा व्यवहार किया है, चाहे वह रियलिटी शो (बिग बॉस, 2016) हो या डेली सोप। एकमात्र बात यह है कि आपके पास बिल्कुल भी खाली समय नहीं होता।

जब आप पूरे महीने 12 घंटे शूटिंग करते हैं, तो आपको माता-पिता या यहां तक कि खुद के लिए भी समय नहीं मिलता है इसलिए, डेली सोप के साथ, किसी भी अन्य काम (फिल्म या वैब सीरीज) के बारे में सोचने का सवाल ही नहीं उठता। उसने कहा, शुक्र है, अब तक, मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है जिसके बाद मैं कहूं कि 'ये मैंने क्या कर दिया!' मेरी सबसे बड़ी संतुष्टि यह है किमैं जो करती हूं उस पर मुझे भरोसा होता है।

'आसमान' से कूदने में डर नहीं लगा : मलायका

अपनी कमाल की फिटनैस के लिए मशहूर मलायका अरोड़ा खतरों से खेलने से भी डरती नहीं है। गत दिनों अपने 48वें जन्मदिन को भी उसने एक अलग अंदाज में मनाया। पूरी रात पार्टी करने की बजाय, इस अभिनेत्री ने आकाश से कूदने का रोमांच महसूस करने के लिए दुबई में एक स्काईडाइविंग एडवेंचर करने का फैसला किया। वह स्वीकार करती है कि यह लंबे समय से उसकी ख्वाहिशों में था।

वह कहती है, स्काईडाइविंग लंबे समय से मेरी 'बकेट लिस्ट' में थी। इस साल, मैं अपना 48वां जन्मदिन रोमांचक तरीके से मनाने के लिए उत्सुक थी और मैंने सोचा क्यों न इस अवसर पर अपनी इस ख्वाहिश को पूरा कर ही लूं इसलिए मैंने आकाश में छलांग लगाकर इस मील के पत्थर को पूरा करने का विकल्प चुना। एक करीबी दोस्त ने सिफारिश की कि मैं यह दुबई में करूं और मैंने इसका मन बना ही लिया। दुबई की यात्रा पर वह अपनी सहेलियों के साथ गई लेकिन उनमें से कोई भी इस साहसिक कार्य के लिए तैयार नहीं थी, जिस कारण 48 वर्षीय मलायका ने अकेले ही यह कदम उठाया।

नहीं था कोई डर या चिंता

उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो डाइव लगाते समय मेरे मन में कोई डर या चिंता नहीं थी। ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह मेरे व्यक्तित्व का एक हिस्सा है। मुझे नए अनुभवों को अपनाना पसंद है और मैं कभी पीछे नहीं हटती। वह स्वीकार करती है, जब मैं छलांग लगाने के लिए अपनी बारी का बेसब्री से इंतजार कर रही थी, तो विमान में मुझे तैयार करने वाले प्रशिक्षक को आश्चर्य हुआ कि मेरी धड़कनें हवाई जहाज से छलांग लगाने की कगार पर भी उल्लेखनीय रूप से स्थिर रहीं।

इस अनुभव को निर्विवाद रूप से अपने जीवन के सबसे उत्साहजनक क्षणों में से एक बताते हुए, वह 'फ्रीफॉल' को याद करते हुए बताती है, विमान में चढ़ाई और उसके बाद 'टेंडेम डाइव' के दौरान लुभावनी 'फ्रीफॉल' ने मुझे सचमुच अवाक कर दिया। जैसे ही आप विमान से छलांग लगाते हैं, आपका मन दृश्यों और संवेदनाओं से अभिभूत होकर क्षण भर के लिए शुन्य हो जाता है, उस ऊंचाई पर तीव्र ठंड के बारे में कहने की तो जरूरत ही नहीं। अपना ध्यान पुनः केंद्रित करने और दुनिया से ऊपर उड़ने की अनुभूति का आनंद लेने में कुछ सैकेंड लगते हैं।

कैमरा कैद कर रहा था वे पल

वह और कुछ नहीं कर सकती थी लेकिन सोच रही थी कि कैमरा उसको छलांग को कैद कर रहा है। उसने कहा, फिर, मेरे दिमाग में यह विचार आया कि मेरी छलांग कैमरे में कैद हो रही है और मैं तस्वीरों में अच्छा दिखने के अलावा कुछ नहीं कर सकी (हंसते हुए)। उस पल का आनंद लेते हुए मैं कैमरे के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ पोज देने की भी कोशिश कर रही थी।

वह कहती है, मैं वास्तव में विश्वास करती हूं कि जीवन में, किसी डर पर विजय पाना या उन चीजों में खुद को चुनौती देना बहुत महत्वपूर्ण है, जिनके बारे में आपने कभी नहीं सोचा था कि आप कर सकते हैं। इन चुनौतियों से जूझते हुए आपको अविश्वसनीय यादें मिलती हैं, जो जीवन भर याद रहेंगी।

मलायका को यूं मिला था किस्मत बदल देने वाला गीत 'छैयां छैयां

बॉलीवुड फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान ने हाल ही में खुलासा किया है कि रवीना टंडन और शिल्पा शैट्टी ने शाहरुख खान के फेमस गाने के लिए मलायका अरोड़ा को चुने जाने से पहले 'छैयां छैयां' को ठुकरा दिया था।

फराह खान ने खुलासा किया, हर हीरोइन ने उस गाने को करने से मना कर दिया था, इसलिए मैं यही कहती हूं कि आपको सही समय पर सही जगह पर होना होगा। कोई नहीं जानता था कि मलायका एक मॉडल हैं, मैं उन्हें जानती थी क्योंकि हम अरबाज को जानते थे, तभी हमने उन्हें देखा था लेकिन मैं यह भी नहीं जानती थी कि वह डांस कर सकती हैं।

खुद को 'भाग्यशाली' मानती है संदीपा धर

राजश्री प्रोडक्शंस की फिल्म 'इसी लाइफ में' से अपना अभिनय सफर शुरू करने वाली संदीपा धर अपनी अब तक की यात्रा को किस प्रकार देखती है, पर उसने कहा, हर नवागंतुक का सपना एक बड़े बैनर के तहत लॉन्च होने का होता है और मैं राजश्री के साथ अपनी शुरुआत से बेहतर शुरुआत की उम्मीद नहीं कर सकती थी। फिल्मों के बारे में अधिकांश तकनीकी बारीकियां जो मैं जानती हूं, मैंने सूरज जी और राज बाबू से सीखी हैं। बहुत कम लोग यह दावा कर सकते हैं कि उन्हें सूरज बड़जात्या ने लॉन्च किया था और मैं उन भाग्यशाली लोगों में से एक होने के लिए सदैव आभारी हूं।

मुझे सलमान खान से लेकर साजिद नाडियाडवाला और टाइगर श्रॉफ तक कुछ अद्भुत लोगों के साथ काम करने का अवसर मिला और मुझे लगता है कि मेरी यात्रा अभी शुरू हुई है। मैं एक अभिनेत्री के रूप में खुद को तलाश रही हूं और मुझे खुशी है कि जब डिजिटल बूम हो रहा है तो मैं भारत में हूं। मेरी यात्रा बेहद समृद्ध रही है, मैंने बहुत कुछ सीखा है, उतार-चढ़ाव का सामना किया है और अपने फील्ड में विकास किया है। कहते हैं कि असफलता सबसे अच्छा शिक्षक है। अब तक जो कुछ भी बीता है वह बहुत

फलदायी रहा है और मैं अपनी आगे की यात्रा को लेकर उत्साहित हूं।

डांस से है गहरा लगाव

संदीपा अपने नृत्य कौशल के लिए भी प्रसिद्ध है और इंटरनैशनल म्यूजिक शो 'वैस्ट साइडस्टोरी' में मारिया का लीड रोल करने के दौरान उसने दुनिया भर का दौरा करते हुए 100 से अधिक शो किए हैं। इस बारे में वह बताती है, ₹मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं कि मैं एक इंटरनैशनल म्यूजिकल शो का हिस्सा बन सकी, वह भी मुख्य कलाकार के रूप में। रंगमंच एक अभिनेता का माध्यम है, यह वास्तव में आपको एक कलाकार के रूप में विकसित होने में मदद करता है। मैंने विभिन्न संस्कृतियों और जीवनशैली के बारे में बहुत कुछ सीखा और विभिन्न देशों में प्रदर्शन करने तथा विभिन्न प्रकार के दर्शकों से मिलने का मुझे मौका मिला। यह अद्भुत यात्रा रही है।

फिल्मों से कितना अलग रंगमंच

वह कहती है, रंगमंच फिल्मों से बहुत अलग है। आप रीटेक नहीं करवा सकते, किसी भी गलती को मौके पर ही सुधारा जाना चाहिए। यह शारीरिक रूप से भी कठिन है, एक दिन में दो शो, मंच पर चार घंटे नृत्य, गायन और अभिनय। आपको हमेशा तैयार रहना होगा। दर्शकों की प्रतिक्रिया भी काफी अलग होती है। फिल्म के दर्शक आपके काम पर बहुत बाद में प्रतिक्रिया देते हैं, जब वह रिलीज होती है, लेकिन रंगमंच पर यह तुरंत होता है। मुझे ऐसा लगता है कि रंगमंच पर होना एक अलग ही बात है। वहीं सिनेमा का अपना आकर्षण है, और यह इतना बढ़ गया है कि अब इसकी कोई सीमा नहीं है।

रणबीर कपूर का नेवरसीन एक्शन अवतार, उनका रोल डराएगा; बॉबी देओल सबसे बड़े सरप्राइज एलिमेंट; कमजोर दिल वाले दूर ही रहें

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने कबीर सिंह की रिलीज के बाद कहा था कि वो अपनी अगली फिल्म में असली वायलेंस दिखाएंगे। रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल देखने के बाद उनकी यह बात बिल्कुल सटीक मालूम पड़ती है। एक्शन थ्रिलर ड्रामा इस फिल्म की लेंथ 3 घंटे 23 मिनट है।

फिल्म की कहानी क्या है?

फिल्म की कहानी एक बाप बेटे के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। रणविजय सिंह यानी रणबीर कपूर के पिता बलवीर सिंह (अनिल कपूर) देश के जाने-माने बिजनेस टायकून हैं। बलवीर सिंह अपनी बिजी लाइफ की वजह से बेटे रणविजय को टाइम नहीं दे पाते। इस वजह से रणविजय के मन में हमेशा एक टीस रहती है।

इनकी लाइफ में भूचाल तब आता है जब बलवीर सिंह पर गोलीबारी हो जाती है। रणविजय अपने बाप का बदला लेने के लिए जंग का ऐलान कर देता है। इस जंग में उसकी मुलाकात ऐसे लोगों से होती है जो कभी न कभी किसी वक्त में बलवीर सिंह के साथ जुड़े होते हैं।

रणविजय सिंह अपने पिता के हमलावरों को ढूंढने निकल जाता है। उसके रास्ते में कई बाधाएं आती हैं। इन बाधाओं को पार करके रणविजय सिंह बदला ले पाता है या नहीं, स्टोरीलाइन इसी पर आगे चलती है।

डायरेक्शन कैसा है?

संदीप रेड्डी वांगा ने फिर से वो काम कर दिखाया गया है, जिसके लिए वो जाने जाते हैं। फिल्म में शुरू से लेकर अंत तक मार-काट और डिस्टर्बिंग सीन्स दिखाए गए हैं। हॉलीवुड फिल्मों में जिस लेवल का वायलेंस दिखाया जाता है, कुछ ऐसा ही संदीप रेड्डी वांगा ने यहां दिखाने की कोशिश की है।

कहानी के हिसाब से उनका डायरेक्शन कमाल का है। उन्होंने स्टोरी को शुरू से अंत तक इंगेजिंग बनाकर रखा है। इंटरवल के पहले वाले सीक्वेंस को देख आपका मुंह खुला रह सकता है। सेकेंड हाफ

का पहला सीक्वेंस जरूर थोड़ा स्लो है। रश्मिका मंदाना के कुछ डायलॉग्स और सीन्स ट्रिम किए जा सकते थे। हालांकि, असली सरप्राइज क्लाइमैक्स में देखने को मिलेगा।

स्टारकास्ट की एक्टिंग कैसी है?

इसमें कोई संदेह नहीं है कि फिल्म में रणबीर कपूर का नेवरसीन एक्शन अवतार देखने को मिला है। उन्होंने साबित किया है कि उनकी गिनती इस जेनरेशन के सबसे प्रतिभाशाली एक्टर्स में क्यों होती है।

यंग लड़के से लेकर एक बुजुर्ग व्यक्ति तक के रोल को उन्होंने विविधता के साथ बखूबी निभाया है। रणबीर पहली बार इतने वायलेंट रूप में दिखाई दिए हैं। कुछ सीन्स तो ऐसे हैं जिन्हें देखकर आपको डर भी लग सकता है। रोमांस और ड्रामा में तो रणबीर पहले से माहिर थे, लेकिन इस फिल्म में उन्होंने साबित कर दिया कि एक्शन में भी वो किसी से कम नहीं हैं। एक्शन सीन्स ऐसे नहीं हैं जिन्हें साधारण कहा जाए।

बॉबी देओल ने छोटे से रोल में अपना सब कुछ झोंक दिया है। जितने देर वो स्क्रीन पर रहते हैं, उतनी देर बिल्कुल अलग माहौल बना कर रखते हैं।

बॉबी के छोटे से रोल को देख एक ही बात दिमाग में आती है कि उनका स्क्रीन टाइम और ज्यादा होना चाहिए था। रश्मिका मंदाना ने भी रणबीर की पत्नी का रोल ठीक अंदाज में निभाया है। अनिल कपूर हमेशा की तरह अपना स्क्रीन प्रेजेंस दिखाने में कामयाब रहे हैं। तृप्ती डिमरी भी फिल्म में एक सरप्राइज एलिमेंट बनकर उभरी हैं। अगला पार्ट बनने की दशा में उनका रोल अहम हो सकता है।

करियर के इस पड़ाव पर बॉबी देओल का काम तारीफ के लायक है। फिल्म में उनका और रणबीर कपूर का फेस ऑफ रोंगटे खड़ा कर सकता है।

करियर के इस पड़ाव पर बॉबी देओल का काम तारीफ के लायक है। फिल्म में उनका और रणबीर कपूर का फेस ऑफ रोंगटे खड़ा कर सकता है।

गाने कैसे हैं?

फिल्म के गाने हर सीक्वेंस के हिसाब से सही लगे हैं। खास तौर पर बी प्राक की आवाज में 'सब कुछ भुला देंगे' और भूपिंदर बब्बल की आवाज में 'अर्जन वैली' फिल्म के सीन्स के मुताबिक जंचे हैं। एक्शन सीक्वेंस के बैकग्राउंड में बज रहे ये गाने दर्शक के अंदर एक थ्रिल पैदा करेंगे। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक (BGM) लंबे वक्त तक पॉपुलर रहने वाला है।

फिल्म का पॉजिटिव पॉइंट

रणबीर कपूर का किरदार बेशक इस फिल्म का सबसे बड़ा पॉजिटिव पॉइंट है। इसके अलावा बॉबी देओल की एक्टिंग, फिल्म का स्क्रीनप्ले, म्यूजिक और डायरेक्शन भी इसे स्पेशल बनाता है। इसके अलावा फिल्म का क्लाइमैक्स और उसके बाद का एक सीक्वेंस सबसे बड़ा पॉजिटिव पॉइंट है।

फिल्म के एक सीन में रणबीर कपूर मॉनस्टर वॉर मशीन गन चलाकर अंधाधुन गोलियां बरसाते नजर आए। यह मेड इन इंडिया स्टफ है। इस मॉनस्टर मशीन गन को मुंबई के अंधेरी स्थित एक वर्कशॉप में बनाया गया है।

फिल्म का निगेटिव पॉइंट

पंजाबी और अंग्रेजी संवादों की अधिकता खटक सकती है। फर्स्ट हाफ में रश्मिका मंदाना का किरदार प्रभावी नहीं लगा है। कुछ-कुछ सीन्स में जरूरत से ज्यादा हिंसा दिखाई गई है। फिल्म में एक ऐसे समाज को दिखाया गया है, जहां पुरुष, महिलाओं को हर तरीके से डोमिनेट करते हैं। कहीं न कहीं जो लोग समाज में बराबरी की बात करते हैं, उन्हें इसे पचाने में थोड़ी दिक्कत जरूर होगी।

फाइनल वर्डिक्ट- देखें या नहीं?

अगर आप एक अलग तरह की एक्शन फिल्म को एक्सपीरिएंस करना चाहते हैं। अगर आप रणबीर कपूर और संदीप रेड्डी वांगा का बनाया लार्जर दैन लाइफ एक्शन ड्रामा फिल्म देखना चाहते हैं तो बिना हिचके इसके लिए जा सकते हैं। अगर आप फिल्म को फिल्म की तरह लेते हैं, तो एंटरटेनमेंट के नजरिए से इसके लिए एक बार जरूर जा सकते हैं। हालांकि, कमजोर दिल वालों के लिए यह फिल्म बिल्कुल नहीं है।

महान सैम मानेकशॉ की औसत दर्जे की फिल्मी कहानी कलाकारों की एक्टिंग साधारण, स्क्रीनप्ले में जोश की भारी कमी

फिल्म की कहानी क्या है?

यह फिल्म 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ जंग जिताने वाले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है। फिल्म की शुरुआत में ही पता चल जाता है कि उन्हें सैम बहादुर नाम कहां से मिला। दरअसल, उन्हें 8वीं गोरखा राइफल्स के सैनिकों द्वारा 'बहादुर' उपनाम दिया गया था।

फिल्म में सैम बहादुर की पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को दिखाने की कोशिश की गई है। सैम मानेकशॉ जिनकी वीर गाथाओं के साथ-साथ उनकी शरारतों और मजाक के कई किस्से आज भी बेहद मशहूर हैं। वे एक ऐसे आर्मी चीफ थे, जो तत्कालीन PM इंदिरा गांधी की बात काटने से भी नहीं डरते थे। इतना ही नहीं, वे इंदिरा गांधी को स्वीटी तक कहते थे। ये सारी बातें फिल्म में भी दिखाई गई हैं।

पाकिस्तान के उस वक्त के सैन्य जनरल और बाद में PM बने याह्या खान के साथ सैम मानेकशॉ के रिश्ते को भी फिल्म में अनूठे तरीके से दिखाया गया है। पर्सनली दोनों के बीच दोस्ती थी, लेकिन जंग के मैदान में दोनों एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते थे।

फिल्म का डायरेक्शन कैसा है?

मेघना गुलजार ने फिल्म का डायरेक्शन किया है। उन्होंने फिल्म का सब्जेक्ट तो शानदार चुना है। हालांकि, इतने लीजेंड्री शख्स की असल कहानी को ढाई घंटे में समेटने के चक्कर में फिल्म अपनी आत्मा खो देती है। एक महान सेना के अफसर की कहानी को एक औसत फिल्मी कहानी जैसे समेट

दिया गया है।

स्क्रीनप्ले और एडिटिंग में बहुत ज्यादा गड़बड़ी दिखाई देती है। फिल्म की शुरुआत तेज गति से होती है, लेकिन कुछ ही देर में बहुत स्लो लगने लगती है। फिल्म में पंच लाइन्स की कमी है। जितने भी थे वो सिर्फ ट्रेलर तक की सीमित थे।

फिल्म में कुछ-कुछ सीन्स ओवर दिखा दिए गए हैं। जैसे प्रधानमंत्री और देश के रक्षा मंत्री के साथ इतने कैजुअल अंदाज में बातचीत करना थोड़ा अजीब लगता है।

मेघना गुलजार (दाएं) ने फिल्म का डायरेक्शन किया है। इससे पहले उन्होंने एक और देशभक्ति वाली फिल्म 'राजी' का डायरेक्शन किया था। फिल्म में आलिया भट्ट लीड रोल में थीं।

मेघना गुलजार (दाएं) ने फिल्म का डायरेक्शन किया है। इससे पहले उन्होंने एक और देशभक्ति वाली फिल्म 'राजी' का डायरेक्शन किया था। फिल्म में आलिया भट्ट लीड रोल में थीं।

स्टारकास्ट की एक्टिंग कैसी है?

सैम मानेकशॉ के हावभाव को विक्की कौशल ने पकड़ने की कोशिश तो की है, लेकिन उनकी एक्टिंग में वो बात नहीं नजर आती। फिल्म उरी :द सर्जिकल स्ट्राइक में मेजर विहान सिंह शेरगिल और सरदार उधम सिंह के किरदार को विक्की ने जिस सहज अंदाज में निभाया था, यहां कहीं न कहीं वे असफल होते दिखे हैं। ऐसा लगा कि वे इस रोल में ढलने के लिए ज्यादा जोर देने की कोशिश करते हैं। पूरी फिल्म में ऐसा लगता है कि विक्की सैम मानेकशॉ की मिमिक्री कर रहे हैं। वे सैम मानेकशॉ नहीं बल्कि देव आनंद की तरह ज्यादा दिख रहे हैं।

सैम मानेकशॉ की पत्नी सिल्लू के रोल में सान्या मल्होत्रा ने ठीक-ठाक एक्टिंग की है, लेकिन वे भी खास प्रभाव नहीं छोड़ पाईं। वहीं इंदिरा गांधी का किरदार निभा रही फातिमा सना शेख, इस फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी लगती हैं। उनका मेकअप और लुक तो खराब है ही, एक्टिंग के मामले में भी वे निराश करती हैं।

विक्की कौशल के अलावा फिल्म में सान्या मल्होत्रा (दाएं) और फातिमा सना शेख (बाएं) का भी अहम रोल है।

विक्की कौशल के अलावा फिल्म में सान्या मल्होत्रा (दाएं) और फातिमा सना शेख (बाएं) का भी अहम रोल है।

फिल्म के गाने कैसे हैं?

देश भक्ति और वीरगाथा से भरी इस फिल्म में अच्छे गाने कहानी को और भी मजबूत करते लेकिन, फिल्म के गाने ना तो देशभक्ति की भावना और ना ही इमोशंस जगा पाए।

फाइनल वर्डिक्ट, देखें या नहीं?

जो लोग सैम मानेकशॉ की गौरव गाथा को नहीं जानते, वो इस फिल्म के लिए जा सकते हैं। बाकी देशभक्ति वाली फिल्मों के फैन हैं, तो एक बार इसे देख सकते हैं।

एलन मस्क का बयान बना डिज्नी के लिए आफत

भागने लगे ग्राहक, जानिए क्या है मामला

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क अक्सर अपने बयानों के कारण चर्चा में रहते हैं। हाल में उन पर यहूदी विरोधी बयान देने का आरोप लगा था। इस पर कई कंपनियों ने उनके सोशल मीडिया साइट एक्स (ट्विटर) को विज्ञापन पर रोक लगा दी। इनमें डिज्नी, ऐपल, आईबीएम और वॉलमार्ट शामिल हैं। इससे एक्स की कमाई प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया है। लेकिन मस्क ने इसकी परवाह किए बिना इन कंपनियों पर पलटवार किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में इन कंपनियों को

ब्लैकमेलर कहते हुए कहा है कि अगर ब्रांड्स उनके प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन नहीं दिखाना चाहते हैं, तो ना दिखाएं। मस्क के इस बयान के बाद एक्स पर बॉयकॉट डिज्नी+ ट्रेंड करने लगा। मस्क के इंटरव्यू के बाद cancel डिज्नी+ के लिए सर्च 120% बढ़ गया। कई यूजर्स ने डिज्नी+ का सब्सक्रिप्शन कैंसल कर दिया और इसके स्क्रीनशॉट एक्स पर शेयर किए। साथ ही एक्स पर एक पोल भी कराया गया जिसमें 90,000 यूजर्स ने रिस्पॉन्ड किया। इनमें से करीब 70 परसेंट ने कहा कि वे डिज्नी+ का सब्सक्रिप्शन कैंसल करने जा रहे हैं। हाल में डिज्नी ने अपने रिजल्ट की घोषणा करते हुए कहा था कि उसके सब्सक्राइबर्स की संख्या में 1.17 करोड़ की गिरावट आई है। अब बड़ी संख्या में यूजर्स के हटने से कंपनी को चौथी तिमाही में तगड़ा नुकसान हो सकता है। अपने इंटरव्यू में मस्क ने एक्स को विज्ञापन देने वाली कुछ कंपनियों पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया था। उन्होंने खासतौर पर डिज्नी के सीईओ बॉब आइगर का जिक्र किया था। बॉब ने कुछ दिन पहले कहा था कि एक्स के साथ डिज्नी की पार्टनरशिप से कंपनी को कोई फायदा नहीं हो रहा है। हमें लगता है कि एलन मस्क के साथ जुड़े रहना हमारे लिए पॉजिटिव नहीं है। 2021 के उच्चतम स्तर के बाद से डिज्नी के शेयरों में 53 परसेंट गिरावट आई है और उसकी वैल्यू 180 अरब डॉलर कम हो गई है।

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही तेजी: सोना 62,728 के ऑल टाइम हाई पर पहुंचा

चांदी भी 76 हजार के पार हुई

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 28 नवंबर को सोना 61,895 रुपए पर था, जो अब यानी 2 दिसंबर को 62,728 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 833 रुपए बढ़ी है। इतना ही नहीं ये सोने का ऑल टाइम हाई भी है।

चांदी भी 76 हजार पर पहुंची

आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 74,993 रुपए पर थी जो अब 76,400 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,407 रुपए बढ़ी है।

नवंबर में सोने-चांदी में रही बढ़त

बीते महीने यानी नवंबर में सोने-चांदी के दाम में बढ़त देखने को मिली है। 1 नवंबर को सोने के दाम 60,896 रुपए थे, जो अब 62,607 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं चांदी की कीमत अब तक इस महीने 5,109 रुपए बढ़ी है। यह नवंबर के पहले दिन 70,825 रुपए पर थी, जो अब 75,934 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

67 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार शादियों का सीजन शुरू हो चुका है, इसमें सोने की डिमांड बढ़ेगी। इससे सोने को सपोर्ट मिलेगा। इसके चलते अगले एक साल में ये सोना 67 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

सोना खरीदने से पहले 4 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें।

जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होता। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं।ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एज़ेड4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें

सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। 24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क्योंकि वो बेहद मुलायम होता है। आमतौर पर ज्वेलरी के लिए 22 कैरेट या इससे कम कैरेट सोने का इस्तेमाल किया जाता है। कैरेट के हिसाब से ऐसे चैक करें कीमतः मान लीजिए 24 कैरेट सोने का दाम 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम है। यानी एक ग्राम सोने की कीमत हुई 6000 रुपए। ऐसे में 1 कैरेट शुद्धता वाले 1 ग्राम सोने की कीमत हुई 6000/24 यानी 250 रुपए।

अब मान लीजिए आपकी ज्वेलरी 18 कैरेट शुद्ध सोने से बनी है तो 18एक्स250 यानी इसकी कीमत 4,500 रुपए प्रति ग्राम हुई। अब आपकी ज्वेलरी जितने भी ग्राम की है उसमें 4,500 रुपए का गुणा करके सोने की सही कीमत निकाली जा सकती है।

3. कैश पेमेंट न करें, बिल लें

सोना खरीदते वक्त कैश पेमेंट की जगह यूपीआई और डिजिटल बैंकिंग के जरिए पेमेंट करना अच्छा रहता है।

रिलायंस जियो और टीएम फोरम का पहला इनोवेशन हब शुरू

जनरेटिव एआई और लार्ज लैंगवेज मॉडल्स के डेवलपमेंट में तेजी लाना है इसका उद्देश्य

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। रिलायंस जियो और टीएम फोरम ने शुक्रवार को मुंबई में पहले इनोवेशन हब का इनॉगरेशन किया। जनरेटिव एआइ (जनरल एआइ), लार्ज लैंगवेज मॉडल्स (एलएलएम) और ओपन डिजिटल आर्किटेक्चर के डेवलपमेंट में तेजी लाने के लिए मुंबई में टीएम फोरम इनोवेशन हब बनाया गया है। टीएम फोरम 800 से अधिक मेंबर कंपनीज का एक एसोसिएशन है। दोनों ऑर्गनाइजेशन के लीडर्स इसमें शामिल हुए। इनके अलावा एक्सेंचर, डॉयचे टेलीकॉम, गूगल क्लाउड, ऑरेंज, टेलीनॉर और वोडाफोन सहित इनोवेशन हब फाउंडिंग मेंबर्स के प्रतिनिधि भी इसमें शामिल हुए। नवी मुंबई में रिलायंस कॉर्पोरेट आईटी पार्क में इसे बनाया गया है। भारत को ग्लोबल सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट टैलेंट का एपिक सेंटर बनाने के लिए मुंबई को लोकेशन के तौर पर चुना गया है।

इनोवेशन हब हमारी इंडस्ट्री को बदल देगा

रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहाः 'टीएम फोरम इनोवेशन हब वास्तविक दुनिया के सॉल्यूशन देने के बारे में है जो हमारी इंडस्ट्री को बदल देगा। हम अपने मुंबई कैंपस में पहला इनोवेशन हब देखकर बहुत खुश हैं, क्योंकि मेरा मानना है कि इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए मुंबई एक परफेक्ट लोकेशन है।'

इनोवेशन हब बेहद फायदेमंद साबित होगा

टीएम फोरम के चेयरमैन स्टीफन रोहेन ने कहाः 'तेजी, खुला सहयोग आज हमारी इंडस्ट्री के भविष्य के लिए पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। टीएम फोरम इनोवेशन हब बेहद फायदेमंद साबित होगा। हम मुंबई में इस पहले इनोवेशन हब पर जियो और सभी फाउंडिंग मेंबर्स के साथ मिलकर काम करके खुश हैं और हब के पायलट प्रोजेक्ट्स के पहले नतीजे देखने के लिए उत्सुक हैं।'

जेनरेटिव एआई और लार्ज लैंगवेज मॉडल्स क्या है?

अगर सरल शब्दों में कहा जाए तो जनरेटिव एआई ऐसे एल्गोरिदम हैं जिनकी मदद से हम नया कंटेंट बना सकते हैं, जैसे टेक्स्ट, ऑडियो, वीडियो, कोड और भी बहुत कुछ। यह मशीन लर्निंग (एमएल) का ही एक रूप है।

आप जनरेटिव एआई को लिखित आदेश देकर टेक्स्ट लिखवा सकते हैं, या फिर इमेज, वीडियो भी बनवा सकते हैं। यानी यह जरूरी नहीं है कि जिस माध्यम में आउटपुट चाहिए, आदेश का माध्यम भी वही हो। वहीं एलएलएम एक रिसर्च है। यह एक्सपर्ट्स को एआई लैंग्वेज मॉडल की समस्याओं को हल करने में मदद करेगा।

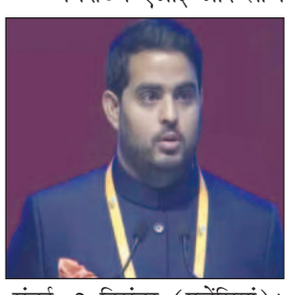

चीन में रियल एस्टेट संकट ने दिखाना शुरू किया असली रंग, गायब होने लगे बड़े अधिकारी

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन में रियल एस्टेट संकट का असर अब बैंकिंग सेक्टर पर भी दिखने लगा है। देश की प्रमुख वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी झोंग्झी ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह अपना पूरा बिल चुकाने की स्थिति में नहीं है। इस ग्रुप से जुड़ी कंपनियों के कई अधिकारी पिछले कुछ दिनों में लापता हो चुके हैं। देश का रियल एस्टेट पिछले कई साल से संकट में है। जीडीपी में इसकी 25% हिस्सेदारी है। यह वजह है कि संकट के कारण पूरी इकॉनमी के डूबने की आशंका जताई जा रही है। इसने धीरे-धीरे दूसरे सेक्टर्स को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। इसका पहला शिकार तीन ट्रिलियन डॉलर का शैडो बैंकिंग सेक्टर हुआ है। झोंग्झी ने रियल एस्टेट सेक्टर में भारी निवेश कर रखा है।झोंग्झी ग्रुप चीन की बड़ी प्राइवेट कंपनियों में से एक है जिसका बिजनस फाइनेंशियल सर्विसेज, माइनिंग और इलेक्ट्रिक वीकल्स तक फैला है। इस ग्रुप की लिस्टेड एजुकेशन फर्म डालियान माई जिम एजुकेशन टेक्नोलॉजी की चेयरपर्सन मा होंगिंग लापता हैं। इसी तरह झिंजियांग तियानशान पशुपालन बायो-इंजीनियरिंग के चेयरमैन मा चेंगशुई भी गायब हैं। ये दोनों लोग कई साल से झोंग्झी से जुड़े हैं। 38 साल की मा होंगयिंग 2015 से कंपनी की चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर थीं। उन्हें 2022 में डालियान माई जिम एजुकेशन टेक्नोलॉजी का चेयरपर्सन बनाया गया था। झोंग्झी ने

कुछ साल पहले इस कंपनी का अधिग्रहण किया था।

एक दर्जन से ज्यादा अधिकारी लापता

इसी तरह 59 साल के मा चेंगशुई अपनी कंपनी के प्रमुख होने के साथ-साथ झोंग्झी में वाइस-प्रेसिडेंट थे। इससे पहले वह ग्रुप के चीफ रिस्क कंट्रोल ऑफिसर थे। बीजिंग के ग्रुप झोंग्झी की करीब एक दर्जन कंपनियां और वेल्थ मैनेजमेंट फर्म हैं। यह चीन की तीन ट्रिलियन डॉलर की शैडो बैंकिंग इंडस्ट्री का हिस्सा है। कंपनी पर 65 अरब डॉलर यानी 460 अरब युआन की देनदारी चढ़ गई है जबकि उसके पास केवल 200 अरब युआन की एसेट्स हैं। कंपनी का कहना है कि लंबे समय से उसका पैसा डेट और इक्विटी इन्वेस्टमेंट में फंसा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग देश की इकॉनमी पर सरकार की पकड़ को मजबूत करना चाहते हैं। इस कारण निजी कंपनियों पर सख्ती की जा रही है। इस साल टेक्नोलॉजी, फाइनेंस और रियल एस्टेट सेक्टर के एक दर्जन से अधिक अधिकारी मिसिंग हैं, हिरासत में हैं या उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं। इंटरनेशनल कंसल्टिंग कंपनियों पर भी इसका असर दिख रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

९ बुध, सूर्य मंगल ८, ७, केतु शुक्र ६, १०, शनि ११, ५, राहु १२, २, ३, चंद्र ४, गुरु १

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	तुला	में
चंद्र-	कर्क	में
मंगल	तुला	में
बुध-	धनु	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	कन्या	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
वृश्चिक.	05-21	बजे
धनु.....	07-34	बजे
मकर..	09-40	बजे
कुंभ...	11-32	बजे
मीन --	13-08	बजे
मेष--	14-45	बजे
वृष--	16-30	बजे
मिथुन..	18-30	बजे
कर्क...	20-42	बजे
सिंह...	22-55	बजे
कन्या..	01-01	बजे
तुला.....	03-10	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने, ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-34
सूर्यअस्त - 17-36
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी - 19 -27 - तक उपरान्त सप्तमी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, रविवार 03 December
नक्षत्र - आश्लेषा - 21- 35 - तक उपरान्त मघा
योग - ऐन्द्र - 20 - 55- तक उपरान्त वैधृति
करण- वणिज - 19 -27 - तक उप- विष्टि
विशेषः-
व्रत -त्योहार - ज्येष्ठा मे रवि -१३-०२ से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:16 से 17:39 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:34 - 07:56	अशुभ	शुभ..	17:36 - 19:16	शुभ
चंचल	07:56 - 09:19	शुभ	अमृत.	19:16 - 20:53	शुभ
लाभ	09:19 - 10:42	शुभ	चंचल.	20:53 - 22:29	शुभ
अमृत	10:42 - 12:06	शुभ	रोग.	22:29 - 24:06	अशुभ
काल.	12:06 - 13:29	अशुभ	काल.	24:06 - 01:43	अशुभ
शुभ.	13:29 - 14:53	शुभ	लाभ	01:43 - 03:19	शुभ
रोग	14:53 - 16:16	अशुभ	उत्पात	03:19 - 04:56	अशुभ
उत्पात	16:16 - 17:36	अशुभ	शुभ	04:56 - 06:34	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यह तो आप देख ही चुके की आकस्मिक प्रवृति पर आधारित फैसले कई बार सही साबित नही हुए हैं,इसीलिए यह जरूरी है कि आप अपने फैसले तर्क की कसौटी पर कसकर ही करें ऐसा करना और भी जरूरी है क्योंकि कोई ऐसा है जो आपका करीबी होते हुए भी आपके खिलाफ साजिश कर रहा है अगर एक बार आप सोच समझकर कोई फैसला ले लें तो उसे कार्यान्वित करने में हिचकिचाएं नही ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थिति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

कर्क — ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा। आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

सिंह — मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

कन्या — टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो,
आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

तुला — रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं । कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी । आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी । आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है । सच्चे दिल से लक्ष्य प्राप्ति की कोशिश करें,आपको सफलता जरुर मिलेगी ।

वृश्चिक — तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

धनु — ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है । समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे । अपनी व्यवाहरिक जरूरतों के रास्ते में अपने अहम को न आने दें ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए। आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

कुंभ — गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है । आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी। अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा । आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी ।

मीन — दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा । अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें । अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बैंकों में जमकर मिल रहीं नौकरियां टूट सकता है 10 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बैंकिंग सेक्टर में नौकरियों की बहार आ गई है। कारोबार बढ़ने के चलते न केवल सरकारी बल्कि प्राइवेट बैंकों ने जमकर नौकरियां दी हैं। आगे भी यही ट्रेंड देखने को मिलेगा क्योंकि बैंकिंग सेक्टर में हो रहे सुधार, आरबीआई की सख्ती और डिजिटलाइजेशन से बैंकों का कारोबार और तेजी से बढ़ेगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में बैंकों ने लगभग 1.23 लाख लोगों को जॉब दिए। यह पिछले 10 सालों में सबसे ज्यादा था। इस दौरान प्राइवेट बैंकों ने सबसे ज्यादा नौकरियां बांटीं। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले वित्त वर्ष में बैंक और भी ज्यादा नौकरियां ऑफर करेंगे। मेट्रो और बड़े शहरों में अपनी पकड़ बना चुके निजी बैंक अब टियर-3 और ग्रामीण इलाकों पर फोकस कर रहे हैं। इसलिए नई नौकरियां देने में निजी बैंक सबसे आगे रहे हैं। उन्होंने कस्टमर सुविधाओं, कर्ज, इंश्योरेंस और टेक्नोलॉजी सेगमेंट में सबसे ज्यादा जॉब दिए। प्राइवेट सेक्टर के एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, बंधन बैंक और एयू बैंक ने 2023 में अपनी विस्तार योजनाओं के चलते रोजाना सैकड़ों नौकरियां दीं। बैंकिंग सेक्टर में सबसे ज्यादा नौकरियां वित्त वर्ष 2011 में मिली थीं। उस समय बैंकों में लगभग 1.25 लाख लोगों को जॉब मिले थे।

बॉन्ड मार्केट में अडानी लाने वाले हैं बहार

एक के बाद एक उतरने वाली हैं 6 कंपनियां

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। आने वाले दिनों में अडानी समूह की कई कंपनियां बॉन्ड बाजार में दस्तक देने वाली हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में गौतम अडानी के समूह की कम से कम 6 कंपनियां घरेलू व विदेशी बॉन्ड बाजार में उतर सकती हैं।

ये कंपनियां बेचने वाली हैं बॉन्ड

अडानी समूह की जो कंपनियां बॉन्ड बाजार में उतरने की तैयारी कर रही हैं, उनमें अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी पोर्ट्स एंड सेज, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी पावर जैसी लिस्टेड कंपनियां और अडानी एयरपोर्ट्स व अडानी रोड्स जैसी अनलिस्टेड कंपनियां शामिल हैं।

दोनों अनलिस्टेड कंपनी अडानी एयरपोर्ट्स व अडानी रोड्स अभी अडानी एंटरप्राइजेज की अनुषंगी के रूप में काम कर रही हैं।

इंफ्रा पर करने वाली है इतना खर्च

रिपोर्ट के अनुसार, अडानी समूह की 6 कंपनियों ने घरेलू व विदेशी बाजार में बॉन्ड की बिक्री कर बड़े पैमाने पर फंड जुटाने की योजना तैयार की है। दरअसल अडानी समूह अगले एक दशक में बुनियादी संरचना परियोजनाओं पर 84 बिलियन डॉलर का भारी-भरकम खर्च करने वाला है। ऐसे में कंपनी को मोटे फंड की जरूरत है।

इस तरह से फंड जुटाने की तैयारी

कारोबार विस्तार की आने वाले दिनों की योजनाओं के चलते अडानी समूह को लंबी अवधि के वित्त पोषण की भी जरूरत पड़ने वाली है। अडानी समूह लंबी अवधि के ज्यादातर फंड को विदेशी बाजारों से जुटाना चाह रही है। कंपनी की योजना है कि कुल फंड में 80 फीसदी विदेशी बाजार से जुटाए जाएं, जबकि बाकी बचे 20 फीसदी हिस्से को घरेलू बाजार से जुटाया जाए।

अभी बस इतना है घरेलू हिस्सा

अभी अडानी समूह के बॉन्ड पोर्टफोलियो में घरेलू बाजार का हिस्सा बेहद मामूली है। समूह के मौजूदा पोर्टफोलियो में घरेलू बाजार की हिस्सेदारी फिलहाल करीब 6 फीसदी है, जिसे 20 फीसदी तक ले जाने की योजना है। इस साल जनवरी में हिंडनबर्ग रिसर्च की विवादित रिपोर्ट आने के बाद अडानी समूह पहली बार बड़े स्तर पर फंड जुटाने का प्रयास करने जा रहा है।

गूगल ने कर्मचारियों के आगे घुटने टेके

एक कर्मचारी को नौकरी से निकालने की कीमत पड़ी 2.7 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। गूगल ने लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद आखिरकार कर्मचारियों के आगे घुटने टेक दिए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी अपने कर्मचारियों को समझौते के तहत लगभग 2.7 करोड़ डॉलर देगी। यह अपनी तरह का सबसे बड़ा समझौता है। यह पैसा गूगल के सभी कर्मचारियों में बांटा जाएगा। कर्मचारियों ने कंपनी पर अनफेयर लेबर प्रेक्टिसेस का आरोप लगाया था।

एक लाख कर्मचारियों के बीच बांटा जाएगा पैसा

यह समझौता कैलिफोर्निया की एक अदालत में हुआ। यह केस 2016 में दाखिल हुआ था। यह विवाद एक कर्मचारी को नौकरी से निकालने के बाद शुरू हुआ था। यहां कर्मचारियों ने धैर्य और साहस से गूगल जैसी दिग्गज कंपनी का सामना किया और उसे झुकने को मजबूर कर दिया। समझौते में मिलने वाली ज्यादातर रकम का हिस्सा सरकार को जाएगा। इसे गूगल के लगभग एक लाख कर्मचारियों के बीच बांटा जाएगा। हर कर्मचारी को 20 से 70 डॉलर तक मिलेंगे।

मैनेजमेंट के खिलाफ फेसबुक पोस्ट में की थी शिकायत

गूगल के स्वामित्व वाली कंपनी नेस्ट में काम करने वाले एक कर्मचारी ने मैनेजमेंट के खिलाफ फेसबुक पोस्ट में शिकायत की थी। इसके बाद उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। इसके बाद गूगल, फेसबुक और नेटफ्लिक्स जैसी बड़ी कंपनियों में कर्मचारियों के प्रदर्शन हुए। कर्मचारियों ने कई जगह काम का बहिष्कार किया और पत्र भी लिखे। इसके चलते कई कंपनियों से लोगों को निकाला गया और कई जगह पॉलिसी में बदलाव भी करने पड़े थे। कंपनियां लगातार मुखर हो रहे कर्मचारियों से निपटने में दिक्कतों का सामना कर रही थीं।

कंपनी को बदलने पड़े थे नियम

गूगल ने कर्मचारी को निकालते हुए आरोप लगाया था कि उसने डेटा क्लासिफिकेशन गाइडलाइन्स का पालन नहीं किया। उसने कोर्ट में शिकायत देते हुए कहा था कि कंपनी की गाइडलाइन्स बहुत व्यापक हैं। सरकार ऐसे लेबर कानून बनाए, जिससे कि कर्मचारियों को कंपनी के अंदर अपनी स्थिति पर आवाज उठाने का मौका मिले। इसके बाद 2017 में गूगल ने अपनी गाइडलाइन्स में सुधार कर लिया था।

गूगल बोली- केस को खत्म करना सबके हित में

गूगल के एक प्रवक्ता ने बताया कि हम अपनी गाइडलाइन्स में पूरा विश्वास रखते हैं। हमने कुछ गलत नहीं किया है। मगर, लगभग आठ साल की मुकदमेबाजी के बाद हमने निर्णय लिया है कि इस केस को खत्म कर देना चाहिए। यही सबके हित में है।

लड़कियों को 'कपलहुड' नहीं, 'सिंगलहुड' पसंद

'मेरी जिंदगी, मेरी मर्जी' का फंडा, मां-सहेलियों को देख शादी नापसंद, अकेले रहना हेल्दी

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'इस दुनिया में एक अकेली महिला का जीना बहुत मुश्किल है', 'औरत मर्द के बिना अधूरी है', 'मर्द औरत का रहबर (मार्गदर्शक) होता है', 'हर सफल पुरुष के पीछे महिला का हाथ होता है'...इस तरह की बातें हम टीवी सीरियल, फिल्मों, अपने परिवार और समाज में अक्सर सुनते हैं। हमारी सोसाइटी में अकेली औरत आजाद परिंदा नहीं, बल्कि पिता, भाई, पति की जिम्मेदारी और पराई अमानत समझी जाती है।

बेटी पैदा होते ही उसे दूसरे घर भेजने के लिए दहेज जोड़ने की तैयारी शुरू हो जाती है। जब वह अपने ही घर के कमरे को अपने तरीके से सजाना चाहे तो मां-बाप कहते हैं कि जो करना अपने घर जाकर करना। वहीं, ससुराल जाने पर उसे जताया जाता है कि यह घर उसका है ही नहीं, जहां वह अपने हिसाब से जीये।

क्या एक लड़की अकेले, सिंगल, बिना पति के 'स्पाउज फ्री' जिंदगी नहीं जी सकती? हो सकता है कि कई लोगों को लगे कि यह मुमकिन नहीं है, लेकिन ऐसा हो रहा है। लड़कियां 'स्पाउज फ्री लाइफ' यानी हस्बैंड के बगैर भी खुश रहती हैं।

पुरुष से ज्यादा अपनी आजादी से प्यार

40 साल की क्षिप्रा एक बिजनेसवुमन हैं। वह अकेली रहती हैं और अपनी शर्तों पर अपनी जिंदगी जीती हैं। क्षिप्रा कहती हैं कि उन्हें किसी पुरुष से ज्यादा अपनी आजादी से प्यार है। वह प्यार और शादी को जी का जंजाल मानती हैं और उसमें फंसना नहीं चाहतीं।

वह कहती हैं-'हम अपनी जिंदगी का रिमोट कंट्रोल किसी के हाथ में क्यों दें। माई लाइफ, माई चॉइज'। ये लाइफ मुझे इस बात की छूट देती है कि मैं जब जो कुछ करना चाहूं, कर सकती हूं। मुझे घर से बाहर निकलने के लिए किसी की परमिशन नहीं लेनी पड़ती।

फोन पर लंबी बात करने पर आपको कोई शक से देखे, तो मुझे सख्त बुरा लगेगा या मैं दिनभर किचन में खड़ी होकर फरमाइशी खाना पकाऊं, ये मैंने अपने करियर से नहीं चाहा। घर देर रात आती हूं, दोस्तों को समय देती हूं और दिन-रात अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए मेहनत करती हूं जिसके लिए मैंने पढ़ाई की है।

क्षिप्रा कहती हैं कि ऐसा नहीं है कि उन्हें शादी के लिए लड़कों ने अप्रोच नहीं किया। अक्सर उन्हें शादी के प्रपोजल मिलते हैं लेकिन शादी के लिए प्यार ही सब कुछ नहीं होता। शादी एक पवित्र बंधन है लेकिन लोग बहूओं को गुलाम मानने लगते हैं। उन्हें अपनी ही जिंदगी जीने के लिए दूसरों की हां-ना पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसे में बिना मर्द के जिंदगी जीना ज्यादा आसान है।

कपलहुड में नहीं सिंगलहुड में दिलचस्पी

36 साल की सविता कुमारी कहती हैं कि वह 'सेल्फ पार्टनर' हैं। यानी अपनी खुद की साथी। उन्हें जिंदगी में किसी और का साथ नहीं चाहिए क्योंकि वह अपने साथ ही खुश रहती हैं। वह अपनी सिंगल और स्पाउज फ्री लाइफ की वजह से अपना सोशल सर्कल एंजॉय करती हैं जबकि उनकी जितनी भी शादीशुदा फ्रेंड्स हैं, वे सभी दोस्तों से कट चुकी हैं।

हर वीकेंड और हॉलिडे उनकी फैमिली के लिए रिजर्व रहती है।

सविता कहती हैं कि मुझे अपनी जिंदगी को लेकर कोई दुख नहीं, ना किसी की नाराजगी झेलनी पड़ती है। कपलहुड का जमाना गुजर गया है।

सोसाइटी ऐसा सोचती है कि लड़की का ससुराल जाना जरूरी है। पेरेंट्स भी बेटियों की जिम्मेदारी को लंबे समय तक

संभालना नहीं चाहते और कहने लगते हैं कि बिना शादी किए अकेले रह जाओगी। हमारे जाने के बाद अकेले कैसे रहोगी? लेकिन गलत इंसान से शादी होने के बाद हमारी सेफ्टी की गारंटी कोई नहीं लेता।

इस बात को कबूलते हुए सविता ने यह भी कहा कि मेरी फोटो ना छापें क्योंकि मेरा इरादा सोसाइटी की सोच से टक्कर लेने का नहीं, बल्कि अपनी आत्मनिर्भरता और अपने जीवन को क्लेश से दूर रखने का है।

सिंगल लोग रहते हैं फिट

जनरल सोशल साइंस एंड मेडिसिन में एक स्टडी छपी। यह शोध यूरोप के 9 देशों के लोगों पर हुआ था। इस स्टडी की रिपोर्ट के अनुसार जो लोग सिंगल थे, उनका बॉडी मास इंडेक्स शादीशुदा लोगों के मुकाबले कम मिला।

सिंगल लोग अपनी फिजिकल एक्टिविटी पर ज्यादा ध्यान देते हुए मिले। वह शादीशुदा लोगों के मुकाबले जिम ज्यादा दिन जाते हैं, वॉक करते हैं और डाइट पर भी ध्यान देते हैं।

वहीं, स्पाउज फ्री लोगों को इमोशनली स्ट्रॉन्ग भी पाया गया क्योंकि नेगेटिव बातें और सोच, उनको तंग नहीं करती।

कर्ज मुक्त और पैसों की करतीं बचत

debt.org नाम की वेबसाइट के अनुसार सिंगल महिलाएं क्रेडिट कार्ड और बैंक के लोन से दूर रहती हैं। उनकी सेविंग मैरिड महिलाओं के मुकाबले ज्यादा होती है।

सिंगल महिलाएं इन्वेस्टमेंट में रिस्क लेती हैं क्योंकि उन पर घर की जिम्मेदारी नहीं होती। वह खुद पर दिल खोल कर खर्चा करती हैं और अपनी बचत का भी ध्यान रखती हैं। अधिकतर सिंगल महिलाएं अपनी मनपसंद जगहों पर घूमने जाने के लिए भी पैसों की बचत करती हैं, यही वजह है कि आज सोलो ट्रैवलिंग और ऑल वुमन ट्रिप्स पॉपुलर हुए हैं।

एक बात और इस स्टडी में सामने आई कि सिंगल वुमन, सिंगल मैन के मुकाबले ज्यादा स्मार्ट, कॉन्फिडेंट और ऑर्गेनाइज्ड यानी बिखरी-बिखरी जिंदगी नहीं जीतीं।

इसलिए सिंगल रहना ज्यादा पसंद

रिलेशनशिप काउंसलर डॉक्टर गीतांजलि शर्मा ने बताया कि महिला सिंगल रहना क्यों पसंद करती है, इसके कई कारण हैं।

पहले यह जानना जरूरी है कि सिंगल वुमन अनमैरिड है, तलाकशुदा है या फिर विधवा है। ज्यादातर महिलाएं इसलिए सिंगल रहती हैं क्योंकि अपने घर और समाज में पुरुषों का दबदबा देख, उनके अंदर अजीब सा डर और अविश्वास जम जाता है।

बचपन से लेकर जवानी तक मां को देखती हैं, सहेलियों का दुख-दर्द सुनती है और पति और ससुराल शब्द उन्हें डराता है। यही वजह है कि वह शादी से दूर रहना चाहती हैं।

सोसाइटी को नहीं भातीं सिंगल वुमन

डॉ. गीतांजलि शर्मा कहती हैं कि सोसाइटी में भले ही सिंगल महिलाएं बढ़ी हैं लेकिन समाज आज भी उन्हें अच्छी नजरों से नहीं देखता। सिंगल लड़की को किराए पर घर नहीं मिलते, उसका कैरेक्टर अच्छा नहीं माना जाता। उसको खुदगर्ज और गैर-जिम्मेदार या किसी कमी का शिकार समझा जाता है।

पढ़ी-लिखी, आत्मनिर्भर, कमाती-खाती अकेली लड़की आज भी समाज की मानसिकता को पसंद नहीं।

समाज आज भी उसे सास-ससुर की सेवा करने वाली, शर्ट में बटन टांकने वाली और तवे से गर्म रोटी थाली में परोसने वाली से आगे बढ़ने नहीं देना चाहता। और यही बात लड़कियों को खटकती है।

भारत में सिंगल वुमन की ताकत

भारत में सिंगल वुमन की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सिंगल महिलाओं मे विधवा, अविवाहित और तलाकशुदा महिलाएं शामिल हैं।

2011 में हुई जनगणना के अनुसार एकल महिलाओं की संख्या में 39% की बढ़ोतरी हुई।

इनमें 2001 में इनकी संख्या 5.12 करोड़ थी जो 2011 में 7.14 करोड़ हो गई। सबसे ज्यादा सिंगल महिलाएं उत्तर प्रदेश मे हैं। वहां इनकी संख्या 1.2 करोड़ है।

विजय बघेल बोले- मैं बड़ा बाप हूं

सीएम के बयान पर दुर्ग सांसद ने कहा- उनका अहंकार बोल रहा, पाटन की जनता भी नाराज

बिलासपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दुर्ग सांसद और पाटन सीट से बीजेपी प्रत्याशी विजय बघेल ने कहा है कि मैं सीएम का बड़ा बाप हूं, उनका अहंकार बोल रहा है। विजय ने मुख्यमंत्री के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि बाप, बाप होता है। विजय बघेल ने कहा कि जिस तरह से प्रदेश में कांग्रेस सरकार के प्रति जनता नाराज है, उसी तरह पाटन में स्थानीय विधायक के नाते भूपेश बघेल के प्रति भी लोगों में आक्रोश है। कल होने वाली मतगणना से पहले विजय बघेल शुक्रवार को बिलासपुर जिले के रतनपुर स्थित महामाया देवी मंदिर दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल का अपना आंकलन है। धरातल में जाएं तो स्पष्ट बहुमत से बीजेपी की सरकार बन रही है। पाटन में सीएम भूपेश बघेल चुनाव हार रहे हैं और बीजेपी जीत रही है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमेशा से माता-बहनें जागरूक

रहती हैं। बीजेपी ने महतारी वंदन योजना चलाई है, उसका प्रतिफल दिखा है। बड़े मन से बहनों ने बीजेपी पर विश्वास करते हुए वोट किया है। बीजेपी जो कहती है वो करती है। कांग्रेस ने भी कहा था कि वृद्धावस्था पेंशन 350 से एक हजार करेंगे, नहीं किए, 75 साल वालों को 1500 देने की भी बात कहीं थी, वो भी नहीं किए।

बघेल ने कहा कि कांग्रेस ने माताओं-बहनों को 500 रुपए देने की बात कही थी वो भी नहीं दिए। ये धोखा देने वाली सरकार है और शराबबंदी के नाम पर महिलाओं को ज्यादा प्रताड़ित किया है, जिसका आक्रोश चुनाव में दिखा है।

सभी जगह बीजेपी-कांग्रेस में सीधी टक्कर

पाटन से जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जोगी) के प्रदेशाध्यक्ष अमित जोगी के चुनाव लड़ने पर विजय बघेल ने कहा कि अपनी-अपनी भूमिका सभी निभा रहे हैं, लेकिन हर जगह बीजेपी-कांग्रेस में सीधी टक्कर है।

वर्तमान में कांग्रेस के प्रति लोगों में भारी आक्रोश है। पांच साल सरकार और सीएम ने जो किया है, उसके आंकड़े लोगों के सामने हैं, जिसका असर चुनाव के बाद मतगणना में दिखेगा।

हाईकोर्ट ने संदीप जैन की फांसी की सजा बदली

दुर्ग, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले की चर्चित रावल मल जैन मनी दंपत्ति हत्याकांड में बिलासपुर हाईकोर्ट ने दंपत्ति के आरोपी बेटे संदीप जैन को राहत दी है। हाईकोर्ट ने दुर्ग कोर्ट में दी गई फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया है। वहीं मामले में दो सह अभियुक्त शैलेंद्र और गुरु दत्ता की 5-5 साल की सजा को बदलकर उन्हें दोष मुक्त कर दिया है।

दरअसल, एक जनवरी 2018 को संदीप जैन ने दुर्ग के गंजपारा स्थित मकान में अपने पिता रावल मल जैन और मां सुरजा बाई की गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह मामला उस समय छत्तीसगढ़ का काफी हाई प्रोफाइल और सबसे चर्चित था।

फांसी की सजा को चुनौती देने हाईकोर्ट में लगाई थी याचिका

इस मामले की सुनवाई करते हुए दुर्ग जिला कोर्ट ने संदीप जैन को फांसी की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ संदीप के वकील ने हाईकोर्ट बिलासपुर में याचिका लगाई। याचिका पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार 1 दिसंबर को हाईकोर्ट ने मुख्य अभियुक्त संदीप जैन की फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया है।

पिता बार-बार संपत्ति से बेदखल करने की दे रहे थे धमकी

पुलिस की पूछताछ में आरोपी संदीप ने पुलिस को बताया था कि उसके पिता रावल मल जैन पुरानी रूढ़ीवादी विचारधारा के थे। उनको उसके महिला मित्रों से मिलना पसंद नहीं था। वे कई बार उसे अपनी संपत्ति से बेदखल करने की धमकी भी दे चुके थे। इससे व्यथित होकर उसने अपने पिता को मारने की साजिश रची थी। संदीप ने पिता की हत्या करने के लिए एक देसी पिस्टल और कारतूस खरीदा था। देसी पिस्टल और कारतूस कालीबाड़ी दुर्ग निवासी भगत सिंह गुरूदत्ता (47 वर्ष) और गुरूनानक नगर दुर्ग निवासी शैलेंद्र सागर (47 वर्ष) ने बेचा था। इसलिए मामले में दोनों आरोपियों को जिला न्यायालय ने पांच-पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। जिसे हाईकोर्ट ने बदलकर उन्हें दोषमुक्त कर दिया है।

आईईडी ब्लास्ट, 2 सीआरपीएफ जवान घायल

नक्सली सप्ताह के पहले दिन वारदात बैनर-पोस्टर के नीचे प्लांट किया था बम

दंतेवाड़ा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में साल के अंतिम महीने में मनाए जाने वाले नक्सली सप्ताह के पहले ही दिन नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया है। जिसकी चपेट में आने से सीआरपीएफ 195 बटालियन के 2 जवान घायल हो गए हैं। घायलों को साथी जवान अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज चल रहा है। मामला बारसुर थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि, इलाके में नक्सलियों ने बैनर-पौस्टर बांध रखा था और इसके नीचे आईईडी प्लांट किया था। बैनर निकालते समय आईईडी ब्लास्ट हो गया, जिससे जवान ब्लास्ट की चपेट में आ गए।

आज से नक्सलियों का पीएलजीए सप्ताह शुरू हो गया है। इसी को देखते हुए बारसुर इलाके में सीआरपीएफ-195 बटालियन के जवान एरिया डोमिनेशन के लिए निकले हुए थे। इसी बीच बारसुर-पल्ली मार्ग पर ब्रिज के पास नक्सलियों के लगाए बैनर-पोस्टर पर जवानों की नजर पड़ी। जवान बैनर-पोस्टर निकालने लगे। इसी दौरान जोर का धमाका हुआ। नक्सलियों ने बैनर-पोस्टर के नीचे आईईडी

प्लांट कर रखा था।

घटना के बाद मौके पर मौजूद जवान फौर दोनों घायलों को अस्पताल लेकर गए। एएसपी आर के बर्मन ने बताया कि आईईडी को डिफ्यूज कर दिया गया है।

बस्तर में नक्सलियों का पीएलजीए सप्ताह 8 दिसंबर तक चलेगा। पीएलजीए सप्ताह के पहले ही दिन नक्सली सक्रिय दिख रहे हैं। उन्होंने बीजापुर-आवापल्ली सड़क के बीचों-बीच बैनर बांधा है। उधर, नारायणपुर-ओरछा मार्ग पर भी सड़क पर पर्चे फेंके और पत्थर डालकर मार्ग बाधित कर दिया है। नक्सली दहशत की वजह से इस मार्ग में यात्री बसों के पहिए थम गए हैं।

बीजापुर से आवापल्ली जाने वाले मार्ग पर नक्सलियों ने बैनर बांधकर पर्चे भी फेंके हैं। बैनर-पोस्टर में लोगों से पीएलजीए सप्ताह मनाने की बात लिखी है। बताया जा रहा है कि, इसकी जानकारी मिलते ही मोदकपाल थाने के जवान भी मौके पर पहुंचे और बैनर-पोस्टर हटा दिया है।

नक्सलियों ने नारायणपुर-ओरछा मार्ग पर भी जमकर उत्पात मचाया है। इस सड़क पर नक्सलियों ने काफी पर्चे फेंके हैं। सड़क के बीच पत्थर रखकर मार्ग भी बाधित कर दिया। हालांकि, सुबह जानकारी मिलते ही पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और मार्ग को बहाल किया।

यौन शोषण मामले में प्रदीप यादव को झटका

कांग्रेस विधायक की याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज, जारी रहेगी निचली अदालत में सुनवाई

रांची, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। विधायक प्रदीप यादव पर चल रहे यौन शोषण मामले की जांच और सुनवाई जारी रहेगी। विधायक ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को खारिज करने को लेकर एक याचिका दायर की थी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। पोड़ैयाहाट सीट से कांग्रेस के विधायक प्रदीप यादव बड़ा झटका लगा है।

हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे विधायक

एक सितंबर को हाईकोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा था कि ए प्रदीप यादव की ओर से दाखिल क्रिमिनल रिवीजन याचिका खारिज कर दी। प्रदीप यादव ने दुमका कोर्ट में उनके खिलाफ यौन शोषण के केस में हुए चार्जफ्रेम करने की प्रक्रिया को

चुनौती दी थी। इस केस में फिलहाल वह बेल पर हैं। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से भी याचिका खारिज होने के बाद प्रदीप यादव को अब निचली अदालत में ट्रायल फेस करना होगा। साल 2019 में लोकसभा चुनाव के समय प्रदीप यादव के खिलाफ उनकी ही पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता ने यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। देवघर में दर्ज एफआईआर में उसने कहा है कि प्रदीप यादव ने उसे देवघर के एक होटल में मीटिंग के बहाने बुलाया और दुष्कर्म करने का प्रयास किया। प्रदीप यादव ने मामले में स्पेशल जज दुमका द्वारा 2 अप्रैल 2022 को उनके डिस्चार्ज पिटिशन को खारिज किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। पीड़िता ने प्रदीप यादव के खिलाफ यौन शोषण मामले में 20 अप्रैल 2019 को देवघर महिला थाना में एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले में 28 सितंबर 2019 को प्रदीप यादव को झारखंड हाईकोर्ट से बेल मिली थी।

ट्रक में जा घुसी कार दो युवकों की मौत

गया, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। गया के बाराचट्टी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में झारखंड के रांची के दो युवकों की मौत हो गई। शनिवार अहले सुबह दोनों युवक बेलोनो कार से डोभी से रांची की ओर जा रहे थे। इस क्रम में बाराचट्टी थाना क्षेत्र के भगहर गांव के समीप यह हादसा हुआ। इसमें बेलोनो सवार दोनों युवकों की मौत घटनास्थल पर ही गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। सूचना के बाद बाराचट्टी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। बाराचट्टी थानाध्यक्ष रूपेश कुमार सिन्हा ने बताया की सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई है।

रमन सिंह बोले- कांग्रेस अपने आंकड़ों से 26% नीचे

52-55 सीटों के साथ बीजेपी की बनेगी सरकार

रायपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। एग्जिट पोल के नतीजे पर पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल के नतीजे सारी स्थिति को स्पष्ट कर रहा है। एक तरफ कांग्रेस अपने आंकड़े से नीचे जा रही है। वहीं भाजपा ऊपर की ओर बढ़ रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 70 से 68 सीट की बात करने वाले एग्जिट पोल में 40 से 42 सीट आ रही है। उन्होंने कहा कि इनका ग्राफ नीचे आ रहा है। इसका मतलब है कि कांग्रेस का जो रुझान है, कांग्रेस की लोकप्रियता में वोटिंग पैटर्न में जबरदस्त गिरावट है।

डॉ रमन ने कहा कि एग्जिट पोल रुझान दिखता है। मतदाता

की स्थिति नहीं दिखता रुझान यह है। कांग्रेस कहीं न कहीं 26 परसेंट तक नीचे जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे ग्राफ देख ले 48 तक जा रहा है। इसका मतलब यह बीजेपी का के पक्ष में जो रुझान दिख रहा है, वोटो का यह नीचे से ऊपर की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी 50 से 52 सीट कम से कम जीत के आ रही है। इसका मतलब है स्पष्ट बहुमत के साथ छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बना रही है एग्जिट पोल ही बता रहा है।

उन्होंने कहा कि मतगणना के बाद जितने भी हमारे विजेता प्रत्याशी हैं। उनके कार्यालय में आग्रह करेंगे। उन सभी को बुलाएंगे। इसके बाद फिर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ विजेता प्रत्याशियों की बैठक होगी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को अपने ही प्रत्याशियों पर भरोसा नहीं है। हम तो बीजेपी के विधायकों पर जो जीत गया है। भरोसा करते हैं। उनको कार्यालय में बैठाएंगे। हमको कहीं बाहर ले जाने की जरूरत नहीं है। हमारे लोग हैं और उनको पार्टी ने टिकट दिया है, उनके साथ बैठकर बात करेंगे। उन्होंने कहा कि बाहर ले जाने का सिलसिला कांग्रेस पार्टी में है क्योंकि उनको अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ऑनलाइन बेटिंग मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखे जाने पर रमन सिंह ने कम पर तंज कसा है।

उन्होंने कहा कि यह काम राज्य सरकार को करना है। पहला प्रश्न तो यही उठता है जुआ सट्टा जैसे अपराध जो स्थानीय स्तर में स्टेट गवर्नमेंट की जवाबदारी होती है। हजारों करोड़ों रुपए का महादेव ऐप में दुर्ग जिले में उनके घर के बगल में हो रहा है।

राज्यपाल ने फिर लौटाया स्थानीय नीति विधेयक

रांची, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति विधेयक (झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा और ऐसे स्थानीय व्यक्तियों को परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों का विस्तार करने के लिए विधेयक - 2022) को लौटा दिया है।

विधानसभा को इस पर पु नर्विचार करने को कहा है। राजभवन ने विधेयक में शामिल कानूनी मुद्दों पर अटॉर्नी जनरल से राय मांगी थी। 15 नवंबर को अटॉर्नी जनरल की राय मिलने के बाद राजभवन ने बिल को लौटाया। राज्यपाल ने संदेश के माध्यम से विधानसभा को अटॉर्नी जनरल की राय से अवगत करा दिया है। अटॉर्नी जनरल ने कहा है कि विधेयक में स्थानीय व्यक्ति शब्द की परिभाषा लोगों की आकांक्षाओं के अनुकूल है। यह स्थानीय परिस्थितियों के लोकाचार और संस्कृति के साथ फिट बैठती है। तर्कसंगत और वस्तुनिष्ठ मानदंडों पर आधारित प्रतीत होती है। लेकिन लगता है कि विधेयक की धारा -6(ए) संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद - 16(2) का उल्लंघन कर सकती है और यह अमान्य हो सकती है। हालांकि पैरा-24 में मेरी राय पर अमल कर इसे बचाया जा सकता है। अटॉर्नी जनरल ने लिखा-इस विधेयक के मुताबिक राज्य सरकार की थर्ड-फोर्थ ग्रेड की नौकरियां केवल स्थानीय व्यक्तियों के लिए आरक्षित होंगी।

उत्तरकाशी सुरंग से बचाए गए 15 मजदूर रांची पहुंचे

रांची, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग से बचाए गए झारखंड के 15 मजदूर शुक्रवार रात रांची पहुंचे। यहां पर पारंपरिक 'ढोल और नगाड़ों' के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। भाजपा, कांग्रेस, झामुमो, सीपीआई समेत विभिन्न दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बिरसा मुंडा हवाईअड्डे पर मौत के मुंह से बाहर आए मजदूरों के साथ उनके परिवार के सदस्यों का स्वागत किया। इन मजदूरों को हवाई मार्ग से दिल्ली से रांची लाया गया।

हवाईअड्डे पर मजदूरों का स्वागत करने पहुंचे झारखंड के श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों का बचाना बहुत बड़ी सफलता है। सरकार इन मजदूरों की पूरी मदद करेगी। रांची एयरपोर्ट पर स्वागत के बाद मजदूरों को एक विशेष बस से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास ले जाया गया, जहां उन्होंने उनसे बातचीत की और उनका हालचाल जाना।

खूंटी जिले के कर्रा के रहने वाले मजदूर विजय होरो ने कहा कि सुरंग हादसे के बाद शुरुआती तीन दिन कष्टदायक थे, लेकिन बाद में अधिकारियों से संपर्क स्थापित करने के बाद उम्मीद जग गई थी। विजय बीए द्वितीय वर्ष के छात्र भी हैं।

इटली की पीएम मेलोनी ने मोदी के साथ सेल्फी ली

'मेलोडी' शेयर कर लिखा- अच्छे दोस्त के साथ, किंग चार्ल्स से भी मिले पीएम

रोम, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दुबई में थे। एक दिन के दौरे के दौरान काप 28 समिट में उन्होंने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने इस दौरान एक सेल्फी भी ली। इसे इटली की पीएम ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। मेलोनी ने सेल्फी को शेयर किया। हैशटैग और कैप्शन 'काप28 में अच्छे दोस्त' #मेलोडी लिखा। इसे मोदी और मेलोनी के नाम को मिलाकर देखा जा रहा है। जैसे ही तस्वीर शेयर हुई, ये सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। X पर इस तस्वीर की वजह से 'मेलोडी' ट्रेंड में आ गया। इटली की पीएम मेलोनी और पीएम मोदी की 10 महीनों में यह चौथी मुलाकात है। जॉर्जिया इस साल सितंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत आई थीं। उन्होंने जी-20 समिट के इतर मोदी से मुलाकात की थी। 19 से 21 मई को जापान के हिरोशिमा में जी-7 सम्मेलन के दौरान भी दोनों के बीच मुलाकात हुई थी। इससे पहले मार्च में मेलोनी 8वें रायसीना डायलॉग 2023 में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेने के लिए भारत आई थीं। इस दौरान भी उनकी पीएम मोदी के साथ काफी अच्छी बॉन्डिंग दिखी थीं।

मेलोनी के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिटेन के किंग चार्ल्स और प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से भी मिले। क्लाइमेट समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मालदीव के हाल ही में बने राष्ट्रपति मुहम्मद मुइज्जू से भी मुलाकात की। मुइज्जू ने पद संभालते ही मालदीव से भारतीय सैनिकों को निकाल लेने के आदेश दिए थे। पीएम मोदी भी मुइज्जू के शपथ ग्रहण समारोह में नहीं गए थे। हालांकि, शुक्रवार की मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर फोटो शेयर कर लिखा- हमने अलग-अलग क्षेत्रों में भारत-मालदीव की साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की।

पीटीआई के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए बैरिस्टर गोहर अली खान

इमरान खान की ली जगह

इस्लामाबाद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बैरिस्टर गोहर अली खान, पाकिस्तान की तहरीक ए इंसाफ पार्टी के नए अध्यक्ष बन गए हैं। बैरिस्टर गोहर अली खान निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। बता दें कि अब तक पीटीआई के अध्यक्ष के पद पर पूर्व पीएम इमरान खान काबिज थे लेकिन फिलहाल वह जेल में बंद हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बैरिस्टर गोहर को इमरान खान ने ही अध्यक्ष पद के लिए नामित किया था। पार्टी का अध्यक्ष चुने जाने के बाद मीडिया से बात करते हुए बैरिस्टर गोहर ने कहा कि वह बतौर इमरान खान के प्रतिनिधि अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। ओमर अयूब खान को पार्टी का महासचिव चुना गया है। वहीं बलूचिस्तान में पीटीआई अध्यक्ष के तौर पर मुनीर अहमद बलोच की नियुक्ति हुई है। सिंध के लिए हलीम आदिल शेख, खैबर पख्तूनख्वा में अली अमीन गंदापुर और पंजाब में डॉ. यासमीन राशिद को प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है। बता दें कि पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने पीटीआई को आम चुनाव से पहले पार्टी के आंतरिक चुनाव कराने का निर्देश दिया है। ऐसे में बैरिस्टर गोहर खान की नियुक्ति को भी चुनाव आयोग के आदेश से जोड़कर देखा जा रहा है।

हमास के हमले में मारे गए युवकों के स्पर्म संरक्षित करा रहे परिजन

लोगों को मिली नई उम्मीद

तेल अवीव, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। युद्ध से जूझ रहे इजरायल में लोग लड़ाई में मारे जा रहे अपने प्रियजनों के स्पर्म (शुक्राणु) संरक्षित करा रहे हैं। इससे अपनों को खो चुके लोगों को उम्मीद की एक नई किरण नजर आ रही है। यही वजह है कि इजरायल में अपने बच्चों के स्पर्म संरक्षित कराने की मांग करने वाले लोगों की बाढ़ सी आ गई है।

इजरायल की प्रोफेसर शिर दाफना तेकोह को 7 अक्तूबर के हमास के हमले में अपनों को खोने वाले लोगों को सांत्वना देने और उन्हें समझाने की जिम्मेदारी दी गई थी। शिर दाफना बताती हैं कि हमास के हमले के बाद अस्पतालों में शवों के ढेर लग गए थे और अपनों को खोने वाले परिजन निराशा और अंधकार में डूबे नजर आ रहे थे। इसी बीच उन्होंने म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान अपने बेटे को खोने वाली एक महिला से पूछा कि क्या वह अपने बेटे की मौत के बाद उसके स्पर्म संरक्षित कराना चाहेंगी?

दाफना ने बताया कि यह सुनकर महिला की आंखों में चमक आ गई और उसने बेटे के स्पर्म संरक्षित करने की मंजूरी दे दी।

दाफना बताती हैं कि इसके बाद उन्होंने अस्पताल प्रशासन से बात की और कुछ घंटे बाद ही कानूनी कार्रवाई के बाद शव के स्पर्म संरक्षित कर लिए गए। दाफना बताती हैं कि उसके बाद कई परिजनों ने भी इसकी मांग की। इजरायली अस्पतालों का कहना है कि अब बड़ी संख्या में लोग ये मांग कर रहे हैं। अब इन स्पर्म से गर्भधारण कराकर बच्चे पैदा होंगे। ऐसे में युद्ध की विभिषिका झेल रहे इस्राइली लोगों के लिए स्पर्म संरक्षित कराने की प्रक्रिया वरदान बनकर आई है। बता दें कि मौत के बाद शव से स्पर्म निकालकर उन्हें संरक्षित करने की प्रक्रिया को पासतुमज स्पर्म रिट्रैवल (पीएसआर) कहते हैं। इस प्रक्रिया में शव से स्पर्म निकालकर उन्हें लिक्विड नाइट्रोजन में फ्रोजन स्थिति में रखा जाता है।

न्यूजीलैंड में 3 खालिस्तानियों को सजा

भारतीय मूल के व्यक्ति की हत्या की साजिश रची, 40 बार चाकू मारा, 350 टांके आए

वेलिंगटन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड में भारतीय मूल के व्यक्ति की हत्या की साजिश रचने वाले 3 खालिस्तानियों को सजा मिली है। तीनों ने 2020 में रेडियो होस्ट हरनेक सिंह को मारने की कोशिश की थी। उन पर चाकू से हमला कर दिया था। हरनेक खालिस्तान के खिलाफ बोलते रहे हैं। इस वजह से उन हमला हुआ।

एनजड हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, 48 साल का न्यूजीलैंड का नागरिक इस साजिश का मास्टरमाइंड है। उसका नाम नहीं बताया गया है। उसे 13 साल की सजा हुई है। वहीं, 27 साल के सर्वजीत सिधू को 9 साल की सजा हुई है। 44 साल के सुखप्रीत सिंह को छह महीने के लिए घर में नजरबंद किया गया है।

2020 का मामला

यह मामला साल 2020 का है। 23 दिसंबर 2020 को रेडियो होस्ट हरनेक सिंह कार से घर जा रहे थे। तभी हमलावरों ने उन पर

हमला कर दिया। हमलावर तीन गाड़ियों में आए थे। तीनों हमलावरों के साथ कई और लोग भी थे। इन लोगों ने हरनेक की कार को घेरा और उन पर चाकू से 40 बार हमला किया।

हरनेक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद कार को लॉक किया और हॉर्न बजाना शुरु कर दिया। आवाज सुनकर आस-पास रह रहे लोग उनकी मदद के लिए आए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। शरीर में 350 से ज्यादा टांके लगे और कई सर्जरी हुईं जिसके बाद हरनेक को बचाया जा सका।

ऑस्ट्रेलिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, जिन लोगों ने हरनेक पर हमला किया था, उनमें से एक जसपाल सिंह है। मई 2022 में ऑक्लैंड हाई कोर्ट ने हत्या की कोशिश करने के आरोप में जसपाल को 5 साल की सजा सुनाई थी। सुनवाई के दौरान हरनेक के दोस्त अवतार ने साजिश रचने वाले मास्टरमाइंड के खिलाफ बयान दिया था।

वहीं, अवतार के एक अन्य दोस्त बलजिंदर ने कोर्ट को बताया था कि उसे हरनेक को मारने की सुपारी दी गई थी। हालांकि उसने हरनेक को मारने से मना कर दिया। इसके बाद 23 दिसंबर को 2020 को हरनेक पर हमला करने के बाद जसपाल ने बलजिंदर को फोन करके कहा था- काम हो गया है। अब वो रेडियो पर कुछ नहीं बोल पाएगा।

हमलावरों को सजा दिए जाने के बाद हरनेक ने उनसे कहा- तुम लोग मुझे मारने आए थे। मुझे चुप करना चाहते थे। खालिस्तान के खिलाफ बोलने वाले लोगों को डराना चाहते थे।

गाजा में डॉक्टरों के काफिले पर इजराइल का हमला

फिलिस्तीनी बोले- पहले उत्तरी गाजा छुड़वाया अब दक्षिण छोड़ने को कह रहे, हम जाएं तो कहां

तेल अवीव, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। डॉक्टर्स विद आउट बॉर्डर्स ने शनिवार इजराइल पर उनके काफिले पर हमला करने के आरोप लगाए हैं। अंतर्राष्ट्रीय संगठन ने हमले का वीडियो शेयक कर मामले की जांच की मांग की है। वहीं, इजराइली सेना दक्षिणी गाजा के लोगों को राफा की तरफ जाने के लिए कह रही है। इजराइली सेना उत्तरी गाजा को पहले ही खाली करवा चुकी है। ऐसे में एक फिलिस्तीनी शख्स ने अलजजीरा से कहा कि जब हर जगह से हमें निकलने को कहा जा रहा है तो हम कहां जाएंगे।

इजराइल-हमास के बीच सीजफायर खत्म होने के बाद भारतीय समयानुसार शुक्रवार देर रात एक फिलिस्तीनी समर्थक ने अमेरिका में खुद को आगे हवाले कर दिया। ये घटना अटलांटा शहर में बने इजराइली कॉन्सुलेट के सामने हुई। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एक सिक्योरिटी गार्ड ने उसे बचाने की कोशिश की। हालांकि, वो नाकामयाब

रहा। प्रदर्शनकारी का 90% शरीर जल चुका है। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने अब तक उसकी पहचान नहीं बताई है। पुलिस के मुताबिक जब उसने खुद का आग लगाई उसने खुद पर फिलिस्तीन का झंडा लपेटा हुआ था। दरअसल, सीजफायर खत्म होने के बाद दुनिया भर में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन शुरू हो चुके हैं। वहीं, सीजफायर खत्म होने के 24 घंटों में गाजा में 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। अस्पतालों में फर्श पर लाशें पड़ी हैं। यूएन ने कहा है कि गाजा के अल-अहली अस्पताल के हालात किसी डरावनी फिल्म जैसे हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक गाजा के 32 में से सिर्फ 16 अस्पताल काम कर रहे हैं। अमेरिका ने सीजफायर खत्म होने का इल्जाम हमास पर डाला है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन शुक्रवार को सीजफायर खत्म होने के तुरंत बाद इजराइल से दुबई पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- हमास ने अपना वादा पूरा नहीं किया। यरूशलम में आतंकी हमला करवाया और सीजफायर की सीमा खत्म होने से पहले इजराइल पर रॉकेट दागे। इसकी वजह से युद्ध विराम आगे नहीं बढ़ाया जा सका। दरअसल, इजराइल और हमास के बीच सीजफायर के बाद शुक्रवार को जंग फिर शुरू हो गई। सेंट्रल इजराइल पर गाजा से 50 से ज्यादा रॉकेट दागे गए। इजराइल ने जवाबी कार्रवाई की। इसके फौरन बाद तेल अवीव में इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) के चीफ जनरल हेर्जी हालेवी ने टॉप कमांडर्स के साथ लंबी मीटिंग की।

कृष्ण मंदिर को तोड़कर मदरसा बनाने का वीडियो वायरल

शुरू हुआ विवाद

करांची, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब के सदिकाबाद में अहमदपुर लुम्मा शहर में एक कृष्ण मंदिर को तोड़कर मदरसा में बदलने का एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो के वायरल होते ही विवाद शुरू हो गया। वायरल वीडियो में कृष्ण मंदिर का पूरा नजारा दिखाया गया है, जहां मंदिर के सामने ही भगवान कृष्ण की प्रतिमा लगी हुई थी। हालांकि, यह मंदिर अब जल्द ही इस्लामी शिक्षण संस्थान बनने वाला है।

सदिकाबाद में स्थित यह कृष्ण मंदिर अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यह कई वर्षों से शहर का हिस्सा रहा है। दो गायों के साथ बांसुरी बजाते हुए भगवान कृष्ण की मूर्ति से सजा हुआ इस मंदिर को धार्मिक विविधता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माना जाता है। मंदिर को तोड़कर वहां मदरसा बनाने की खबर ने चर्चा को बढ़ावा दिया है। दरअसल, ऐतिहासिक महत्व वाले धार्मिक स्थानों का रूपांतरण सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और धार्मिक परंपराओं के सम्मान के बारे में चिंता पैदा करता है।

इस वीडियो के अनुसार, मंदिर का मुख्य द्वार बंद है। वीडियो में मदरसा से जुड़े एक कादरी मंदिर की संरचना को विस्तार से समझाते हुए दिख रहे हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस स्थान को 50 वर्षों से अधिक समय से मस्जिद और मदरसा के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है और इसके भीतर बच्चे कुरान का अध्ययन कर रहे हैं। वीडियो में कादरी ने दावा किया कि वह भारत से पाकिस्तान आए थे।

अमेरिका में रहस्यमयी बीमारी से सफेद पड़े फेफड़े

चपेट में 3 से 8 साल के बच्चे, अमेरिकी सांसदों की मांग- चीन आना-जाना बैन हो

वॉशिंगटन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन जैसी रहस्यमयी बीमारी अब अमेरिका में भी फैलने लगी है। इसके ज्यादातर पीड़ित 3 से 8 साल के बच्चे बताए जा रहे हैं। बीमारी से उनके फेफेड़े सफेद पड़ रहे हैं। अमेरिका के मैसाच्यूसेट्स और ओहायो में इस बीमारी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। वहां इस बैक्टिरियल निमोनिया को व्हाइट लंग सिंड्रोम कहा जा रहा है।

ओहायो के वॉरेन काउंटी में इस बीमारी के 142 मामले सामने आए हैं। मैसाच्यूसेट्स के डॉक्टरों का कहना है कि व्हाइट लंग सिंड्रोम चीन की रहस्यमयी बीमारी की तरह ही बैक्टिरियल और वायरल इंफेक्शन का मिक्सचर है।

वहीं, बीमारी फैलने के खतरे को देखते हुए अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने राष्ट्रपति बाइडेन से चीन पर ट्रैवल बैन की मांग की है। पांच सांसदों का कहना है कि बीमारी पर ज्यादा जानकारी के लिए डब्ल्यूएचओ का इंतजार नहीं

करना चाहिए। लोगों और अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए तुरंत चीन पर ट्रैवल बैन लगान की जरूरत है।

क्या है व्हाइट लंग सिंड्रोम

व्हाइट लंग सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों के चेस्ट के एक्स रे में सफेद रंग के पैच दिखाई दे रहे हैं। ऐसा ज्यादातर दो तरह की बीमारियों में होता है। प्लमोनेरी एलविओलर माइक्रोलिथाइसिस यानी पाम और सिलकोसिस। पाम में फेफड़ों में कल्शियम जमना शुरू कर देता है। जिससे खांसी और छाती में दर्द के साथ सांस लेने में दिक्कत होती है। जबकि सिलकोसिस डस्ट, स्टोन और सिलिका जैसे पदार्थों के सांस के साथ अंदर जाने की वजह से होती है। इसमें भी लंग्स में सफेद धब्बे हो जाते हैं। सीबीसी न्यूज के मुताबिक एक्सपर्ट का मानना है कि अमेरिका में फैल रहा व्हाइट लंग सिंड्रोम चीन की बीमारी से अलग है। अमेरिका में लोगों को कफ के साथ, तेज बुखार और शरीर में दर्द महसूस हो रहा। जबकि चीन की बीमारी में कफ नहीं बन रहा, पीड़ितों में खांसी, गले में दर्द, फेफड़ों में सूजन और सांस की नली में सूजन जैसे लक्षण दिख रहे हैं। हालांकि, दोनों में कुछ समानताएं भी हैं।

जैसे दोनों बैक्टिरिया और वायरस का मिक्सचर बताई जा रही हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि दोनों बीमारियां इम्युनिटी की कमी की वजह से बच्चों को चपेट में ले रही हैं। न सिर्फ चीन बल्कि दुनिया भर में लॉकडाउन के दौरान बच्चे घरों में रहे। इसकी वजह से वो पर्यावरण में मौजूद बैक्टिरिया और वायरस को लेकर उनके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बन नहीं पाई।

अब लॉकडाउन हटने के बाद जब वो बाहर निकल रहे हैं तो बीमारी पड़ रहे हैं।

ब्राउन कीवी संरक्षण प्रयास में मिली कामयाबी

150 साल में पहली बार राजधानी में दो चूजों का जन्म

वेलिंगटन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के वेलिंगटन में संरक्षणवादियों ने 150 वर्षों में दो कीवी चूजों की खोज की है, जो कि प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पक्षी के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पल है। साल 1991 में कीवी बचाव अभियान शुरू किया गया था और एक साल पहले कैपिटल कीवी प्रोजेक्ट शुरू किया गया। इसी के साथ शहर में नॉर्थ आइलैंड ब्राउन कीवी को फिर एक बार देखा गया।

ब्राउन कीवी देश की सामान्य प्रजातियों में से एक है। न्यूजीलैंड संरक्षण विभाग ने दो पीढ़ियों के भीतर इन प्रजातियों के खत्म होने की चेतावनी दी है। इसी के साथ कैपिटल कीवी प्रोजेक्ट ने ट्रांसमीटर के उपयोग से चूजों की निगरानी करने के साथ 18 अन्य ब्राउन कीवी पालने का लक्ष्य बनाया है। एक समय लगभग 12 मिलियन की आबादी वाले ब्राउन कीवी की जनसंख्या अचानक से घटकर 68,000 तक हो गई। इसे देखते हुए 'सेव द कीवी चैरेटी' और 90 अन्य संरक्षण कार्यक्रम उनकी जनसंख्या को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

'सेव द कीवी' ने एक आंकड़ा जारी करते हुए बताया कि 95 फीसदी जंगली कीवी व्यस्क होने से पहले ही मर जाते हैं। कैपिटल कीवी प्रोजेक्ट के टीम लीडर पॉल वार्ड ने आशा व्यक्त की है। दो चूजों का जन्म न्यूजीलैंड में कीवी को सुरक्षित करने के लिए चल रहे संरक्षण प्रयासों के लिए आशा का संकेत है।

भारत का युवा भविष्य बदल रहा है

संयुक्त राष्ट्र में बोलीं रुचिरा कंबोज

न्यूयॉर्क, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि भारत की युवा आबादी दुनिया में सबसे बड़ी है। कंबोज ने कहा कि हमारे युवा भविष्य को आकार दे रहे हैं और तकनीक की मदद से स्थायी विकास लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में 1एम1बी एक्टिवेट इम्पैक्ट समिट में अपने संबोधन के दौरान रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत युवा शक्ति की बदलाव की ताकत में पूरा विश्वास रखता है। रुचिरा कंबोज ने कहा कि 2030 तक

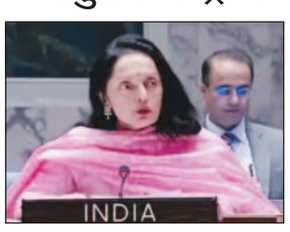

स्थायी विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए ऊर्जा के स्त्रोतों को बढ़ाने, मौलिकता और युवा जनता के अविष्कार अहम हैं। भारत सबसे युवा आबादी वाला देशों में से एक है और हम सिर्फ भविष्य को बनते ही नहीं देख रहे हैं बल्कि हम भविष्य को नया आकार दे रहे हैं। कंबोज ने कहा कि भारतीय युवाओं के कृषि, स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे अविष्कार इस बात का शानदार उदाहरण हैं कि तकनीक की मदद से किस तरह बेहतरी लाई जा सकती है और किस तरह से चुनौतियों को अवसरों में बदला जाता है। इस कार्यक्रम का आयोजन यूएन के ग्लोबल कम्युनिकेशन विभाग ने एनजीओ 1एम1बी के साथ मिलकर किया था। ग्लोबल कम्युनिकेशन के डायरेक्टर ऑफ आउटरीच मेहर नसीर ने भी माना कि भारत एक युवा आबादी वाला देश है।

एयरपोर्ट पर एक ही दिन दो विमानों के साथ हादसे

डोडोमा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्वी अफ्रीका के तंजानिया में एक ही दिन हवाईअड्डे पर दो नाटकीय घटना देखने को मिली। यह घटना मंगलवार की है, जब तीन क्रू सदस्यों समेत 30 यात्रियों के साथ यूनाइटेड एयर जांजीबार विमान जांजीबार से उड़ान भरी। किकोबोगा में लैंडिंग की कोशिश के दौरान विमान का मुख्य लैंडिंग गियर टूट गया, जिससे विमान रनवे से हट गया और नोज गियर और दोनों विंग के सहारे रूक गया। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। इस घटना के छह घंटे बाद किकोबोगा में एक और नाटकीय घटना देखने को मिली। दरअसल, करीबन इतनी ही यात्रियों के साथ एक अन्य विमान किकोबोगा से जांजीबार के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार थी। इसी दौरान विमान का नोज गियर टूट गया और विमान का दाहिना विंग एक इमारत से टकरा गया। हालांकि इस घटना में भी किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। दोनों विमानों के नाटकीय घटना के बाद इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो के जरिए दोनों विमान कितना क्षतिग्रस्त हुआ इसकी जानकारी दी गई है।

हमारे सैटेलाइट ऑपरेशन में अड़चन को युद्ध की घोषणा माना जाएगा

नॉर्थ कोरिया ने दी खुली धमकी

प्योंगयांग, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया ने कहा है कि वह उसके सैटेलाइट ऑपरेशन में अगर कोई देश किसी तरह की अड़चन पैदा करेगा तो इसका अंजाम बुरा होगा। शनिवार को रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि सैटेलाइट संचालन में किसी भी हस्तक्षेप को हम युद्ध की घोषणा मानेंगे। अगर उसकी रणनीतिक संपत्तियों के खिलाफ कोई भी हमला होगा तो वह अपनी युद्ध निरोधक क्षमता जुटाते हुए उसका जवाब देगा। उत्तर कोरिया ने हाल ही में अपनी मिलिट्री स्पाई सैटेलाइट लॉन्च की है। जिसके बाद से अमेरिका के साथ उसके रिश्तों में तनातनी देखी जा रही है।

उत्तर कोरिया ने कहा है कि अगर अमेरिका अवैध तरीके से नई तकनीक को हथियार बनाकर एक संप्रभु राज्य के वैध क्षेत्र का उल्लंघन करने की कोशिश करता है, तो हम उसकी व्यवहार्यता को नष्ट करने के लिए आत्मरक्षा में अपनी कार्रवाई करेंगे। रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि प्योंगयांग अंतरिक्ष में किसी भी अमेरिकी हस्तक्षेप का जवाब देगा।

नॉर्थ कोरिया ने की है सैटेलाइट की सफल लॉन्चिंग

21 नवंबर को नॉर्थ कोरिया ने स्पाई सैटेलाइट मल्लिग्योंग-1 की सफल लॉन्चिंग की है। नॉर्थ कोरिया के मीडिया ने दावा किया है कि इस सैटेलाइट की मदद से अमेरिकी मिलिट्री बेस, व्हाइट हाउस और रक्षा मंत्रालय पेंटागन की तस्वीरें ली गई हैं। इसके बाद अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने कई नए प्रतिबंध उत्तर कोरिया पर लगा दिए हैं। इस मामले पर हाल ही में यूएनएससी की बैठक में अमेरिकी एंबेसडर लिंड ग्रीनफील्ड और नॉर्थ कोरिया के एंबेसडर किम सोंग में आरोप प्रत्यारोप भी हुए थे। अमेरिका की ओर से कई बार ये खतरा जताया जाता रहा है कि नॉर्थ कोरिया खतरनाक हथियार बना रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना की तैयारियों का किया आकस्मिक निरीक्षण

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता ने विधानसभा चुनाव-2023 के लिए आगामी 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना के लिये की जा रही तैयारियों का आकस्मिक निरीक्षण किया और जिला निर्वाचन अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जयपुर में राजस्थान कॉलेज एवं कॉमर्स कॉलेज स्थित मतगणना स्थल पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। गुप्ता ने यहां ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रकाश राजपुरोहित ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री गुप्ता को मतगणना की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में अवगत कराया। गुप्ता ने यहां जयपुर जिले के 19 विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना हेतु की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं को भी देखा। मतगणना टेबलों, मतगणना कार्य में संलग्न कार्मिकों की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया।

श्री गुप्ता ने मतगणना स्थल पर स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी के लिये बनायी गई व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने मतगणना तिथि को मतगणना कार्य में लगे अधिकारियों सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में लगे सभी कर्मचारियों को भी पास जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतगणना कक्ष में राजनीतिक दलों के एजेंटो के लिए समुचित बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गुप्ता ने उम्मीदवारों व उनके पोलिंग एजेंट्स को निर्वाचन आयोग से प्राप्त मतगणना संबंधी दिशा निर्देशों की जानकारी अनिवार्य रूप से देने कहा। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, मीडिया सेंटर में आवश्यक सुविधाएं, गणना के लिए मतगणना सामग्री, डाक मतपत्रों की गणना, ईवीएम में दर्ज मतों की गणना, वीवीपीएटी स्लिप गणना, मतगणना की समाप्ति के बाद ईवीएम और निर्वाचन सामग्री को मुहरबंद करने और परिणाम की घोषणा के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मगगणना स्थल पर मीडियाकर्मियों को मतगणना के नवीनतम रूझान एवं परिणाम से अवगत कराने के लिए मीडिया सेंटर में बडी एलईडी स्क्रीन पर आयोग की आईटी एप्लिकेशन ट्रेंड-टीवी के माध्यम से प्रदर्शित करने की व्यवस्था की गयी है, जिससे मीडियाकर्मियों को एक ही स्थान पर राज्य की सभी विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना के नवीनतम रूझान एवं परिणाम उपलब्ध हों।

इसके अतिरिक्त राज्य के आमजन को राज्य विधानसभा के आमचुनाव की मतगणना के रूझान एवं परिणाम से अवगत कराने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट (https://ceorajasthan.nic.in/) पर भी लिंक दिया गया है। उक्त लिंक के माध्यम से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की मतगणना की राउंडवाइज सूचना उपलब्ध रहेगी। विभाग की वेबसाइट पर किस पार्टी का कौन अभ्यर्थी कितने मतों से आगे अथवा पीछे चल रहा है इसकी विधानसभावार सूचना भी विभाग की वेबसाइट पर रहेगी।

राष्ट्रीय पक्षी की मदद करने नहीं आया वन विभाग

दो घंटे तड़पने के बाद हुई मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

जैसलमेर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले की फतेहगढ़ तहसील के देगराय ओरण के पास भीखसर गांव की सरहद पर बिजली की हाईटेंशन लाइन की चपेट में एक मोर आ गया। करंट लगने से मोर तड़पता रहा। वहां मौजूद लोगों ने घटना की सूचना वन्य जीव प्रेमी सुमेर सिंह को दी। सुमेर सिंह ने वन विभाग को जानकारी दी। मगर वन विभाग की टीम नहीं पहुंची। दो घंटे तड़पने के बाद राष्ट्रीय पक्षी मोर की दर्दनाक मौत हो गई। मोर की दर्दनाक मौत से वन्य जीव प्रेमी काफी नाराज हैं। देगराय ओरण इलाके में हाईटेंशन लाइनों से टकराने से दुर्लभ पक्षियों की हो रही मौत से वन्य जीव प्रेमी हाईटेंशन लाइनों को अंडरग्राउंड करने की मांग कर रहे हैं। लगातार मर रहे पक्षियों से उनको काफी दुख है। सुमेर सिंह भाटी ने बताया कि राष्ट्रीय पक्षी मोर को करंट तड़पते देख एक पशुपालक भोम सिंह भीखसर ने देखा तो तुरंत वन्यजीव प्रेमी सुमेर सिंह भाटी को सूचना दी। उन्होंने तुरंत वन विभाग को सूचित किया लेकिन आपस में क्षेत्र बंटे होने के कारण वन विभाग के कर्मचारियों ने बताया यह इलाका हमारा नहीं है। दो घंटे तड़पने के बाद मोर की मौत हो गई। भाटी ने बताया कि हाईटेंशन लाइनों से निरंतर पक्षियों की मौत हो रही है। अगर ऐसा सिलसिला चलता रहा तो कैसे बचाया जाएगा पक्षियों को। वन्यजीव प्रेमियों का कहना है की हाईटेंशन लाइनों को अंडरग्राउंड नहीं किया तो यहां पक्षियों को विचरण करने के लिए खतरा है। सुमेर सिंह ने बताया कि देगराय ओरण क्षेत्र में वन्यजीवों व पक्षियों का बड़ी संख्या में विचरण है।

ओरण के अंदर व चारों तरफ मौजूद इन असुरक्षित बिजली तारों व पोल के कारण बड़ी संख्या में पक्षी मौत का शिकार हो रहे हैं। पक्षियों की सुरक्षा को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सरकार को चाहिए कि पक्षियों के विचरण के इलाके में बिजली की हाईटेंशन लाइनों को भूमिगत करें। अन्यथा पक्षियों के लिए ये जगहें मौत का घर बनती जा रही है।यहां कई पक्षियों की मौत बिजली के तार से टकराने से हुई है। ऐसे में वन्य जीव प्रेमी काफी नाराज हैं।

श्री डूंगरगढ़ में भीषण कार हादसा

शादी समारोह में शामिल होने जा रहे एक व्यक्ति समेत चार बच्चों की मौत

बीकानेर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बीकानेर जिले के श्री डूंगरगढ़ इलाके में बीती रात भीषण हादसा हुआ। भारी वाहन से कार की जबदरदस्त टक्कर में चार में लोगों की मौत हो गई। हादसे के समय कार में बच्चों 14 लोग सवार थे। हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार सभी लोग शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुट गई।

हादसे के अनुसार कार सवार सभी लोग शादी समारोह में शामिल होने के लिए बीकानेर से निकले थे। कार में दस बच्चों के साथ ही तीन महिलाएं भी सवार थीं। ये सभी लोग लोग गांव बिरमसर व सुरजनसर से बन्धनाऊ शादी कार्यक्रम में जा रहे थे। पुलिस के अनुसार आडसर गांव से चार किलोमीटर दूर सरदारशहर की ओर ये कार किसी अज्ञात भारी वाहन की चपेट में आ गई। हादसे में चार की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें तीन बच्चे और एक व्यक्ति शामिल है। वहीं, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चों के शरीर में तो मल्टीपल फ्रैक्चर हैं। हादसे की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुट गई। ये टक्कर इतनी भीषण थी कार के परखच्चे उड़ गए और कार में सवार तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। बच्चों की उम्र दस से बारह साल के बीच बताई जा रही है। कार के कई हिस्सों को काटकर बच्चों और अन्य लोगों को बाहर निकाला गया। परिवार को सूचना देर रात ही दे दी गई।

कोहरे के कारण स्कूल बस भिड़ी, 2 की मौत

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आज दक्षिण हिस्सों में बारिश हुई तो दूसरी तरफ उत्तरी हिस्से में घना कोहरे छाया। बांसवाड़ा, झालावाड़ के आसपास बीती रात एक इंच बारिश हुई। कोटा, चित्तौड़गढ़ के एरिया में रात में हल्के बादल छाए। इधर जयपुर, सीकर, दौसा समेत उत्तर-पूर्वी राजस्थान के जिले आज भी घने कोहरे की चपेट में रहे। सीकर में कोहरा इतना जबरदस्त रहा कि यहां विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम हो गई। वहीं, अजमेर के रुपनगढ़ में एक स्कूल बस और एक निजी बस की भिड़ंत हो गई। एक्सीडेंट में एक बच्चे और बस ड्राइवर की मौत हो गई। जयपुर के ग्रामीण इलाकों में भी आज खूब कोहरा रहा। कालवाड़ रोड, सीकर रोड, दिल्ली रोड पर कोहरे का असर वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों पर भी दिखा। सीकर, चूरू, झुंझुनूं, अजमेर, दौसा समेत कई एरिया में जबरदस्त कोहरा छाया रहा।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे दौसा पहुंचीं

दौसा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शनिवार को दौसा पहुंचीं। कलेक्ट्रेट चौराहे पर उनका कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से जिले का राजनीतिक फीडबैक लिया। पूर्व जिला अध्यक्ष सत्यनारायण शाहरा ने जिले की पांचों सीट भाजपा के खाते में आने के प्रति राजे को आश्वस्त किया। पूर्व मंत्री रामकिशोर मीणा, लोकेश शर्मा, महेंद्र तिवारी, शहर अध्यक्ष विपिन जैन, आलोक जैन, मुरारी धौंकरिया, तेज सिंह राजावत आदि कार्यकर्ताओं ने माला व दुपट्टा पहनकर राजे का स्वागत किया। वसुंधरा राजे का मेहंदीपुर बालाजी दरबार में हाजिरी लगाने का कार्यक्रम है।

बालाजी जाते समय कलेक्ट्रेट चौराहे पर कुछ देर वे ठहरीं। राजे के दौसा आगमन के साथ ही राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पूर्वी राजस्थान में गत चुनाव के दौरान भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया था। राजे इस बार बहुमत

कार्यकर्ताओं से जिले का राजनीतिक फीडबैक लिया

के प्रति आश्वस्त दिखाई दीं और पूर्वी राजस्थान के प्रत्याशियों को साधने के लिए उनका यह कार्यक्रम बताया जा रहा है। हालांकि जाहिर तौर पर बालाजी दर्शन का कार्यक्रम है।

लेकिन पूर्वी राजस्थान में विजेता प्रत्याशियों के साथ ही पार्टी के बागी व निर्दलीयों से संपर्क साधने की कोशिश की जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में राजे के आगमन को देखा जा रहा है। भाजपा का प्रदेश में बहुमत आने की संभावनाएं एग्जिट पोल में भी जताई गई हैं। लेकिन सरकार बनाने में मददगार व निर्णायक बागियों को साधने की कोशिश दोनों ही पार्टी के नेता कर रहे हैं। इसमें भाजपा की ओर से हालांकि सीएम का कोई फेस सामने नहीं किया गया। लेकिन राजे को मुख्यमंत्री के प्रबल दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में उनका पूर्वी राजस्थान का दौरा मायने रखता है।

अनुराग ठाकुर ने किया भाजपा की जीत का दावा

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के परिणाम में एक दिन शेष है। रविवार को फैसला हो जाएगा कि सत्ता की बागडोर किसके हाथ रहने वाली है। अगले पांच साल के लिए किसकी सरकार बनेगी और किसके दावों पर पानी फिर जाएगा, इसका फैसला कल रविवार को होने वाला है। इससे पहले दोनों पार्टियों के नेता अपनी जीत का दम भर रहे हैं।

राजस्थान के चुनावी रण वैसे तो कई पार्टियां मैदान में हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला प्रमुख पार्टी कांग्रेस और भाजपा में ही है। एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आने के बाद से हलचल तेज गई है। तमाम नेताओं के दावों के बीच बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी भाजपा की जीत का दावा पेश किया है। एक बयान में अनुराग ठाकुर ने कहा कि फर्जी वादे और फर्जी गारंटी देना कांग्रेस की पुरानी आदत है। पांच साल तक राहुल गांधी ने (राजस्थान में) फर्जी वादे किए। मैं केवल इतना कहूंगा कि कांग्रेस बेनकाब हो गई है और भाजपा कल सरकार बनाएगी। वहीं, इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी कांग्रेस पार्टी की जीत का दावा किया था। एग्जिट पोल के आंकड़ों को दरकिनार करते हुए उन्होंने कांग्रेस की जीत का दावा किया था। बता दें कि राजस्थान की 199 विधानसभा सीटों पर 25 नवंबर को मतदान हुआ था।

कोटा में कोचिंग व हॉस्टल में सुसाइड रोकने के लिए कलेक्टर द्वारा संचालकों को दिए गाइड लाइन की शतप्रतिशत पालना के निर्देश

कोटा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत एवं हॉस्टल में निवासरत विद्यार्थियों के संबंध में जिला कलक्टर एमपी मीना की अध्यक्षता में गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में प्रशासनिक अधिकारियों एवं कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों, हॉस्टल संचालकों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें कोचिंग विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या के कारणों एवं रोकथाम के विषय पर विस्तार से समीक्षा की गई।

जिला कलक्टर एमपी मीना ने समस्त कोचिंग एवं हॉस्टल संचालकों को निर्देशित किया कि कोचिंग एवं हॉस्टल के लिए जो गाइडलाइन तैयार की गई है उसकी शत प्रतिशत पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कोटा का प्रत्येक छात्र हमारी जिम्मेदारी है व छात्र में किसी भी तरह के अवसाद, चिंता जैसे लक्षण मिलते हैं तो कोचिंग संस्थान एवं हॉस्टल संचालक अपने प्रयासों के साथ-साथ अविलंब प्रशासन द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारियों को भी सूचित करें, ताकि वह अपने स्तर से भी छात्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने कोचिंग संस्थानों को निर्देशित किया कि सात दिवस के अंदर सभी छात्रों का व्यक्तिगत आकलन करें एवं उसके आधार पर तैयार रिपोर्ट की कार्य योजना प्रस्तुत करें। उन्होंने हॉस्टल संचालकों को निर्देशित किया कि प्रत्येक हॉस्टल में पंखों पर हैंगिंग डिवाइस होना अनिवार्य है ऐसा नहीं होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला कलक्टर ने प्रशासन द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारियों को न्यूनतम 10 हॉस्टल जाकर कर छात्रों से बात कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने नोडल अधिकारियों छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उनकी समस्याओं को सुलझाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। उन्होंने कहा अगर कोई छात्र बीमार है, लंबे समय तक क्लास में उपस्थित नहीं होता है, कम खाना खाता है, कम बात करता है, ऐसे में उसके परिवार से व्यक्तिगत संपर्क कर छात्र की स्थिति के बारे में बताया जाए। उन्होंने कहा कोई भी संस्थान गाइडलाइन के नाम पर मात्र खाना पूर्ति न करें। उन्होंने एडिशनल एसपी (स्टूडेंट सेल प्रभारी) चन्द्रशील से उनकी टीम द्वारा हॉस्टल्स एवं छात्रों से संपर्क के लिए आवश्यक निर्देश दिए, साथ ही उन्होंने कोटा शहर में संचालित पीजी हॉस्टल का डाटा तैयार करने के भी निर्देश प्रदान किये।

पुलिस अधीक्षक शहर शरद चौधरी ने कोचिंग संस्थानों एवं हॉस्टल संचालकों को निर्देश दिए कि कोचिंग एवं हॉस्टल का संचालन गाइडलाइन के अनुसार करें एवं जो आदेश छात्रों की सुरक्षा के लिए दिए जाते हैं उसकी शत प्रतिशत पालना करें अन्यथा इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा अगर किसी भी कारण से बच्चा कोचिंग या पढ़ाई से लंबा ब्रेक लेता है और पुनः कोचिंग ज्वाइन करता है ऐसे में उस पर कोर्स खत्म करने का ज्यादा दबाव होता है जो उसके लिए सहन कर पाना मुश्किल होता है तथा ऐसे छात्रों के लिए पुनरावलोकन करना आवश्यक है ताकि वह दबाव में ना आए।

एक दूल्हा-दो दुल्हन, एक साथ लिए सात फेरे

दोनों लड़कियों के परिवार ने बारात का किया स्वागत, शादी के कार्ड भी छपवाए

बांसवाड़ा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। शादी के मंडप में दूल्हे ने एक साथ दो दुल्हनों के साथ शादी की। तीनों के परिवार ने सामाजिक रीति-रिवाज के साथ सभी रस्मों को पूरा किया। शादी का निमंत्रण कार्ड भी छपवाया गया, जिसमें दूल्हे के साथ दोनों दुल्हनों के परिवारों का नाम शामिल था। इस विवाह समारोह के साक्षी कई लोग बने। फेरों की रस्म के बाद दोनों दुल्हनों के परिवार ने उन्हें दूल्हे के साथ विदा किया।

ये अनोखी शादी गुरुवार रात (30 नवंबर) को बांसवाड़ा जिले में हुई। विवाह की तैयारियों की शुरुआत पहले से ही हो गई थी और कार्ड बांटने सहित सभी रस्मों को पूरा किया जा रहा था। विवाह के समारोह को लेकर तीनों के परिवार वालों ने सभी तैयारियों को पूरा किया। दरअसल, आनंदपुरी उपखंड के आम्बादरा गांव के रहने वाले नरेश पारगी (26) की 30 नवंबर को शादी थी। नरेश खंडेरा गांव में बारात लेकर गया था। खास बात यह थी कि नरेश एक नहीं, दो दुल्हनों को ब्याहने गया था। उसकी खंडेरा गांव की रेखा रोत (23) और सेरावाला की अनिता डामोर (23) के साथ शादी थी। इस अनोखी शादी के समारोह में तीनों के परिवारजनों के साथ पूरा गांव शामिल हुआ था। बारात के पहुंचने पर दुल्हनों के परिवार ने दूल्हे को कंधे पर बैठा लिया और पारंपरिक वाद्य यंत्र बजाकर डांस किया। महिलाओं ने मांगलिक लोक गीत गाए। उसके बाद दूल्हे को अंदर ले जाया गया। शादी में दूल्हे के ननिहाल पक्ष के लोगों ने डीजे बजाकर रस्में पूरी की। दुल्हनों के पीहर पक्ष ने भी कपड़ा व्यवहार कर रस्म अदा की। शादी में रिश्तेदार और गांव के लोग भी शामिल हुए। खाने-पीने के बाद फेरों की रस्म अदा की गई।

धोखा देकर महिला से रेप

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में धोखा देकर एक महिला से रेप का मामला सामने आया है। शादी करने के बदले सौदा कर गहने-कैश ऐंठ लिए। प्रेग्नेंट होने पर उसको छोड़कर फरार हो गया। हरमाड़ा थाने में पीड़िता ने आरोपी युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसआई इमरत सिंह कर रहे है। पुलिस ने बताया कि हरमाड़ा निवासी 27 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। करीब 4 साल पहले पति से तलाक हो गया। तलाक के बाद वह बेटे को लेकर अपने पीहर में रहने लगी। आरोप है कि नौरतमल बागरिया ने जान-पहचान होने का फायदा उठाया। उससे शादी कर बच्चे की देखभाल का झांसा दिया। उसके परिजनों को विश्वास दिलाने के लिए रामनारायण गुर्जर से मिलवाया। रामनारायण ने विश्वास दिलाया की नौरतमल उससे शादी कर खुश रखेगा। विश्वास जीतकर शादी करने के बदले लाखों रुपए के गहने और 3 लाख रुपए कैश ऐंठ लिए। घर पर बिना बताए उसे जबरन ले गया। शादी का झांसा देकर अलग-अलग जगहों पर ले जाकर देहशोषण किया। तीन महीने की प्रेग्नेंट होने का पता चलने पर आरोपी नौरतमल उसे उसके घर छोड़कर फरार हो गया।

सरपंच ने पट्टा जारी करने की एवज में मांगे 3.40 लाख

एसीबी ने 2.40 लाख लेते हुए दबोचा

चित्तौड़गढ़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यानी एसीबी चित्तौड़गढ़ की टीम ने पट्टा जारी करने की एवज में एक सरपंच को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल, सरपंच से सत्यापन के दौरान वसूली गई राशि के बारे में पूछताछ जारी है। बता दें कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी के मुताबिक, चित्तौड़गढ़ ब्यूरो के समक्ष एक व्यक्ति ने शिकायत की।

शिकायत में बताया गया कि उसके कब्जेशुदा भूखंड का पट्टा जारी करने के नाम पर राशमी तहसील के जाड़ाना ग्राम पंचायत के सरपंच संजय सुखवाल उर्फ संजू तीन लाख 40 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। ब्यूरो के उप महानिरीक्षक उदयपुर राजेंद्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन में चित्तौड़गढ़ इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कैलाश संधू के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन कराया गया। इस दौरान सरपंच संजय सुखवाल द्वारा परिवादी से एक लाख रुपये रिश्वत वसूली गई। शेष राशि दो लाख 40 हजार रुपये आज यानी शुक्रवार को देना तय हुआ था। इसी क्रम में एसीबी की टीम जाड़ाना पहुंची और कार्रवाई शुरू की।

जैसे ही परिवादी ने दो लाख 40 हजार रुपये की नकदी सरपंच सुखवाल को थमाई, शिकायतकर्ता का इशारा पाकर टीम ने सरपंच को दबोच लिया। उन्होंने बताया कि सत्यापन के दौरान परिवादी से एक लाख रुपये रिश्वत के रूप में वसूल किए गए थे। उस राशि को बरामद करने की कोशिश की जा रही है। आरोपी सरपंच की ओर से हाल ही में जारी किए गए अन्य पट्टों के संबंध में भी पड़ताल की जा रही है।

दो लोगों पर जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार

जैसलमेर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। शिव रोड पर गाड़ियों में तोड़फोड़ करने और लोगों पर जानलेवा हमला करने के मुख्य आरोपी को जैसलमेर पुलिस ने गिरफ्तार किया। घटना में शामिल अन्य बदमाशों की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। पुलिस थाना कोतवाली प्रभारी सत्यप्रकाश विश्नोई ने बताया कि हमला करने का मुख्य आरोपी लाल सिंह को जानरा गांव से पकड़ने में कामयाबी हासिल की।

सत्यप्रकाश विश्नोई ने बताया कि पीड़ित प्रेम सिंह निवासी खुहडी ने पुलिस थाना कोतवाली में शिकायत देकर बताया कि 21 नवंबर को वो शिव रोड जैसलमेर में बोलेरो कैंपर से अपने साथी हरि सिंह के साथ खाना खाने के लिए जा रहा था। उस दौरान पीछे से बोलेरो कैंपर में आए 5 से 6 लोगों ने पीछे से मेरी गाड़ी को टक्कर मारी। उसके बाद दोबारा सामने से टक्कर मारी। शिकायत में बताया गया कि गाड़ी में सवार लालसिंह और उसके साथी गाड़ी से उतरे और हाथों में लाठी-सरिये, हॉकी आदि लेकर मेरी गाड़ी के सामने बोनट, बंपर और आगे के शीशे पर मारने लगे।

एनटीएस बेगमपेट में नेविगेशन कोर्स का समापन

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 105 वें एडवांस नेविगेशन कोर्स (एएनसी) और 137 वें एब-इनिशियो नेविगेशन कोर्स का समापन समारोह 2 दिसंबर को नेविगेशन ट्रेनिंग स्कूल (एनटीएस), एयर फोर्स स्टेशन बेगमपेट, हैदराबाद में आयोजित किया गया था। एयर कमोडोर संजय असवाल, डिप्टी कमांडेंट, कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर समारोह के समीक्षा अधिकारी (आरओ) थे। 105 वें एएनसी के स्नातक पाठ्यक्रम में भारतीय वायुसेना, भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारी शामिल थे। ये अधिकारी प्रशिक्षक के रूप में आगे बढ़ेंगे और अपनी-अपनी सेवाओं में अनुदेशात्मक कार्यभार संभालेंगे। 137 वें एब-इनिशियो नेविगेशन कोर्स में भारतीय वायुसेना के फ्लाइट कैडेट और श्रीलंकाई वायु सेना के एक अधिकारी शामिल थे। समारोह के दौरान दोनों पाठ्यक्रमों के मेधावी प्रशिक्षुओं को ट्रॉफी, पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। एनटीएस में अपना प्रशिक्षण पूरा कर चुके फ्लाइट कैडेटों को 17 दिसंबर 2023 को वायु सेना अकादमी, डंडीगल में निर्धारित संयुक्त स्नातक परेड के दौरान भारतीय वायुसेना में अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

सीपी ने वोटों की गिनती के लिए निषेधाज्ञा जारी की

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्वक संपन्न हो गई है। सभी नेता नतीजों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने वोटों की गिनती के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। वोटों की गिनती पूरी सुरक्षा के बीच होगी। वोटों की गिनती पूरी होने तक पूरे हैदराबाद शहर में निषेधाज्ञा लागू रहेगी। हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर संदीप सांडिल्य ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में मतगणना केंद्रों पर सीआरपीसी की धारा 144 लागू रहेगी। इसके तहत लोगों को एक स्थान पर समूह में रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। एक जगह पर पांच से ज्यादा लोगों को नहीं रहने का आदेश दिया गया है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मतगणना केंद्रों के एक किलोमीटर के भीतर लोगों को समूहों में नहीं देखा जाना चाहिए। साथ ही किसी भी पार्टी का झंडा नहीं रखना चाहिए। सीपी ने कहा कि अगर कोई लाठी-डंडे और विस्फोटक के साथ नजर आया तो भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्हें माइक पर प्रचार न करने की भी हिदायत दी गई। उन्होंने कहा कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती से निपटेंगे। उन्होंने कहा कि शहर में 3 दिसंबर की सुबह से 4 दिसंबर की सुबह 6 बजे तक 24 घंटे के लिए शराब की बिक्री बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शराब की दुकानों के अलावा, क्लब, रेस्तरां और स्टार होटलों को भी इसके अनुसार कार्रवाई करनी होगी। नियम। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन नियमों का उल्लंघन किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंचेरियाल में माओवादी दंपत्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल जिले के जयपुर मंडल के इंदाराम गांव में शनिवार को एक वरिष्ठ माओवादी दंपत्ति को गिरफ्तार किया गया। कथित तौर पर उनके पास से फर्जी आधार कार्ड, बैंक खाता बही, एक एटीएम कार्ड, दो मोबाइल फोन और 1.57 लाख रुपये नकद के अलावा माओवादी बैठकों से संबंधित दस्तावेज जब्त किए गए। रामागुंडम आयुक्त रेमा राजेश्वरी ने कहा कि अंबेडकर कोनसीमा जिले के डेल्टा गन्नावरम मंडल से डोंगा गंगाधर राव (80) उर्फ नरसन्ना उर्फ बक्कन्ना उर्फ वेंगो दादा और उनकी पत्नी भवानी (60) उर्फ सुजाता उर्फ शायमाला उर्फ लक्ष्मी को एक विशेष टीम ने गिरफ्तार कर लिया। गंगाधर राव सीपीआई (माओवादी) दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी की तकनीकी शाखा के सदस्य थे। कमिश्नर ने कहा कि एक आरोपी समर्थक, कुमराम भीम आसिफाबाद के पेंचिकलपेट मंडल का चिप्पकुर्थी श्रीनिवास अभी भी फरार है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय समिति के सदस्य चंद्रन्ना के निर्देशों के अनुसार, दंपति कथित तौर पर श्रीनिवास की मदद से तेलंगाना, छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड में माओवादी गतिविधियों में शामिल थे। उन्होंने कहा कि गंगाधर राव हथियारों के निर्माता थे, जबकि भवानी इंदाराम में थे। संगठन को मजबूत करना, धन जुटाना इत्यादि। पुलिस ने कहा कि कथित तौर पर फर्जी आधार कार्ड बनाने और कुछ महीने पहले इंदाराम में एक छोटा सा घर बनाने वाले दंपति ने कभी-कभी महाराष्ट्र के सिरोंचा में पार्टी की बैठकों में भाग लिया था। राव 1980 में पार्टी में शामिल हुए और दंपति की एक बेटी है। श्रीनिवास को पकड़ने के लिए तलाशी शुरू की गई।

बीआरएस नेताओं ने मुझे परेशान किया: सीताक्का

मुलुगु, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती रविवार को होगी। वहीं, एग्जिट पोल में विधानसभा चुनाव को लेकर अब तक दिलचस्प जानकारियां सामने आई हैं। इससे राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्य में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने की संभावना है। इस मौके पर कांग्रेस नेता और मुलुगु विधायक सीताक्का ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की। सीतक्का ने शनिवार को मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि राज्य में इंदिरम्मा का राज्य आने वाला है और राज्य के हर घर में खुशी की रोशनी है। बीआरएस पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं की व्यक्तिगत आलोचना और साजिश की राजनीति के कारण उन्हें बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि मुलुगु के लोगों ने एक बेटी के रूप में उनका स्वागत किया और कहा कि छोटे बच्चों ने भी उनका समर्थन किया और उन्हें स्वीकार किया।

एचएईएस प्रतिभा व प्रवीणता प्रतियोगिता का उद्घाटन

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 13 वीं एचएईएस प्रतिभा और प्रवीणता प्रतियोगिता का उद्घाटन सेंट मैरी स्कूल सिकंदराबाद में एचएईएस के उपाध्यक्ष पी बालापोरेड्डी और एचएईएस सचिव जी. एंटोनीगारू द्वारा किया गया। इस दौरान समकालीन और पारंपरिक शिक्षा के साथ- साथ शिक्षा में विविधता और कौशल को बढ़ावा देने में एचएईएस संस्थानों के प्रयासों की सराहना की। 13 वें एचएईएस कार्यक्रम ने शिक्षण और गैर- शिक्षण कर्मचारियों के बीच भाईचारे की भावना को बढ़ावा दिया, जिन्होंने उत्सव के माहौल को महसूस किया। इसका उद्देश्य छात्रों की अंतर्निहित प्रतिभा को सामने लाना और छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करना है। हैदराबाद आर्कबिशप एजुकेशनल सोसाइटी के बैनर तले 18 स्कूलों ने 18 नवंबर, 1 दिसंबर को आयोजित साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एयरमैन ट्रेनिंग स्कूल में अग्निवीरवायु प्रशिक्षु की पासिंग आउट परेड

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्निवीरवायु (महिला) के पहले प्रवेश के साथ-साथ अग्निवीरवायु (पुरुष) के दूसरे प्रवेश की पासिंग आउट परेड (पीओपी) एयरमैन ट्रेनिंग स्कूल बेलगावी में आयोजित की गई थी। यह दिन भारतीय वायु सेना के इतिहास में अंकित हो जाएगा क्योंकि 153 अग्निवीरवायु (महिला) के पहले बैच ने अपने पुरुष समकक्षों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मार्च किया था। कुल 2280 अग्निवीरवायु (पुरुष और महिला) प्रशिक्षुओं ने 22 सप्ताह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। एयर मार्शल आर मूलीश ने परेड की समीक्षा की और प्रशिक्षुओं द्वारा ड्रिल और मार्च पास्ट का शानदार प्रदर्शन देखा। एयर मार्शल ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और सम्मानित किया। आरओ ने परेड को प्रभावशाली और भव्य बनाने के उत्कृष्ट प्रयास के लिए अग्निवीरवायु की सराहना की। उन्होंने आह्वान किया कि वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में नई चुनौतियाँ उभर रही हैं। इसलिए, 22 सप्ताह के दौरान हासिल किए गए युद्ध प्रशिक्षण और सैन्य तैयारियों का उपयोग सैन्य उद्देश्यों की प्राप्ति में किया जाना चाहिए। उन्होंने अग्निवीरवायु को अपने ज्ञान, कौशल को बढ़ाने और हर समय अनुकरणीय तरीके से आचरण करने के लिए भी प्रेरित किया। आरओ ने अग्निवीरवायु के माता-पिता की भी सराहना की, देश के लिए उनके योगदान को स्वीकार करते हुए और पुरुषों और महिलाओं को सम्मानित करने के लिए, जो दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वायु सेना का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। अग्निवीरवायु के इस सेवन को अग्निपथ योजना के तहत 28 जून 2023 को भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। पासिंग आउट परेड ने उनके बुनियादी सैन्य और स्ट्रीम आधारित प्रशिक्षण की परिणति को चिह्नित किया, जिसने न केवल शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान किया, बल्कि अग्निवीरवायु की बौद्धिक और नैतिक क्षमताओं को भी बढ़ाया, जो एक वायु योद्धा के लोकाचार के लिए आवश्यक है। यह उन युवा पुरुषों और महिलाओं के परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था जो प्रभावशाली पासिंग आउट परेड समारोह को देखने के लिए उपस्थित थे।

राजस्थान में चुनाव के रिजल्ट से पहले बाड़ेबंदी की तैयारी

वसुंधरा राजे देव दर्शन यात्रा पर, गहलोत पार्टी प्रत्याशियों के साथ बागी-निर्दलियों से मिले

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले राजस्थान में सियासी हलचल शुरू हो गई है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों में नतीजों को लेकर अलग-अलग लेवल पर तैयारियां कर ली गई हैं। हंग असेंबली के हालात बनने पर दोनों पार्टियों ने बाड़ेबंदी का भी प्लान बनाया है। दोनों ही पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि हेलिकॉप्टर और प्लेन बुक करवा लिए गए हैं।

उधर, नतीजों से पहले पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की सक्रियता ने नई सियासी चर्चा छेड़ दी है। वसुंधरा राजे नतीजों से पहले देव दर्शन कर रही हैं। शनिवार (2 दिसंबर) की सुबह उन्होंने जयपुर में मोती डूंगरी मंदिर में पूजा-अर्चना की, इसके बाद मेहंदीपुर बालाजी में दर्शन किए।

वहीं नतीजों से पहले कांग्रेस हाईकमान ने हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा को राजस्थान की जिम्मेदारी दी है। कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा शनिवार शाम जयपुर पहुंच गए हैं। हुड्डा चुनाव परिणामों पर नजर रखते हुए हाईकमान को रिपोर्ट देंगे।

वसुंधरा राजे पहले भी देव दर्शन करती रही हैं। वे हर नई शुरूआत से पहले देव दर्शन करती हैं, इसलिए नतीजों से पहले उनके देव दर्शन के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। वसुंधरा राजे के नजदीकी नेता उन्हें हाईकमान से कुछ संकेत मिलने का दावा कर रहे हैं।

इससे पहले शुक्रवार को वसुंधरा ने राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की। साथ ही आरएसएस पदाधिकारियों के साथ भी लंबी चर्चा की थी। वसुंधरा की इस सक्रियता को अगली सियासी पारी की शुरूआत के तौर पर देखा जा रहा है। चुनावी अभियान के दौरान भी उन्होंने दो दर्जन से ज्यादा सभाएं की थीं। अब चुनावी नतीजों के बाद उनकी अगली भूमिका को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं।

बाड़ेबंदी के लिए प्लेन-हेलिकॉप्टर तैयार, दोनों पार्टियों का प्लान बी तैयार :

कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने प्लान बी के तहत हंग असेंबली बनने के हालात में बाड़ेबंदी की तैयारी शुरू कर दी है। दोनों ही पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने हेलिकॉप्टर और प्लेन बुक करवा लिए हैं। दिल्ली से ही इसकी मॉनिटरिंग की जा रही है। दोनों ने इन तैयारियों को पूरी तरह गोपनीय रखा है। कांग्रेस ने बागियों और निर्दलियों को हेलिकॉप्टर भेजकर सीधा जयपुर और फिर प्लेन से बाड़ेबंदी में ले जाने का प्लान बनाया है, इसके लिए नेताओं को स्टैंड बाय पर रखा गया है।

जरूरत पड़ने पर कांग्रेस बाड़ेबंदी के लिए विधायकों को बेंगलुरू ले जा सकती है। भाजपा जरूरत पड़ने पर अहमदाबाद या मुंबई में बाड़ेबंदी कर सकती है। बीजेपी में भी दिल्ली और जयपुर में बैठकर नेता पूरी तैयारियों में लगे हुए हैं। बागियों के पास दोनों ही पार्टियों के फोन गए हैं।

वोटिंग के बाद वसुंधरा राजे से बड़ी संख्या में बीजेपी उम्मीदवारों ने मुलाकात की थी। पिछले कुछ दिनों से लगातार वे नेताओं और उम्मीदवारों से मुलाकात कर रही हैं। जीतने की क्षमता वाले बागियों और निर्दलियों से भी वसुंधरा राजे ने संपर्क किया है। कई निर्दलियों को नतीजों के तत्काल बाद जयपुर बुलाया गया है। हंग असेंबली के हालात बने तो वसुंधरा राजे निर्दलियों को पहले से ही जोड़कर रखने की रणनीति पर चल रही हैं।

सीएम अशोक गहलोत लगातार सीएम हाउस पर पार्टी के उम्मीदवारों से मिल रहे हैं। गहलोत से कांग्रेस के कई उम्मीदवारों ने शुक्रवार को भी मुलाकात की थी। पायलट समर्थक माने जाने वाले उम्मीदवारों ने भी गहलोत से मुलाकात की थी। गहलोत हर सीट पर फीडबैक ले चुके हैं। जिन सीटों पर बागी और निर्दलीय मजबूत हैं, उनसे गहलोत लगातार संपर्क में भी हैं। निर्दलियों को जयपुर पहुंचने के लिए कहा गया है। हंग असेंबली के हालात बनने को ध्यान में रखकर भी तैयारियां की जा रही हैं। विधानसभा चुनाव परिणाम से पहले केकड़ी विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी रघु शर्मा ने बड़ा बयान दिया है। वे बोले, भविष्य सचिन पायलट का ही है। उन्होंने सीएम को लेकर भी कहा कि सभी सीटों पर सीएम ही लड़ रहे हैं, क्योंकि पांच साल उन्होंने ही प्रदेश चलाया। सीएम के अंदर यही भावना होनी चाहिए।

बीआरएस 70 सीटों के बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखेगी : श्रवण

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता डॉ. दासोजू श्रवण ने दोहराया है कि बीआरएस पार्टी 70 से अधिक विधानसभा सीटें जीतकर फिर से सरकार बनाएगी और के चंद्रशेखर राव लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री होंगे।

शनिवार को यहां तेलंगाना भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए, दासोजू श्रवण ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एग्जिट पोल के नतीजों से परपीड़क खुशी ले रही है और टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी बीआरएस के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण प्रचार फैलाने में नए निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। "चाहे कांग्रेस पार्टी ने लोगों को भ्रमित करने के लिए कितने भी पेड एग्जिट पोल सर्वेक्षण किए हों, हमारे पास अपनी भविष्यवाणियां और सर्वेक्षण हैं। बीआरएस 70 से अधिक सीटें जीतेगी और सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सत्ता में वापस आएगी। तेलंगाना का विकास श्रवण ने कहा, "मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में पिछले दो कार्यकाल के दौरान जो हुआ, वह निश्चित रूप से तीसरी बार भी जारी रहेगा।" उन्होंने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराने के लिए कांग्रेस पार्टी की भी गलती पाई, जिसमें आरोप लगाया गया कि बीआरएस सरकार कार्यकाल के बाहर ठेकेदारों को कमीशन के लिए 6,000 करोड़ रुपये के बिल का भुगतान कर रही है। मुख्यमंत्री द्वारा 4 दिसंबर को बुलाई गई कैबिनेट बैठक पर टिप्पणी करते हुए श्रवण ने बताया है कि मुख्यमंत्री द्वारा विघटन से पहले कैबिनेट बैठक बुलाना एक नियमित परंपरा है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

जहीराबाद में गांजा तस्करी का वाहन दुर्घटनाग्रस्त

संगारेड्डी, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग 2 क्विंटल सूखा गांजा ले जा रही एक एसयूवी शुक्रवार देर रात जहीराबाद मंडल के बुचेनेली गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार, जो तेज गति से चलाई जा रही थी, कथित तौर पर स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो देने के बाद पलट गई। टक्कर से गांजे के पैकेट वाहन से बाहर फेंका गए। चिरागपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन और गांजा को जब्त कर लिया। घटना के समय वाहन में सवार दो व्यक्ति कथित तौर पर मौके से भाग निकले। पुलिस वाहन के पंजीकरण नंबर और उसके मालिक के आधार पर उनका पता लगाने की कोशिश कर रही थी। बताया जा रहा है कि जिस वक्त यह हादसा हुआ उस वक्त गांजा ओडिशा सीमा से मुंबई तस्करी के जरिए ले जाया जा रहा था।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'गंगा नदी के ...

शीर्ष अदालत पटना निवासी अशोक कुमार सिन्हा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इससे पहले राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने 30 जून, 2020 के आदेश में उनकी याचिका खारिज कर दी थी। सिन्हा ने पर्यावरण की दृष्टि से नाजुक बाढ़ क्षेत्र पर अवैध निर्माण और स्थायी अतिक्रमण के खिलाफ याचिका दाखिल की थी।

याचिका में दलील दी गई थी कि एनजीटी ने पटना में गंगा के डूब क्षेत्र में अतिक्रमण करने वाले उल्लंघनकर्ताओं के विस्तृत विवरण की जांच किए बिना आदेश पारित किया। अधिवक्ता आकाश वशिष्ठ के जरिए दायर याचिका में कहा गया था, गंगा के डूब क्षेत्र में अवैध और अनधिकृत निर्माण और स्थायी अतिक्रमण से भारी मात्रा में कचरा, शोर और सीवेज पैदा हो रहा है। इसमें कहा था कि अवैध निर्माण आसपास रहने वाले निवासियों के जीवन और संपत्ति के जोखिम को बढ़ा रहे हैं। हर साल क्षेत्र बाढ़ के पानी में डूब जाता है। अवैध निर्माण नदी के प्राकृतिक मार्ग को बाधित कर रहे हैं।

सूर्य की अहम ...

सितंबर में हुई थी लॉन्चिंग :

भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो ने दो सितंबर को भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 की लॉन्चिंग की थी। इसरो ने पीएसएलवी सी57 लॉन्च व्हीकल से आदित्य एल1 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से हुई थी। यह मिशन भी चंद्रयान-3 की तरह पहले पृथ्वी की परिक्रमा करेगा और फिर यह तेजी से सूरज की दिशा में उड़ान भरेगा।

इसरो के मुताबिक, सूर्य हमारे सबसे करीब मौजूद तारा है। यह तारों के अध्ययन में हमारी सबसे ज्यादा मदद कर सकता है। इससे मिली जानकारियां दूसरे तारों, हमारी आकाश गंगा और खगोल विज्ञान के कई रहस्य और नियम समझने में मदद करेंगी। हमारी पृथ्वी से सूर्य करीब 15 करोड़ किमी दूर है। आदित्य एल1 वैसे तो इस दूरी का महज एक प्रतिशत ही तय कर रहा है, लेकिन इतनी सी दूरी तय करके भी यह सूर्य के बारे में हमें ऐसी कई जानकारियां देगा, जो पृथ्वी से पता करना संभव नहीं होता।

आतंकवाद को सहायता ...

उनके परिवार का मातृभूमि के लिए सेवा और बलिदान का एक लंबा इतिहास रहा है। पूरे देश को उनकी वीरता और साहस पर गर्व है। मैं आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने के लिए सुनियोजित आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए हमारी सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीएपीएफ की सराहना करता हूं।

हम आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र और आतंकवादियों को सहायता और बढ़ावा देने वालों के खिलाफ अपने अभियान तेज करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें अपने जघन्य कृत्यों के लिए बहुत भारी कीमत चुकानी पड़े। अजोटे में उपराज्यपाल ने गांव और आसपास के पूर्व सैनिकों से भी मुलाकात की।

शीतकालीन सत्र में ...

इनके अलावा जम्मू कश्मीर रिजर्वेशन विधेयक 2023, जम्मू कश्मीर रि-ऑर्गेनाइजेशन विधेयक, पोस्ट ऑफिस विधेयक, चीफ इलेक्शन कमिश्नर और अन्य इलेक्शन कमिश्नर विधेयक, द बॉयलर्स बिल, सेंट्रल गुड्स एंड सर्विस टैक्स बिल, सेंट्रल यूनिवर्सिटीज बिल आदि शामिल हैं। बता दें कि चुनाव आयुक्तों से संबंधित इस विधेयक के पारित होने के बाद चुनाव आयुक्त का स्टेटस कैबिनेट सचिव स्तर का हो जाएगा, जबकि अभी चुनाव आयुक्त का स्टेटस सुप्रीम कोर्ट जज के बराबर माना जाता है।

एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट भी संसद में होगी पेश :

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों पर संसद की एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पेश की जाएगी, इस पर भी सभी की निगाहें रहेंगी। एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर इस रिपोर्ट को संसद के पटल पर रखेंगे। इस मामले में महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता छीनने की मांग की जा रही है।

चुनाव मतगणना केंद्र पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था: सुरेश कुमार

किसी को विजय रैली की अनुमति नहीं

कुमरम भीम आसिफाबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस ने बताया कि कल विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि कल चुनाव परिणाम घोषित होने के 24 घंटे तक कोई सभा, बैठक और विजय रैलियां नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्ट्रांग रूम पर कड़ी सुरक्षा रहेगी। बताया गया है कि मतगणना केंद्र आसिफाबाद स्थित तेलंगाना ट्राइबल सोशल वेलफेयर कॉलेज के आसपास के इलाकों में डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ता निरीक्षण करेगा. मतगणना में भाग लेने वाले उम्मीदवारों, एजेंटों और अधिकारियों को निषिद्ध वस्तुएं जैसे माचिस, लाइटर, स्याही की बोतलें, विस्फोटक आदि मतगणना केंद्रों में नहीं लाने चाहिए और उन्हें चेकिंग स्टाफ के साथ सहयोग करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मतगणना प्रक्रिया के संचालन के लिए सभी व्यवस्था पूरी : बोरकड़े हेमन्त सहदेव

कुमरम भीम आसिफाबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र आम चुनाव के तहत 30 नवंबर को हुए मतदान के बाद इस महीने की 3 तारीख को राज्य भर में होने वाली मतगणना कार्यक्रम को पूरी ताकत से संचालित किया जाना चाहिए। शनिवार को हैदराबाद के अन्य अपर निर्वाचन अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टरों और निर्वाचन अधिकारियों के साथ मतगणना कार्यक्रम के संचालन पर समीक्षा की गई। इस मौके पर राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतगणना प्रक्रिया बिना किसी गलती के संपन्न करायी जाये। मतगणना केंद्र पर टेबल, काउंटर, मीडिया, राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त एजेंटों और अन्य व्यवस्थाओं को नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है। जिला निर्वाचन अधिकारी जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने जिला केन्द्र स्थित कलक्ट्रेट भवन स्थित वीडियो कांफ्रेंस हॉल से वीडियो कांफ्रेंस में भाग लिया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि जिले के 001-सिरपुर एवं 005-आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र के लिए जिला केन्द्र स्थित समाज कल्याण गुरूकुल विद्यालय में मतगणना केन्द्र बनाया जायेगा एवं सम्पूर्ण व्यवस्था की जायेगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 19 मतगणना टीमें, 14 मतगणना टेबल और 3 पोस्टल बैलेट टेबल लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि 3 दिसंबर को डाक मतपत्रों की गिनती सुबह 8 बजे की जायेगी, कंट्रोल यूनिट वोटों की गिनती सुबह 8.30 बजे शुरू की जायेगी, मतपेटियों में पर्चियों की गिनती रैंडम तरीके से की जायेगी और गिनती की प्रक्रिया शुरू की जायेगी। सामान्य चुनाव पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम मतगणना प्रक्रिया के संचालन के लिए सभी व्यवस्थाओं के साथ तैयार हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

टी20 वर्ल्डकप से पहले टीम इंडिया के सामने नया चैलेंज

ओपनर्स कौन होंगे? रोहित-यशस्वी रेस में सबसे आगे

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। आगामी टी-20 वर्ल्ड कप से पहले भारत के पास 7 इंटरनेशनल टी-20 मैच और एक आईपीएल सीजन बचा है। इन मुकाबलों से ही जून में शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप 2024 की टीम तय होगी। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद सिलेक्टर्स ने रोहित शर्मा और विराट कोहली से आगे बढ़कर टीम चुनने के संकेत दिए थे।

दोनों खिलाड़ी एक साल तक कोई टी-20 मुकाबला नहीं खेले, लेकिन वर्ल्ड कप टीम में वापसी की चर्चा तेज है। अब सिलेक्टर्स के सामने नए समीकरण तलाशने और फिर खिलाड़ियों को उनके रोल में ढालने की चुनौती है। भारतीय टीम में सबसे ज्यादा माथापच्ची ओपनिंग स्लॉट्स को लेकर है, जहां 5 मजबूत दावेदार हैं।

यशस्वी ने भारत के लिए इसी साल अगस्त में टी20 डेब्यू किया

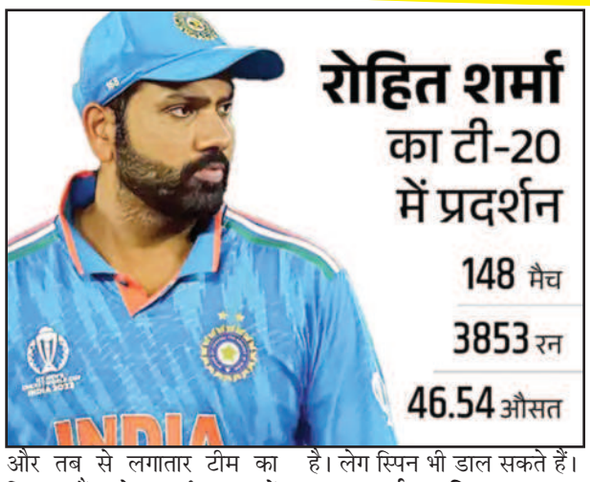

और तब से लगातार टीम का हिस्सा हैं। वे वर्ल्ड कप में ओपनिंग के सबसे बड़े दावेदार हैं। इसकी वजह है पहली गेंद से अटैक करने की क्षमता। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप से अब तक 132 खिलाड़ी दुनियाभर में ओपनिंग कर चुके हैं, इनमें पहली 10 गेंदों में यशस्वी का 167.51 का स्ट्राइक रेट दूसरा सबसे बेहतर है। लेग स्पिन भी डाल सकते हैं।

ईशान किशन: विकेटकीपिंग के विकल्प लेकिन बल्लेबाजी पर संदेह

ओपनिंग के दावेदारों में ईशान किशन अकेले विकेटकीपर हैं। केएल राहुल के अलावा वर्ल्ड कप टीम में इशान इकलौते विकेटकीपर नजर आते हैं। वे ओपनिंग और विकेटकीपिंग स्लॉट

एक साथ भर सकते हैं। हालांकि, टी20 में उनकी बल्लेबाजी क्षमता पर संदेह है। पिछले वर्ल्ड कप से अब तक 13 मैचों में उनका औसत 19.46 और स्ट्राइक रेट 111.94 का है।

ऋतुराज गायकवाड: विंडीज की स्पिन पिचों के लिए महत्वपूर्ण बल्लेबाज

गायकवाड़ टी20 फॉर्मेट में स्पिन गेंदबाजी के शानदार खिलाड़ियों में से एक हैं। पिछले टी20 वर्ल्ड से अब तक स्पिन के खिलाफ वे 47 के औसत और 166 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। वर्ल्ड कप में विंडीज की धीमी पिचों को देखते हुए टीम में उनकी जगह बन सकती है। हालांकि, शुरुआत में उनका धीमा स्ट्राइक रेट भी चिंता का विषय है, लेकिन

लंबी पारियां खेलते हैं।

रोहित शर्मा: एक साल से कोई टी-20 नहीं खेले लेकिन वनडे फॉर्म शानदार

नवंबर 2022 में आखिरी टी-20 खेलने वाले रोहित टीम में वापसी की तैयारी में हैं। जाहिर तौर पर वे खेले तो प्रमुख ओपनिंग बल्लेबाज होंगे। हालिया वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने 126 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और वे ये कारनामा टी20 फॉर्मेट में भी कर सकते हैं। हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर संशय को देखते हुए उनके कप्तानी करने की भी चर्चा है।

शुभमन गिल: लेफ्ट और राइट के बैटिंग कॉम्बिनेशन की वजह से पिछड़ सकते हैं

वर्ल्ड कप के बाद गिल टी20 फॉर्मेट के ओपनर की रेस में सबसे आगे थे। तब से वे अपनी पारी की हर 16वीं गेंद पर छक्का जमा रहे हैं। आईपीएल 2023 में उन्होंने 890 रन बनाए। हालांकि, रोहित वापस आते हैं तो अंतिम-11 में जगह मुश्किल होगी। लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन को देखते हुए यशस्वी को तरजीह दी जा सकती है।

सूर्यकुमार अपनी ही टीम के खिलाड़ियों को भूले

डीआरएस में 3 बार बचे मैक्डरमॉट, एक शॉट पर जब अंपायर फील्डर बने। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी-20 में 20 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने 5 टी-20 की सीरीज में भी 3-1 की अजेय बढ़त बना ली। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में मैच खेला गया। यहां टॉस के समय भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव प्लेइंग-11 ही भूल गए।

भारत ने रचा इतिहास, पाकिस्तान को पछाड़ सबसे ज्यादा टी20आई जीत का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत T20I क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम बन गई है. टीम इंडिया ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ते हुए ये बड़ी उपलब्धि अपने नाम की.

भारत ने अपने स्पिनरों की मदद से रायपुर में चौथे T20I मैच में आस्ट्रेलिया को 20 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली. इस तरह सूर्यकुमार यादव ने कप्तान के तौर पर अपनी पहली सीरीज में जीत हासिल की. पिछले तीन मैचों की तुलना में इस मुकाबले का स्कोर काफी कम रहा लेकिन भारतीय गेंदबाजों विशेषकर स्पिनर अक्षर पटेल (16 रन देकर तीन विकेट) और रवि बिश्नोई (17 रन देकर एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया सात विकेट पर 154 रन ही बना सकी.

भारत ने यशस्वी जायसवाल (37 रन) और रूतुराज गायकवाड़ (32 रन) की पारियों के बाद रिंकू सिंह के 29 गेंद में 46 रन और जितेश शर्मा के 19 गेंद में 35 रन की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट पर 174 रन बनाये.

भारत ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में सीरीज जीतने के साथ ही टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया. दरअसल, टीम इंडिया ने सबसे ज्यादा टी20आई जीतने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है. भारत ने पाकिस्तान को पछाड़ते हुए ये बड़ा मुकाम हासिल किया है. भारत के नाम अब T20I क्रिकेट में 136 जीत दर्ज हो गई हैं. पाकिस्तान के नाम 135 जबकि न्यूजीलैंड के नाम 102 T20I मैच जीत दर्ज हैं.

टी20आई क्रिकेट में सर्वाधिक जीत (टॉप 10)

भारत – 213 मैचों में 136 जीत
पाकिस्तान – 226 मैचों में 135 जीत
न्यूजीलैंड – 200 मैचों में 102 जीत
ऑस्ट्रेलिया – 181 मैचों में 95 जीत
साउथ अफ्रीका – 171 मैचों में 95 जीत
इंग्लैंड – 177 मैचों में 92 जीत
श्रीलंका – 180 मैचों में 79 जीत
वेस्टइंडीज – 184 मैचों में 76 जीत
अफगानिस्तान – 118 मैचों में 74 जीत
आयरलैंड – 154 मैचों में 64 जीत

भारतीय टीम हालांकि 20 ओवर में नौ विकेट पर 174 रन ही बना सकी थी लेकिन टीम के गेंदबाजों ने इस लक्ष्य का बचाव करते हुए ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट पर 154 रन ही बनाने दिये. पांचवां और अंतिम T20 मैच तीन दिसंबर को बेंगलुरु में खेला जायेगा.

राष्ट्रीय मुक्के बाजी चैम्पियनशिप

थापा, संजीत और पंघाल ने जीते स्वर्ण; सचिन लक्ष्य ने भी जीते खिताब

शिलांग

पंघाल की निगाह अब फरवरी में पेरिस ओलंपिक के लिए होने वाले क्वालिफायर्स पर लगी हैं। इसके लिए उनकी दीपक भोरिया से होड़ होगी। इस साल विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले दीपक ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने से छूट दी गई थी।

विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में नहीं चुने गए विश्व चैंपियनशिप (2019) के रजत पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर अपना दबदबा फिर बनाया है। उन्होंने चंडीगढ़ के अंशुल पूनिया को 5-0 से हराया। पंघाल की निगाह अब फरवरी में पेरिस ओलंपिक के लिए होने वाले क्वालिफायर्स पर लगी हैं। इसके लिए उनकी दीपक भोरिया से होड़ होगी। इस साल विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले दीपक ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने से

छूट दी गई थी।

छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता अनुभवी शिव थापा (63.5 किग्रा) ने वंशज को सर्वसम्मत फैसले से हराया। इसके अलावा सचिन सिवाच (57 भारवर्ग), लक्ष्य चाहर (80 भारवर्ग), 2021 एशियाई चैंपियन संजीत (92 किग्रा) ने भी खिताब जीते। सचिन सिवाच ने आरएसपीबी के सचिन को 5-0, चाहर ने हर्ष चौधरी और संजीत ने नवीन कुमार को पराजित किया। हालांकि राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता सागर अहलावत (प्लस 92) को पंजाब के जयपाल सिंह के हाथों हारकर निराशा का सामना करना पड़ा। जयपाल ने तीसरे दौर में नॉकआउट किया। 75 भारवर्ग के फाइनल में दीपक ने इशमीत को मात दी। साठ किलो भारवर्ग में वरिंदर सिंह ने आकाश को हराया।

श्रेयांका पाटील और साइका इशाक को विमेंस टीम में मौका

इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम इंडिया घोषित; हरमप्रीत कौर ही करेंगी कप्तानी

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने विमेंस टीम इंडिया की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज रेणका ठाकुर ने इंजरी के बाद वापसी की है। जेमिमा रोड्रिग्ज को टेस्ट टीम में जगह मिली। दोनों टेस्ट डेब्यू कर सकती हैं।

21 साल की स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर श्रेयांका पाटील और 28 साल की लेफ्ट आर्म स्पिनर साइका इशाक को टी-20 सीरीज में चुना गया। दोनों को पहली बार टीम इंडिया में जगह मिली।

टेस्ट और टी-20 दोनों टीमों की कप्तानी हरमनप्रीत कौर ही करेंगी। सीरीज 6 दिसंबर से शुरू होगी। इंग्लैंड के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट के लिए भी भारत की टीम चुनी गई है।

डब्ल्यूपीएल में चमकी थीं इशाक और श्रेयांका

ऑफ स्पिन ऑलराउंडर श्रेयांका पाटील इसी साल विमेंस प्रीमियर लीग में चमकी थीं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते हुए 6 विकेट लिए थे। यहां से उन्हें वेस्टइंडीज के फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट कैरेबियन प्रीमियर लीग में भी खेलने का मौका मिला था। वह पिछले दिनों इंग्लैंड-ए के खिलाफ भी इंडिया-ए से खेली थीं।

लेफ्ट आर्म स्पिनर साइका इशाक ने मुंबई इंडियंस से खेलते हुए डब्ल्यूपीएल में प्रभावित किया था। वह टूर्नामेंट की टॉप विकेट टेकर बॉलर्स में 15 विकेट के साथ चौथे नंबर पर रही थीं। इशाक और श्रेयांका के शामिल होने से राजेश्वरी गायकवाड और देविका वैद्य को मौका नहीं मिल सका।

टी-20 टीम में इशाक और श्रेयांका के साथ अनुभवी दीप्ति शर्मा और लेग स्पिनर मन्नत कश्यप के रूप में 4 स्पिनर्स हैं। आरसीबी से ही खेलने वालीं कनिका आहूजा को भी टीम में जगह मिली है।

6 दिसंबर से शुरू होगी सीरीज

इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया को एक टेस्ट और 3 टी-20 की सीरीज खेलनी है। 6, 9 और 10 दिसंबर को 3 टी-20 मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं 14 से 17 दिसंबर के बीच 4 दिवसीय टेस्ट मैच होगा। सभी मुकाबले मुंबई में होंगे। तीनों टी-20 मुकाबले वानखेड़े स्टेडियम में होंगे, वहीं टेस्ट मैच डीवाई पाटील स्टेडियम में खेला जाएगा।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम तैयार कर रहा है बीसीसीआई

2024 का विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप सितंबर और अक्टूबर के दौरान बांग्लादेश में खेला जाएगा। टीम इंडिया ने अब तक टूर्नामेंट नहीं जीता है, इसे देखते हुए बीसीसीआई का फोकस युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को मिक्स कर मजबूत टीम बनाने पर है। इंग्लैंड के बाद टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट और 6 लिमिटेड ओवर्स के मुकाबले खेलेगी।

घरेलू मैदान पर 9 साल बाद टेस्ट खेलेगी टीम

विमेंस टीम इंडिया अपने घरेलू मैदान पर 9 साल बाद टेस्ट खेलने उतरेगी। टीम ने नवंबर 2014 में आखिरी बार साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेला था, इसमें टीम इंडिया को पारी और 34 रन से जीत मिली थी। 2014 के बाद टीम ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विदेश में भी एक-एक ही टेस्ट खेला।

भारत की टेस्ट टीम में 20 साल में पहली बार मिताली राज और झूलन गोस्वामी शामिल नहीं रहेंगी। इसके साथ ही हरमनप्रीत कौर पहली बार टेस्ट में टीम इंडिया की कमान संभालेंगी। उन्होंने अब तक वनडे और टी-20 में ही विमेंस टीम को लीड किया है।

इंडिया विमेंस टीम...

टी-20 स्क्वॉडः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटील, मन्नत कश्यप, साइका इशाक, रेणुका सिंह, तितास साधू, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा और मिन्नु मणि।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट के लिए भारत का स्क्वॉडः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, शुभा सतीश, हरलीन देओल, साइका इशाक, रेणुका सिंह, तितास साधू, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड और पूजा वस्त्राकर।

सॉलिटेर कालेज में तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयीन खेल आयोजित

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सॉलिटेर डिग्री कालेज में तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयीन खेल प्रतियोगिता का आयोजन ख्वाजा गुडा के मुख्य मैदान में किया गया। जिसमें लगभग अठारह कालेजों के छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया।

जिसके अंतर्गत कबड्डी, तैराकी, खो खो, बैडमिंटन, एथलीट, क्रिकेट आदि में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसके अंतर्गत बैडमिंटन एकल और डबल्स में तपस्या डिग्री कालेज, तैराकी में एसबीएस कालेज, कबड्डी (पुरुष वर्ग) में सी मल्ला रेड्डी, खो खो में एसबीएस कालेज,कालेज, (महिला वर्ग) सी मल्ला रेड्डी कालेज, किक्रेट में अविनाश डिग्री कालेज, एथलीट में एसबीएस कालेज,विजयी हुए। खेल प्रतियोगिताओं का संचालन कालेज की प्राचार्या चंद्रकांता अवस्थी के निर्देश पर जगदीश सोबले, किशोर, एजाज़, काशीफ और डेनियल. के विशेष सहयोग के साथ साथ अन्य प्राध्यापकों से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बांग्लादेश ने किया कमाल, न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट में 150 रन से पीटा

सिलहट, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 150 रन से हरा दिया। कीवी टीम को चौथी पारी में बांग्लादेश ने 332 रनों का लक्ष्य दिया था, लेकिन न्यूजीलैंड की टीम 181 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस तरह मेजबान बांग्लादेश ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच यह मुकाबला सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में

खेला गया।

मुकाबले में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। नजमुल हसन शांतो की कप्तानी में टीम ने पहली पारी में 310 रन का स्कोर खड़ा किया। पहली पारी में टीम के लिए महमूदुल हसन जॉय ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। महमूदुल हसन जॉय ने 86 रन बनाए। इसके अलावा कप्तान शांतो और मोमिनुल हक ने 37-37 रनों की पारी खेली।

इंडियन चैंपियनशिप 2023 में लगेगा प्रतिभाशाली गोल्फर्स का मेला, तारीखों का हुआ एलान

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। देश का क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब तीसरे इंडियन चैंपियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार है। यह टूर्नामेंट छह से आठ दिसंबर तक खेला जाएगा। वहीं, यूएस किड्स गोल्फ भी इस कार्यक्रम के लिए उत्साहित है। इस टूर्नामेंट में उन गोल्फर्स का जमावड़ा लगेगा, जो भविष्य के सितारे बनने वाले हैं।

दिल्ली से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गोल्फ क्लब दक्षिण एशिया में जैक निकलॉस द्वारा

डिजाइन की गई एक अद्भुत संरचना है। प्राकृतिक सौंदर्यता इसे एक सुंदर गोल्फ डेस्टिनेशन बनाती है। क्लासिक गोल्फ और कंट्री क्लब किसी भी गोल्फर के दिल को जीतने के लिए पर्याप्त है और यही वजह है कि इसे भारत के शीर्ष 10 सर्वश्रेष्ठ गोल्फ मैदानों में गिना जाता है।

इंडियन चैंपियनशिप युवा गोल्फरों को एक बहु-दिवसीय चैंपियनशिप इवेंट में प्रतिस्पर्धा करने और यूएस किड्स गोल्फ प्रायोरिटी स्टेटस के लिए क्वालिफिकेश प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। प्रायोरिटी स्टेटस के विभिन्न स्तरों को हासिल करके खिलाड़ी क्षेत्रीय, अंतरराष्ट्रीय और वर्ल्ड टीन चैंपियनशिप समेत अन्य यूएस किड्स गोल्फ मेजर चैंपियनशिप के लिए क्वालिफिकेशन प्राप्त कर सकते हैं।

हैदराबाद में मतगणना की सारी तैयारी पूरी
निर्वाचन अधिकारी रोनाल्ड रोज़

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि हैदराबाद जिले के 15 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतगणना केंद्रों पर सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। मतगणना की पृष्ठभूमि में शनिवार को सबसे पहले सिकंदराबाद वेस्ले कॉलेज मैदान में बनाए गए सिकंदराबाद छावनी निर्वाचन क्षेत्र के मतगणना केंद्र की व्यवस्थाओं की जांच की गई। बाद में अंबरपेट जीएचएमसी इंडोर स्टेडियम में मलकपेट गणना केंद्र स्थापित किया गया। दूरस्थ शिक्षा प्रो. जी. राम रेड्डी केंद्र, उस्मानिया विश्वविद्यालय में सिकंदराबाद गणना केंद्र स्थापित किया गया, डोमलगुडा एवी कॉलेज, नारायणगुडा में मुशीराबाद गणना केंद्र स्थापित किया गया। जिला चुनाव अधिकारी रोनाल्ड रोज़ ने कॉलेज द्वारा स्थापित अंबरपेट मतगणना केंद्रों (जीएफ और ओपन ग्राउंड) का निरीक्षण किया। उस्मानिया यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट में बनाए गए सनत नगर काउंटिंग सेंटर का चुनाव अधिकारी रोनाल्ड रोज ने हैदराबाद पुलिस कमिश्नर संदीप सांडिल्य के साथ निरीक्षण किया। इस मौके पर निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतगणना केंद्र के अंदर किसी को भी मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं है। सभी एजेंट और मतगणना कर्मचारी सुबह 5 बजे तक मतगणना केंद्र पर आ जाएं। उन्होंने बताया कि मतगणना के लिए जहां 14 टेबलें लगाई गई हैं, वहीं त्रिस्तरीय व्यवस्था होगी, पहले चरण में सिविल पुलिस, दूसरे चरण में राज्य सेना पुलिस और तीसरे चरण में केंद्रीय बल होंगे। डाक मतपत्रों की गिनती सुबह 8 बजे और ईवीएम की गिनती सुबह 9 बजे शुरू होगी। उन्होंने कहा कि पहले राउंड के नतीजे सुबह 9:30 बजे घोषित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि देर शाम तक पूरी गिनती पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक सामान्य पर्यवेक्षक नियुक्त किया है और मतगणना प्रक्रिया सामान्य पर्यवेक्षक की देखरेख में जारी रहेगी।

मेरी गवाही के बल पर अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मिली : श्री रामभद्राचार्य
महान संत ने राष्ट्र को सर्वोपरि बताया, हैदराबाद का नाम भाग्यनगर रखने की कोशिश

प्रख्यात संत पद्मविभूषण जगत्गुरू श्री रामभद्राचार्य वार्ता प्रकाशन समूह के सीएमडी व पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी और उनकी पत्नी अलका संघी को विशेष आशीर्वाद प्रदान करते हुए।

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रख्यात संत पद्मविभूषण जगदगुरू श्री रामभद्राचार्य ने कहा कि मेरी गवाही के बल पर श्री अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मिली है। उन्होंने कहा कि मैं वचन देता हूं कि आने वाले दिनों में काशी भी मिलेगी और मथुरा भी मिलेगा। इसके साथ मेरी कोशिश होगी कि हैदराबाद का नाम भाग्यनगर हो जाएं। अग्रवाल समाज तेलंगाना, महाराजा अग्रसेन शाखा, बंजारा हिल्स द्वारा नेकलेश रोड, सिकंदराबाद में आयोजित धर्म संवाद में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जगतगुरू ने कहा कि 14 जनवरी से 22 जनवरी तक रामलला की नगरी अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि में विभिन्न अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम चाह रहे कि मेरा 75 वां जन्मदिन अयोध्या में ही मनाया जाए। इस दौरान अमृत महोत्सव का आयोजन होगा और 1008 कुंडीय महायज्ञ का आयोजन होगा। कार्यक्रम के दौरान मेरी कथा होगी और प्रतिदिन 75 लोगों से संवाद होगा। जगदगुरू ने कहा कि मेरे ऊपर सरस्वती माता का आशीर्वाद है, लेकिन इतने बड़े धार्मिक आयोजन के लिए काफी धनराशि की आवश्यकता है। उन्होंने अग्रवाल समाज, तेलंगाना से कार्यक्रम में पूरा सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर 'वार्ता प्रकाशन समूह' के सीएमडी और पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी ने कहा कि जगतगुरू श्रीरामभद्राचार्य का आशीर्वाद अग्रवाल समाज के साथ ही पूरे तेलंगाना को प्राप्त होना बड़े गौरव की बात है। ऐसे महान संत का भाग्यनगर की धरा पर आगमन सौभाग्य की बात है।

श्री राम जन्मभूमि-बाबरी विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में गवाही दी थी श्री रामभद्राचार्य ने

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामजन्मभूमि-बाबरी विवाद पर रामभद्राचार्य ने सुप्रीम कोर्ट में गवाही दी थी। मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान की बात करते हुए उन्होंने 7 दिनों तक चली 100 पेजों में गवाही दी थी। इसी अदालती कार्रवाई की एक बहस में स्वामी रामभद्राचार्य ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि शास्त्रों की गवाही के लिए आँखों की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अथर्ववेद के दशम कांड में 31वें अनुवाक्य के द्वितीय खंड पर अयोध्या से जुड़े सवाल का साफ़ जवाब लिखा है। इसमें 8 चक्र और 9 देवताओं की अयोध्या के बीच में मंडप के आकार का सोने का मंदिर बताया गया है। इसी में भगवान राम का प्राकट्य बताया गया है। स्वामी रामभद्राचार्य का दावा है कि इस गवाही के बाद उन्हें मुस्लिम जज ने उन्हें "डिवाइन पॉवर' (दैवीय शक्ति) से सम्पन्न बताया था। रामभद्राचार्य ने हैदराबाद में साफ तौर पर कहा कि राष्ट्र को देवता माना जाना चाहिए। भगवान राम के भी भारत माता की गोद में खेले थे। उन्होंने कहा कि सनातन को मिटाने का सपना देखने वाले खुद मिट गए। उन्होंने कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर और चीन द्वारा कब्जा की गई भूमि को भारत को मिलाने का उनका सपना है। इसीलिए मैं बड़ा महायज्ञ कर रहा हूं। मेरे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है।

गिरिधर मिश्रा ऐसे बने जगतगुरु

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दुनिया में चर्चित जगतगुरु रामभद्राचार्य का जन्म 14 जनवरी 1950 को यूपी के जौनपुर जिले में हुआ था। उनका बचपन का नाम गिरधर मिश्रा है। जब वह दो साल के थे, तभी उन्हें ट्रकोम नाम की बीमारी हो गई। गांव की एक महिला ने कोई दवा डाली तो आंखों से खून निकलने लगा। उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई। बचपन में आंखों की रोशनी जाने के बाद गिरधर ने काफी समस्याएं झेलीं। उनके दादा ने उन्हें प्रारंभिक शिक्षा दी। गिरधर को रामायण, महाभारत, विश्रामसागर, सुखसागर, प्रेमसागर, ब्रजविलास जैसी किताबों का पाठ कराया। गिरधर ने महज तीन साल की उम्र में श्रीराम से जुड़ी अपनी रचना अपने दादा को सुनाई तो सब दंग रह गए। ये रचना अवधी में थी। बड़े हुए तो सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय से शास्त्री की उपाधि ली। अयोध्या के ईश्वरदास महाराज से उन्होंने गायत्री मंत्र और राममंत्र की दीक्षा ली। तभी से उनका नाम भी रामभद्राचार्य हो गया। जगतगुरु रामभद्राचार्य को बहुभाषाविद कहा जाता है। वे 22 भाषाओं में पारंगत हैं। संस्कृत और हिंदी के अलावा अवधि, मैथिली सहित अन्य भाषाओं में कविता कहते हैं। अब तक उन्होंने 80 से अधिक पुस्तकों की रचना की है। इसमें दो संस्कृत और दो हिंदी के महाकाव्य भी शामिल हैं। रामभद्राचार्य न लिख सकते हैं। न पढ़ सकते हैं । न ही उन्होंने ब्रेल लिपि का प्रयोग किया है। उन्होंने केवल सुनकर शिक्षा हासिल की। बोलकर अपनी रचनाएं लिखवाते हैं। उनकी इस ज्ञान के कारण भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 2015 में पद्मविभूषण से सम्मानित किया था। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धर्मनगरी चित्रकूट में तुलसी पीठ जाकर पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य का आशीर्वाद लिया था।

नागार्जुन सागर विवाद: जल शक्ति मंत्रालय 6 दिसंबर को उच्च स्तरीय बैठक करेगा

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा नदी के पानी के बंटवारे और नागार्जुन सागर और श्रीशैलम सहित बेसिन में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों की संयुक्त परियोजनाओं के प्रबंधन के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 6 दिसंबर को एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। जल संसाधन विभाग के सचिव द्वारा बुलाई गई बैठक, केंद्रीय जल आयोग और कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड के प्रतिनिधियों के साथ-साथ तेलंगाना और एपी के मुख्य सचिवों, सिंचाई सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के साथ वस्तुतः आयोजित की जाएगी। जल संसाधन सचिव, देबाश्री मुखर्जी, जिन्होंने कथित तौर पर आंध्र प्रदेश द्वारा तैनात सशस्त्र बलों के कब्जे के बाद नागार्जुन सागर परियोजना पर मौजूद स्थिति पर हितधारक एजेंसियों से रिपोर्ट मांगी थी, अधिकारियों के साथ पहले दौर की बातचीत करना चाहती थीं। लेकिन तेलंगाना की मुख्य सचिव ए शांति कुमारी ने 5 दिसंबर के बाद बैठक को पुनर्निर्धारित करने का अनुरोध किया है, क्योंकि रविवार को होने वाली मतगणना की तैयारियों के कारण उनका और उनके अधिकारियों का दिन में व्यस्त कार्यक्रम था। हालाँकि मुखर्जी ने आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव जवाहर रेड्डी से बातचीत की और घटनाक्रम की समीक्षा की। अंतिम क्षण में हस्तक्षेप करते हुए, गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने शुक्रवार को दोनों राज्यों के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और एपी बलों द्वारा बांध पर कब्जे के परिणामों पर चर्चा की। इस मुद्दे पर उनका संदेश जोरदार और स्पष्ट था। वह चाहते थे कि एपी बांध पर सीआरपीएफ की तैनाती का रास्ता बनाते हुए अपनी सेना हटा ले। उन्होंने दोनों राज्यों के अधिकारियों को सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए 28 नवंबर की यथास्थिति बहाल करने में मदद करने का भी निर्देश दिया। गृह सचिव के रुख का समर्थन करते हुए, जल संसाधन सचिव ने एपी को आश्वासन दिया कि वह गतिरोध को समाप्त करने के लिए सभी मुद्दों को हल करने में मदद करेंगी। वह चाहती थीं कि दोनों राज्य संयम बरतें।

ईडी ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में छह स्थानों पर तलाशी ली

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 29 नवंबर को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में छह स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया है। मछली टैंकों के निर्माण के लिए किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत ऋण की मंजूरी में धोखाधड़ी का आरोप है। ईडी ने आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत सीबीआई, एसीबी, विशाखापत्तनम द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें आईडीबीआई बैंक, राजमुंदरी शाखा, पूर्वी गोदावरी जिला, आंध्र प्रदेश में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। ईडी की जांच में पता चला कि आरोपियों ने बैंकिंग चैनलों के माध्यम से वेतन भुगतान, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, भविष्य निधि के बहाने अपने कर्मचारियों, ज्ञात व्यक्तियों, किसानों से केवाईसी दस्तावेज, खाली चेक आदि लिए। इन दस्तावेजों के आधार पर, उन्होंने बैंक अधिकारियों और मूल्यांकनकर्ताओं की मिलीभगत से उनके नाम पर 311.05 करोड़ रुपये का ऋण लिया। श्रमिकों, किसानों आदि के खातों में जमा की गई ऋण राशि आरोपी व्यक्तियों के खातों में स्थानांतरित कर दी गई और कई मामलों में, पूरी ऋण राशि नकद में निकाल ली गई। इस प्रकार आरोपियों ने ऋण एग्रीगेटर के रूप में काम किया और अंततः ऋण राशि का उपयोग अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए किया, जिसमें उनके व्यवसायों में निवेश और परिवार के सदस्यों और अन्य व्यक्तियों के नाम पर संपत्तियों का अधिग्रहण शामिल था। ऋण एग्रीगेटर्स के आवासों और कार्यालय परिसरों में तलाशी ली गई, जिसके परिणामस्वरूप डिजिटल उपकरणों की बरामदगी और जब्ती हुई और अपराध की आय से अर्जित कई अचल व चल संपत्तियों का खुलासा हुआ।

नलसर यूनिवर्सिटी में सीएलएटी आज

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के क्षेत्रीय समन्वयक और कुलपति ने सूचित किया है कि जो लोग हैदराबाद केंद्रों में कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) 2024 के लिए उपस्थित हो रहे हैं। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे एक घंटे बाद संबंधित परीक्षा केंद्रों पर पहुंचें। 3 दिसंबर को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे के बीच निर्धारित परीक्षा से पहले। वीसी ने कहा कि विधान सभा चुनाव परिणाम एक ही दिन घोषित होने के कारण आवेदकों और उनके अभिभावकों से अनुरोध है कि वे सावधानी बरतें और संबंधित केंद्रों पर पहले ही पहुंच जाएं।

एपी चैंबर्स सेंट्रल जोन स्थापना समारोह आयोजित किया गया

ओंगोल, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फेडरेशन (एपी चैंबर्स) ने आज यहां अपना सेंट्रल जोन इंस्टालेशन समारोह आयोजित किया। सिद्दा सुधीर कुमार ने एपी चैंबर्स के सेंट्रल जोन के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। बनारजी बी. बट्टिनेनी ने मध्य क्षेत्र के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। वी.सतीश बाबू ने चैंबर्स सेंट्रल जोन के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिद्दा राघव राव थे। एपी चैंबर्स के अध्यक्ष पोटलुरी भास्कर राव, कार्यकारी उपाध्यक्ष एल. रघुराम रेड्डी, महासचिव बी. राजा शेखर, कोषाध्यक्ष एस. अक्कैया नायडू, रायलसीमा जोन के अध्यक्ष के.वी. चौधरी और बोर्ड सदस्य कोटि राव, एपी चैंबर्स के पदाधिकारियों, पी. भास्कर राव, एल. रघुराम रेड्डी, बी. राजा शेखर और एस. अक्कैया नायडू और सिद्दा सुधीर कुमार ने एपी चैंबर्स, इसके महत्व, इसकी गतिविधियों और उपलब्धियों और सदस्य बनने के लाभों के बारे में बात की। एपी चैंबर्स सभी मोर्चों पर आंध्र प्रदेश के सतत आर्थिक विकास के साथ वाणिज्य और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के साथ समर्थन और सहयोग करने में सबसे आगे है। यह नीतिगत ढांचों और परिवर्तनों को प्रभावित करने में सहायक रहा है। एपी चैंबर्स राज्य में व्यवसायों के विकास को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान के लिए बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करता है। विभिन्न राज्य-स्तरीय और जिला-स्तरीय संघ/निकाय/चैंबर एपी चैंबर्स से संबद्ध हैं।" आसपास के जिलों के कई प्रतिष्ठित उद्यमियों और एपी चैंबर्स के सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

पूर्ववर्ती आदिलाबाद में वोटों की गिनती के लिए इंतजाम पूरे

आदिलाबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में रविवार को 10 विधानसभा क्षेत्रों में हुए मतदान की सुचारू गिनती के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। समग्र आदिलाबाद जिले में वोटों की गिनती के लिए चार स्थान बनाए गए थे। आदिलाबाद और बोथ खंडों में पड़े वोटों की गिनती आदिलाबाद जिला केंद्र में तकनीकी प्रशिक्षण और विकास केंद्र (टीटीडीसी) में की जाएगी। निर्मल, मुधोल और खानापुर विधानसभा क्षेत्रों के वोटों की गिनती निर्मल के एक सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में की जाएगी। आसिफाबाद में एक आदिवासी कल्याण आवासीय विद्यालय आसिफाबाद और सिरपुर (टी) खंडों में मतदान की गिनती के लिए स्थल है। मनचेरियल, बेल्लमपल्ली और चेन्नूर खंडों के वोटों की गिनती हाजीपुर मंडल के मुलकल्ला गांव में एइज़ा कॉलेज इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में होगी। वोटों की गिनती के लिए चौदह टेबल की व्यवस्था की गई है. वोटों की गिनती 22 राउंड में होगी. पहले राउंड में डाक मतपत्रों की गिनती होने वाली थी. अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए मतगणना केंद्र पर आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू की गई थी। भारत निर्वाचन आयोग से पास प्राप्त करने वालों को केंद्रों में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। मतगणना के बाद 24 मार्च तक पटाखे फोड़ने और जुलूस निकालने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आदिलाबाद में एक ईंधन स्टेशन से केआरके कॉलोनी की ओर यातायात मोड़ दिया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.